



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-08032021-225719
CG-DL-E-08032021-225719

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 84]	नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 8, 2021/फाल्गुन 17, 1942
No. 84]	NEW DELHI, MONDAY, MARCH 8, 2021/PHALGUNA 17, 1942

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(व्यापार उपचार महानिदेशालय)
अधिसूचना
अंतिम जांच परिणाम
नई दिल्ली, 8 मार्च, 2021

केस संख्या। ए डी-एस एस आर -12/2020

विषय : यूरोपीय यूनियन, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, ताईवान और संयुक्त राज्य अमेरिका के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए 2-इथाइल हेक्सानोल के आयातों के संबंध में निर्णायक समीक्षा जांच।

फा. सं. 7/28/2020-डीजीटीआर.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे आगे “अधिनियम” भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संकलन तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे “नियमावली” अथवा “पाटनरोधी नियमावली” भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. मै. दि आन्ध्रा पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (जिसे आगे आवेदक भी कहा गया है) ने समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संकलन तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) के अनुसार यूरोपीय यूनियन, इंडोनेशिया, कोरिया

गणराज्य, मलेशिया, ताईवान और संयुक्त राज्य अमेरिका (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए 2-इथाइल हेक्सानोल (जिसे आगे संबद्ध वस्तु अथवा “विचाराधीन उत्पाद” अथवा “पीयूसी” कहा गया है) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे “प्राधिकारी” भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया था।

2. आवेदक ने संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए संबद्ध वस्तुओं के पाटन के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना का आरोप लगाया है और संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा और उसे जारी रखने के लिए अनुरोध किया है।
3. इस अधिनियम की धारा 9क(5) में अन्य बातों के साथ-साथ यह प्रावधान है कि लगाया गया पाटनरोधी शुल्क यदि उसे पूर्व में समाप्त नहीं किया गया हो, इस प्रकार के अधिरोपण की तिथि से पांच वर्षों के समाप्त होने पर प्रभावी नहीं रहेगा और प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य की समीक्षा करें कि क्या शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है। उपर्युक्त के अनुसार, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे घरेलू उद्योग के द्वारा अथवा उसकी ओर से इस संबंध में किए गए विधिवत् प्रमाणित अनुरोध के आधार पर इस तथ्य की समीक्षा करें कि क्या शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है।
4. नियमावली के नियम 23(1ख) में निम्नलिखित प्रावधान है:
".....किसी बात के होते हुए भी अधिनियम के अंतर्गत लगाया गया कोई निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क उसके लगाए जाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगा बशर्ते निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त अवधि से पूर्व अपनी खुद की पहल पर या घरेलू उद्योग की ओर से किए गए विधिवत् पुष्टिकृत अनुरोध के आधार पर उक्त अवधि समाप्त होने से पूर्व उचित अवधि के भीतर इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि उक्त शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।"
5. घरेलू उद्योग की ओर से दायर किए गए पाटन और क्षति की संभावना के प्रथम दृष्टया साक्ष्य के साथ प्रमाणित आवेदन के आधार पर, पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित इस अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार, प्राधिकारी ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के संबंध में पाटनरोधी शुल्कों को लगातार लगाए रखने के लिए आवश्यकता की समीक्षा करने तथा इस तथ्य की जांच करने कि क्या उक्त पाटनरोधी शुल्कों की समाप्ति के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है, दिनांक 28 फरवरी, 2020 की अधिसूचना सं. 7/28/2020-डीजीटीआर(एडी-एसएसआर सं. 12/2020) के माध्यम से निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत की।
6. पूर्व में, प्राधिकारी ने दिनांक 20 नवंबर, 2014 को यूरोपीय यूनियन, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, ताईवान और संयुक्त राज्य अमेरिका से 2-इथाइल हेक्सानोल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू की और जांच करने के बाद, दिनांक 18 फरवरी, 2016 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/24/2014-डीजीएडी के माध्यम से निश्चात्मक शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की। प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणामों में की गई सिफारिशों के आधार पर, निश्चात्मक पाटनरोधी शुल्क केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 29 मार्च, 2016 की अधिसूचना सं. 10/2016-सीमा शुल्क (एडीडी) के माध्यम से लगाया गया था।

ख. प्रक्रिया

7. प्राधिकारी द्वारा जांच के संबंध में नीचे दी गई प्रक्रिया का अनुसरण किया गया:
 - i. प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित 28 अगस्त, 2020 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसके तहत संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में जांच शुरू की गई।
 - ii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावास, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्तों और घरेलू उद्योग को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पते के अनुसार जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी और उनसे अनुरोध किया कि वे पाटनरोधी नियमावली के

नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 30 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराएं। सूचना प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा बढ़ाकर सबसे पहले 18 अक्तूबर, 2020 और फिर 8 नवंबर, 2020 तक किया गया था।

- iii. प्राधिकारी ने ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों तथा भारत में संबद्ध देश के दूतावासों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति उपलब्ध कराई।
- iv. भारत में संबद्ध देशों के दूतावास को भी निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए उनके देश से निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह देने का भी अनुरोध किया गया था। उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और पतों के साथ उन्हें भेजी गई थी।
- v. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, सूचना प्राप्त करने के लिए संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों जिनका ब्यौरा आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराया गया था, निर्यातक की प्रश्नावली भेजी:

- क. मै. ओक्सिया जीएमबीएच, जर्मनी
- ख. मै. ग्रुपा एजोटी केडजियरजुन, पोलैंड
- ग. मै. एक्सॉमोबिल केमिकल हालैंड बीवी, नीदरलैंड्स
- घ. मै. ओल्चिम एस.ए. रोमानिया
- ङ. मै. पेरस्टोर्प ओक्सो एबी, स्वीडन
- च. मै. जाक ए.ए.यूएल, पोलैंड
- छ. मै. बीएसएफ लेम्पर्टिम जीएमबीएच, जर्मनी
- ज. मै. सेलनिज केमिकल्स यूरोप जीएमबीएच, जर्मनी
- झ. मै. आर्केमा एस.ए., फ्रांस
- ञ. मै. इनियोज ऑक्साइड
- ट. मै. पीटी पेट्रो नुसांतरा, इंडोनेशिया
- ठ. मै. पैट्रो ऑक्सो नुसांतरा (पीओएन), इंडोनेशिया
- ड. मै. हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य
- ढ. मै. एलजी केम लि., कोरिया गणराज्य
- ण. मै. बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- त. मै. हन्वा केमिकल
- थ. मै. फोर्मोसा प्लास्टिक्स ग्रुप, ताईवान
- द. मै. नान या प्लास्टिक्स कारपोरेशन, ताईवान
- ध. मै. ईस्टमैन केमिकल कं. यूएसए
- न. मै. डव केमिकल्स, यूएसए
- प. मै. विनमार इंटरनेशनल लि., यूएसए
- फ. मै. आईसीसी केमिकल कारपोरेशन, यूएसए

- vi. संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:
- क. मै. ओक्यू केमिकल्स, प्रोडक्शन जीएमबीएच ऐंड कं. केजी, जर्मनी
 - ख. मै. ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच, जर्मनी
 - ग. मै. आईसीसी केमिकल कारपोरेशन, यूएसए
 - घ. मै. विनमार इंटरनेशनल लि., यूएसए
 - ङ. मै. पीटी पेट्रो ऑक्सो नुसांतरा, इंडोनेशिया
 - च. मै. बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएन, बीएचडी, मलेशिया
- vii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता संघों जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे, को जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति अग्रेषित की और उन्हें सलाह दी कि वे नियम 6(4) के अनुसार, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराएं:
- क. मै. पीसीएल ऑयल ऐंड सॉल्वेंट्स लिमिटेड
 - ख. मै. अमर इंडस्ट्रियल सर्विसेज
 - ग. मै. पायल पोलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड
 - घ. मै. दीपक नाइट्राइट लिमिटेड
 - ङ. मै. रचना प्लास्टीसाइजर्स
 - च. मै. पेटचेम प्रोडक्ट्स
 - छ. मै. केएलजे प्लास्टीसाइजर्स लिमिटेड
 - ज. मै. निकोलास पिग्मेंट्स ऐंड लिंक
 - झ. मै. मोडी इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड
 - ञ. मै. बंसल ट्रेडिंग कंपनी
 - ट. मै. नितिन डार्ड केम प्राइवेट लिमिटेड
 - ठ. मै. प्रीमियम इंटरप्राइजेज
 - ड. मै. आर.के. ट्रेडिंग कंपनी
 - ढ. मै. सी ऐंड ई लिमिटेड
 - ण. मै. सी जे शाह ऐंड कंपनी
 - त. मै. अगसर पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
 - थ. मै. ललिता केम इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
 - द. मै. श्रीवास्तव इंडस्ट्रीज लिमिटेड
 - ध. मै. रघुनाथ डार्ड केम प्राइवेट लिमिटेड
 - न. मै. अमर इंडस्ट्रियल सर्विसेज
 - प. मै. इंडियन एडीटिक्स लिमिटेड
 - फ. मै. जगदम्बा केमिकल्स
 - ब. मै. पेट्रोकेम मिडल ईस्ट प्राइवेट लिमिटेड

- भ. मै. मर्क लिमिटेड
- म. मै. रहिनो रेजिन्स प्राइवेट लिमिटेड
- य. मै. राइट मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड
- कक. मै. अमर इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- खख. मै. इंडोकेम प्राइवेट लिमिटेड
- गग. मै. केरोक्स केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
- घघ. मै. कस्तूरी रेजिन ऐंड सिंथेटिक्स
- ड.ड. मै. एनेक्स केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
- चच. मै. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी
- छछ. मै. अग्रवाल सेल्स कारपोरेशन
- जज. मै. सी ए जी इंडस्ट्रीज
- झझ. मै. ग्लैक्सी सर्फैक्टेंट्स लिमिटेड
- ञञ. मै. जीविका स्पाकेम प्राइवेट लिमिटेड
- टट. मै. ट्रोइक्स केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
- ठठ. मै. शालीमार पेंट्स लिमिटेड
- डड. मै. नाग ग्लोबल (इंडिया)
- ढढ. मै. स्पैक्ट्रा कोट्स
- णण. मै. सन्निधी केमिकल्स इंडस्ट्रीज
- तत. मै. नीलम एक्का ऐंड स्पेशिलिटी केम प्राइवेट लिमिटेड
- थथ. मै. एसोसिएटेड डाइस्टफ प्राइवेट लिमिटेड
- दद. मै. महा भवानी केमिकल्स
- धध. मै. लक्ष्मीनारायण विशम्भरनाथ
- नन. मै. मेघार्तिका इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
- पप. मै. पशुपति पोलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड
- फफ. मै. मेघमनी डाईज ऐंड इंटरमीडियट लिमिटेड
- बब. मै. उषोदय पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
- भभ. मै. सलिसाइलेट्स ऐंड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड

viii. इस उत्पाद के निम्नलिखित आयातकों अथवा उपभोक्ताओं ने निर्धारित प्रपत्र में आयातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:

- क. मै. ओवरसीज पोलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड
- ख. मै. दीपक नाइट्राइट लिमिटेड
- ग. मै. बीएएसएफ इंडिया लिमिटेड
- घ. मै. केएलजे प्लास्टिसाइजर्स लिमिटेड
- ड. मै. पायल पोलिप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड
- च. इंडियन प्लास्टिसाइजर्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन

- ix. एलकाइल एमाइन्स लिमिटेड ने भी जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में प्रारंभिक अनुरोध प्रस्तुत किया।
- x. ताईवान आर्थिक और सांस्कृतिक केन्द्र, ताईवान, इंडोनेशिया की सरकार और मलेशिया की सरकार ने सुनवाई के पश्चात अपने अनुरोध प्रस्तुत किए हैं।
- xi. निर्यातकों, विदेशी उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों जिन्होंने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है, इस जांच से संबंधित सूचना नहीं दी है, को असहयोगी हितबद्ध पक्षकारों के रूप में माना गया है।
- xii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। इस पर संतुष्ट होने पर, गोपनीयता के दावों को आवश्यकता के अनुसार स्वीकार किया गया है और ऐसी सूचना पर गोपनीय के रूप में विचार किया गया है जो अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां कहीं भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ प्रदान करने का निदेश दिया गया था।
- xiii. हितबद्ध पक्षकारों से यह कहा गया था कि वे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के पास प्रस्तुत किए गए उत्तरों, अनुरोधों और साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ साझा करें।
- xiv. वर्तमान जांच के उद्देश्य से जांच की अवधि अप्रैल, 2019 से मार्च, 2020 (जांच की अवधि) मानी गई है। क्षति की जांच की अवधि को अप्रैल, 2016 से मार्च, 2017, अप्रैल, 2017 से मार्च 2018 और अप्रैल 2018 से मार्च, 2019 तक की अवधि और जांच की अवधि के रूप में माना गया है।
- xv. अतिरिक्त/पूरक सूचना आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से उस सीमा तक मांगी गई थी, जिस सीमा तक उसे आवश्यक माना गया। घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आंकड़ों का सत्यापन जांच के उद्देश्य से आवश्यक मानी गई सीमा तक किया गया था।
- xvi. सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और उसे बनाने तथा उसकी बिक्री करने की लागत पर क्षति-रहित कीमत (एनआईपी) आधारित है। इसे यह सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित किया गया है कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xvii. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों तथा जांच की अवधि के लिए लेन-देनवार आयात आंकड़ों पर प्राप्त सूचना भारत में संबंधित उत्पाद के आयातों की मात्रा और मूल्य के निर्धारण के लिए लिया गया है।
- xviii. इस नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 21 दिसंबर, 2020 को आयोजित मौखिक सुनवाई में अपने मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अवसर उपलब्ध कराया गया जिसमें विभिन्न पक्षकार उपस्थित थे। इसके अलावा, एक दूसरी मौखिक सुनवाई ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के आलोक में निर्दिष्ट प्राधिकारी के बदले जाने को देखते हुए 11 फरवरी, 2021 को आयोजित किया गया था। यह मौखिक सुनवाई कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न विशेष परिस्थितियों को देखते हुए वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थी। सभी पक्षकार जिन्होंने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए थे, से अनुरोध किया गया था कि वे अपने विचारों को लिखित अनुरोध के रूप में प्रस्तुत करें जिससे कि वे विरोधी हितबद्ध पक्षकारों को उसके बाद प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने में सक्षम बना सकें।
- xix. इस जांच में आवश्यक तथ्यों को शामिल करते हुए एक प्रकटन विवरण जो अंतिम जांच परिणाम का आधार बना होता, दिनांक 25.2.2021 को हितबद्ध पक्षकारों को जारी किया गया था और हितबद्ध पक्षकारों को उस पर टिप्पणी प्रस्तुत करने के लिए 03.03.2021 तक समय दिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन विवरण पर टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणामों में उस सीमा तक विचार किया गया है, जिस सीमा तक उसे संगत माना गया।

- xx. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना देने से इंकार किया है अथवा अन्य प्रकार से उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में बहुत अधिक हद तक बाधा पहुंचाई है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी के रूप में माना है और इस अंतिम जांच परिणामों को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर रिकॉर्ड किया है।
- xxi. इस अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना और इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा वैसी मानी गई सूचना का द्योतक है।
- xxii. संबद्ध जांच के लिए जांच की अवधि के दौरान प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 यूएस डॉलर=71.65 रुपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) और समान वस्तु का कार्यक्षेत्र

8. इस जांच में विचाराधीन 2-इथाइल हेक्सानोल है। 2-इथाइल हेक्सानोल (जिसे संक्षिप्त रूप में "2-ईएच" कहा गया है) एक मूलभूत आर्गेनिक रसायन पदार्थ है। यह वसायुक्त एल्कोहल, साफ, गतिशील, निष्पक्ष तरल पदार्थ है जिसमें एक खास गंध होती है। 2ईएच का उत्पादन प्रसामकों और प्लास्टिसाइजरो जैसे अन्य रासायनिक पदार्थों के उत्पादन के लिए पूर्ववती के रूप में द्रावकों, स्वादों और सुगंधों जैसे अनेक अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए व्यापक आधार पर किया जाता है। 2-इथाइल हेक्सानोल का मुख्य अनुप्रयोग कम गतिशीलता के इथरों के निर्माण में एक ब्रेड स्टॉक के रूप में होता है, इसका सबसे महत्वपूर्ण भाग डाई(2-इथाइल हेक्साइल) पथलेट (डीओपी अथवा डीईएचपी) है। विचाराधीन उत्पाद का वर्गीकरण सीमा प्रशुल्क शीर्ष सं. 29051620 के अंतर्गत किया गया है। हालांकि, उक्त सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

ग.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध

9. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निम्नानुसार अनुरोध किया है:
- चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, अतः विचाराधीन उत्पाद का कार्य-क्षेत्र वही होता है जो मूल जांच में होता है।
 - घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु का उत्पादन कर रहा है।

ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

10. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

11. मूल जांच में तथा वर्तमान निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद 2-इथाइल हेक्सानोल है। पूर्व जांच में, विचाराधीन उत्पाद को नीचे दिए गए अनुसार परिभाषित किया गया था। प्राधिकारी ने वर्तमान उद्देश्यों से विचाराधीन उत्पाद के उसी कार्य क्षेत्र को माना है:

इस जांच में विचाराधीन 2-इथाइल हेक्सानोल है। 2-इथाइल हेक्सानोल (जिसे संक्षिप्त रूप में "2-ईएच" कहा गया है) एक मूलभूत आर्गेनिक रसायन पदार्थ है। यह वसायुक्त एल्कोहल, साफ, गतिशील, निष्पक्ष तरल पदार्थ है जिसमें एक खास गंध होती है। 2ईएच का उत्पादन प्रसामकों और प्लास्टिसाइजरो जैसे अन्य रासायनिक पदार्थों के उत्पादन के लिए पूर्ववती के रूप में द्रावकों, स्वादों और सुगंधों जैसे अनेक अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए व्यापक आधार पर किया जाता है। 2-इथाइल हेक्सानोल का मुख्य अनुप्रयोग कम गतिशीलता के इथरों के निर्माण में एक ब्रेड स्टॉक के रूप में होता है, इसका सबसे महत्वपूर्ण भाग डाई(2-इथाइल हेक्साइल) पथलेट (डीओपी अथवा डीईएचपी) है। विचाराधीन उत्पाद का वर्गीकरण सीमा प्रशुल्क शीर्ष सं. 29051620 के अंतर्गत किया गया है। हालांकि, उक्त सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संसूचक है और यह किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

12. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं और संबद्ध देश की आयातित संबद्ध वस्तुएं भौतिक और रासायनिक गुणों, निर्माण प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, कीमत, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता दोनों को परस्पर बदलकर प्रयोग में ला रहे हैं। इसे देखते हुए, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद को संबद्ध देश से आयात किए गए विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु माना गया था।

घ. घरेलू उद्योग का कार्य-क्षेत्र और स्थिति

13. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“(ख)” “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

घ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

14. घरेलू की स्थिति और कार्य-क्षेत्र के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- आवेदक भारत में एकमात्र उत्पादक है।
- आवेदक ने संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है और वह संबद्ध देशों में किसी निर्यातक अथवा पाटित वस्तु के किसी आयातक से या तो प्रत्यक्ष रूप से अथवा अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित नहीं है।
- आवेदन नियमावली की अपेक्षा को पूरा करता है।

घ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

15. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

16. वर्तमान आवेदन मै. दि आन्ध्रा पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदक भारत में एकमात्र उत्पादक है और इसने निर्धारित प्रपत्र के अनुसार संगत सूचना दी है। आवेदक इस नियमावली के नियम 2(ख) के तात्पर्य से पात्र घरेलू उद्योग है। यह आवेदन इस नियमावली के नियम 5(3) के संदर्भ में स्थिति के मानदंड को पूरा करता है।

ड. विभिन्न अनुरोध

ड.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

17. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए:

- भाग लेने वाले उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत किया गया उत्तर गोपनीयता के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित आवश्यकताओं का अनुपालन नहीं करता है। प्रश्नावली में अधिकांश प्रश्नों के उत्तर के बारे में बिना कोई सार्थक सार देते हुए पूर्ण रूप से गोपनीय होने का दावा किया गया है।
- प्रतिवादी दिनांक 7 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना सं. 10/2018 की आवश्यकताओं का अनुपालन करने में असफल हुए हैं।
- बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएन. बीएचडी ने निर्मित उत्पादों की सूची और शेयरधारकों की सूची के गोपनीय होने का दावा किया है लेकिन दोनों सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध हैं।
- मै. हुंडई कारपोरेशन, और मै. एलजी केम लि., कोरिया गणराज्य ने मूल जांच में भाग लिया था लेकिन वे समीक्षा जांच में उत्तर देने में असफल रहे और इस कारण से दोनों को असहयोगी के रूप में माना जाना चाहिए।

- v. अडानी और इंडियन ऑयल कारपोरेशन के साथ बीपीसीएल कोचि, सऊदी आरामको और आबु धाबी नेशनल ऑयल कं., रिलायंस इंडस्ट्रीज लि., बीएएसएफ एसई सभी संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए भारत में संयंत्रों की स्थापना कर रहे हैं। यह सुनिश्चित करेगा कि संबद्ध वस्तुओं की मांग को घरेलू उद्योग द्वारा पूरा किया गया है।
- vi. अन्य देशों में क्षमताओं के संबंध में सूचना तीसरे पक्षकार से प्राप्त की गई थी और आवेदक उसे प्रकट करने के लिए अधिकृत नहीं था।
- vii. केवल यह तथ्य कि आयातक शुल्कों का भुगतान करने के लिए बाध्य हैं, पाटित आयातों से घरेलू बाजार को संरक्षित नहीं करने के लिए पर्याप्त औचित्य नहीं है।
- viii. घरेलू उद्योग ने प्रत्येक सूचना जिसे गोपनीय होने का दावा किया, के लिए विस्तृत औचित्य उपलब्ध कराया है और यह प्रतिवादी है जिन्होंने उचित औचित्य उपलब्ध नहीं कराया है।
- ix. क्षति के निर्धारण पर पहुंचने के उद्देश्य से प्राधिकारी द्वारा मांगे गए सभी आर्थिक मानदंडों को दिनांक 7 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना सं. 10/2018 के अनुपालन में उपलब्ध कराया गया है। हितबद्ध पक्षकारों को अन्य मानदंडों के प्रकट नहीं किए जाने पर हुए नुकसान को सिद्ध करना चाहिए।
- x. घरेलू उद्योग ने सूचना सं. 10/2018 में उल्लिखित तरीके से आयात आंकड़े उपलब्ध कराने के दायित्व को पूरा किया है। हितबद्ध पक्षकार डीजीसीआईएंडएस से आंकड़े प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र हैं।
- xi. आयातकों ने सूचना का ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया है, जो जांच के उद्देश्य से पर्याप्त नहीं हैं और खुले रूप से बयान दिए हैं।
- xii. कोटा के आधार पर शुल्क की मांग करने का प्रयोक्ताओं के अनुरोध का कोई आधार नहीं है।
- xiii. ट्रिगर कीमत आधार पर शुल्क की सिफारिश करने के अनुरोध पर, प्रोपीलीन और नेपथा की कीमतों में बहुत अधिक उतार-चढ़ाव आया है और ट्रिगर कीमत आधार पर शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग और प्रयोक्ताओं, दोनों के लिए उद्देश्य पूरा नहीं होगा।
- xiv. रिकॉर्ड पर यह दर्शाने के लिए कोई सूचना नहीं है कि पूर्व में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का उपभोक्ताओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। प्रयोक्ताओं की प्रश्नावली का कोई भी उत्तर प्रतिकूल प्रभावों को नहीं दर्शाएगा। प्रयोक्ता उद्योग ने यह सिद्ध नहीं किया है कि इस प्रकार से यह पाटनरोधी शुल्कों को लगाए जाने के कारण प्रभावित हुआ है।
- xv. पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को संरक्षण नहीं है बल्कि यह समान अवसर स्थापित करने के लिए अनुचित कीमत निर्धारण का समाधान करने का उपाय है।
- xvi. इस अनुरोध पर कि पत्रिकाओं में कीमत सामान्य मूल्य का आधार नहीं बन सकता है, इस मुद्दे पर सेस्टैट का निर्णय अंतिम जांच परिणाम जारी करने के लिए नियम 6(8) के अंतर्गत उन पर विचार किए जाने के लिए है। यह घरेलू उद्योग को केवल जांच की शुरुआत के लिए उन पर विचार करने से नहीं रोकता है। भाग लेने वाले उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य किसी भी प्रकार से उनके आंकड़ों के आधार पर निर्धारित नहीं किया जाएगा।
- xvii. क्षति के विश्लेषण के लिए अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ड्राई सेल बैट्रीज जांच की निर्णायक समीक्षा का संदर्भ लेना गलत बयान करना है और प्राधिकारी आयातों की मात्रा और दोनों जांचों के बीच तथ्यों की तुलना कर सकते हैं।
- xviii. इस आरोप के विरुद्ध कि शुल्कों को लगाए जाने से डीजल की लागत में वृद्धि होगी। ये शुल्क लगभग 5 वर्षों के लिए लागू रहे हैं और इस तर्क में कोई दम नहीं है कि शुल्कों के विस्तार से लागत में वृद्धि होगी।

ड.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

18. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विवध अनुरोध किए गए:

- i. संबद्ध देशों में क्षमताओं के संबंध में सूचना, संबद्ध देशों में क्षमता के विस्तार का साक्ष्य और यूरोस्टैट और ट्रेडमैप आंकड़ों को घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय रखा गया है।

- ii. आवेदक ने उत्पादन और बिक्री, प्रपत्र-एच में बिक्री से प्राप्ति, प्रपत्र-एल में सूचना और क्षति की संभावना के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया।
- iii. आवेदक द्वारा केवल यह वक्तव्य कि सारांश किया जाना संभव नहीं है, नियम 7(2) के अंतर्गत कानूनी आवश्यकता को पूरा नहीं कर सकता है। यह दर्शाना अपेक्षित है कि क्यों ऐसा सारांश किया जाना संभव नहीं है। गोपनीयता के कारणों को दर्शाते हुए औचित्य तालिका व्यापार सूचना की अपेक्षाओं के अनुसार नहीं है। खंड-VI के उत्तर में घरेलू उद्योग ने बिल्कुल ही कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- iv. स्टर्लाईट इंडस्ट्रीज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी ने माननीय उच्चतम न्यायालय में यह माना कि प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे गोपनीयता के दावे का मूल्यांकन करें। वैसा ही निर्णय माननीय सेस्टैट द्वारा एचआर जॉनसन के मामले में दिया गया था।
- v. घरेलू उद्योग ने उत्पादन के दिवसों की संख्या, बिक्री, अनुसंधान और विकास खर्च, जुटाई गई निधियां, ऋण शोधन, एनआईपी और औसत उद्योग के मानदंडों के रूप में मालसूची के संबंध में सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। क्षमता, उत्पादन, मांग, बिक्री और बाजार हिस्से के संबंध में सूचना सार्वजनिक स्रोतों में उपलब्ध है लेकिन उसे गोपनीय माना गया। क्षमता और मांग को मूल जांच में प्रकट किया गया था लेकिन उसे अब भी गोपनीय माना गया है।
- vi. भारत में मांग और आपूर्ति में बहुत अधिक अंतर है और आयातक इस स्रोत का कोई अन्य विकल्प नहीं होने के बावजूद शुल्कों का भुगतान करने के लिए मजबूर हैं।
- vii. घरेलू उद्योग ने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। एक्सोटिक डेकोर प्रा. लि. और अन्य बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के अनुसार ए डीजीटीआर को उसी रूप में और तरीके से आयात संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराना होता है जिसमें उसे रिकॉर्ड पर लिया गया था।
- viii. आवेदन स्टीक और पर्याप्त प्रकटन के मानदंडों को पूरा करने में असफल है। जांच की शुरुआत त्रुटिपूर्ण है और इस जांच को समाप्त किया जाना चाहिए। आवेदन में दिया गया साक्ष्य पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध का सही एवं स्टीक विश्लेषण के लिए पर्याप्त नहीं है।
- ix. निर्धारित कोटा के रूप में अथवा क्षति मार्जिन के एक स्तर तक शुल्क लगाया जा सकता है। इसके अलावा, ट्रिगर कीमत अथवा परिवर्तनशील आधार के रूप में शुल्क लगाने से यह सुनिश्चित होगा कि घरेलू उद्योग कोई अनुचित लाभ प्राप्त नहीं करता है और प्रयोक्ता उद्योग पर शुल्कों की लागत से बहुत अधिक भार नहीं पड़ा है।
- x. पाटनरोधी शुल्क लगाने से एकमात्र भारतीय उत्पादक को सहयोग मिलेगा बल्कि संबद्ध वस्तु अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए गैर-किफायती और कष्टकारक बना देगा।
- xi. संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को लगातार लगाए रखने से प्लास्टिसाइजर्स के आयातों में वृद्धि होगी और यह प्रतिकूल रूप से अंतिम प्रयोक्ताओं पर प्रभाव भी डालेगा, जिन्होंने आयातों से पर्याप्त संरक्षण नहीं दिया गया है।
- xii. घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना, जांच की शुरुआत का औचित्य बताने के लिए पर्याप्त नहीं है। सभी साक्ष्य जांच की शुरुआत का औचित्य नहीं बता सकते हैं, प्रस्तुत किया गया साक्ष्य समुचित गुणवत्ता का होना चाहिए जिससे कि वह “पर्याप्त साक्ष्य” बन सके।
- xiii. निर्णायक समीक्षा की अनिवार्य शुरुआत के लिए कोई आवश्यकता नहीं है और वर्तमान आवेदन जांच की शुरुआत का समर्थन करने के लिए किसी सकारात्मक साक्ष्य को दर्शाने में सफल नहीं होता है और यह कानून के अंतर्गत उल्लिखित आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है।
- xiv. जैसाकि सचिव (राजस्व), भारत सरकार बनाम डाईस्टफ मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने सेस्टैट द्वारा फैसला दिया गया है, प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य से व्यापार पत्रिकाओं में प्रकाशित कीमतों पर विश्वास नहीं कर सकते हैं।

- xv. प्राधिकारी ने ड्राई सेल बैट्रीज की निर्णायक समीक्षा में यह नोट किया है कि यह प्राधिकारी का प्रयास है कि वे केवल उन मामलों में जहां यह महसूस करते हों कि पाटनरोधी शुल्क पूर्ण रूप से आवश्यक है, को छोड़कर 10 वर्षों की अवधि के आगे शुल्क को जारी नहीं रखें।
- xvi. इस उत्पाद का उपयोग डीजल का उत्पादन करने में किया जाता है और शुल्कों के विस्तार के फलस्वरूप लागत में वृद्धि होगी।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

19. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता के संबंध में किए गए अनुरोधों की जांच प्राधिकारी द्वारा उस सीमा तक की गई थी, जिस सीमा तक उसे संगत माना गया और तदनुसार उसका समाधान किया गया। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता आधार पर प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट न की गई सूचना माना गया है। सभी हितबद्ध पक्षकारों ने अपने व्यापार संबंधी संवेदनशील सूचना को गोपनीय के रूप में माना है।
20. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने सभी सूचना जो वर्तमान जांच के उद्देश्य से संगत हैं, का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है।
21. लेन-देनवार आयात सूचियां के एक्सल फाइल पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, जिसे साझा नहीं किया गया है के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि दिनांक 15 मार्च, 2018 की व्यापार सूचना 07/2018 में यह प्रावधान है कि वर्गीकृत आयातों, जिस पर घरेलू उद्योग द्वारा विचार किया गया है, को हार्ड कॉपी में प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकार प्राधिकारी से डीजीसीआईएंडएस से कच्चे आयात के आंकड़े प्राप्त करने के लिए अधिग्रहण की मांग कर सकते हैं। आयात संबंधी आंकड़े का स्कैन पाठ, जिस पर आवेदक द्वारा विश्वास किया गया है, हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया था।
22. इस अनुरोध के संबंध में कि भारत में मांग और आपूर्ति में अंतर है, जो आयातों में वृद्धि का कारण है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के विस्तार की मांग करने के लिए आधार अपने आप में आयात नहीं है बल्कि वह कीमत है जिस पर आयात किया गया है और बिक्री कीमत, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर लाभ जैसे इसके मानदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग पर इसका प्रभाव है। पाटनरोधी शुल्क लगाने से एक समान अवसर मिलता है और यह बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को नहीं रोकता है।
23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच की शुरुआत आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर की गई थी। इस कारण से यह दावा कि आवेदक कानून की आवश्यकता को पूरा नहीं करता है, सही नहीं है।
24. हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि शुल्कों के विस्तार का डाउनस्ट्रीम उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, हितबद्ध पक्षकारों ने इस अनुरोध का समर्थन करने और प्रतिकूल प्रभाव को दर्शाने के लिए कोई गणना अथवा साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।
25. शुल्क के रूप के बारे में पक्षकारों के तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी का अधिदेश कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करना है तथा पाटनरोधी शुल्क जिसे अगर लगाया गया तो घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, की राशि की सिफारिश करना है। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के लिए संगत सभी तथ्यों का मूल्यांकन करने के बाद शुल्क के रूप का निर्धारण किया है।

च. सामान्य मूल्य निर्यात, कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

च.1 सामान्य मूल्य

- 26 इस अधिनियम की धारा 9क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से तात्पर्य यह है:
- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र से किसी उपयुक्त तीसरे देश को किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा- (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

बशर्ते कि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानान्तरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

च.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

27. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए अनुरोध नीचे दिए गए हैं:

- i. उत्पादकों की कीमतें गोपनीय सूचना है और इस कारण से वे सावर्जनिक क्षेत्र में उपलब्ध नहीं हैं।
- ii. संबद्ध देशों से विभिन्न देशों तक निर्यातक कीमतों में बहुत अधिक परिवर्तन निर्यात की कीमतों को अविश्वसनीय बनाता है।
- iii. संबद्ध देशों में उत्पादक वैश्विक बाजार में उत्पादन को पाटित कर रहे हैं और निर्यात विश्वसनीय नहीं हैं तथा सामान्य मूल्य को सही रूप में नहीं दर्शा सकता है।
- iv. सामान्य मूल्य उत्पादन की लागत के अनुमानों के आधार पर निकाला जा सकता है।
- v. कोरिया गणराज्य, ताईवान और संयुक्त राज्य अमेरिका से पाटन मार्जिन के दावे को चुनौती नहीं दी गई है क्योंकि कोई उत्तर नहीं है।
- vi. जब शुल्कों को लगाया जाता है तब लगातार पाटन, पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने की स्थिति में पाटन के जारी रहने की संभावना को दर्शाता है।
- vii. भाग लेने वाले सभी तीन उत्पादक अपने संबंधित पक्षकार से या तो कच्चे माल की खरीद करते हैं अथवा इसका उत्पादन गुप्त रूप से करते हैं। प्राधिकारी यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि कच्चे माल का अंतरण व्यापार की जांच की सामान्य प्रक्रिया करते समय विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन की लागत का निर्धारण करने में निष्पक्ष बाजार कीमत पर दर्ज किया जाता हो।
- viii. संबद्ध देशों में उत्पादक पाटित कीमतों पर तीसरे देशों को अपने उत्पाद का निर्यात कर रहे हैं।

च.3 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

28. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए अनुरोध नीचे दिए गए हैं:

- i. घरेलू उद्योग का यह तर्क कि निर्यातक को यह सिद्ध करना चाहिए कि लगातार पाटन की कोई संभावना नहीं है, उनमें कोई दम नहीं है।
- ii. यह उल्लेख नहीं किया जा सकता है कि संबद्ध देश अन्य देशों में पाटन कर रहे हैं, यदि अन्य देशों में निर्यात कीमत की तुलना उक्त निर्यातक देश में सामान्य मूल्य से नहीं की गई है।

- iii. घरेलू उद्योग ने निर्यातों पर ही विचार करते हुए लोपन का सहारा लिया है जो कथित रूप से पाटन है। इस प्रकार का दृष्टिकोण ईसी-बेड लिनन और यूएस-जिरोइंग (ईसी) मामले में पैनल के अनुसार विश्व व्यापार संगठन के सिद्धांतों के प्रतिकूल है।

च.4 प्राधिकारी द्वारा जांच

29. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्राधिकारी द्वारा निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना उपलब्ध कराने की उन्हें सलाह देते हुए प्रश्नावलियां भेजी। संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:

- क. मै. ओक्यू केमिकल्स प्रोडक्शन जीएमबीएच एंड कं. केजी, जर्मनी
 ख. मै. ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच, जर्मनी
 ग. मै. आईसीसी केमिकल कारपोरेशन, यूएसए
 घ. मै. विनमार इंटरनेशनल लि., यूएसए
 ङ. मै. पीटी. पेट्रो ऑक्सो नुसांतरा, इंडोनेशिया
 च. मै. बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएन.बीएचडी., मलेशिया

च.4.1 यूरोपीय यूनियन के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

मै.ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच, जर्मनी

सामान्य मूल्य

30. दो कंपनियों ने यूरोपीय यूनियन से अर्थात् ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच और ओक्यू केमिकल्स प्रोडक्शन जीएमबीएच एंड कं. केजी ("ओक्यूसीपी") और ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच ("ओक्यूसी") भाग लिया है। जांच की अवधि के दौरान, ओक्यूसी और ओक्यूसीपी ने दो कंपनियों के बीच टोलिंग व्यवस्था के अनुसरण में कार्य किया, जिसके अनुसरण में ओक्यूसीपी ने ओक्यूसी के लिए एक ट्रोलर के रूप में वस्तुओं का उत्पादन किया। ओक्यूसी उत्पादित वस्तुओं का मालिक रहा जबकि ओक्यूसीपी ने टोलिंग शुल्क के बदले उत्पादन का क्रियाकलाप किया। ओक्यूसी ने प्रत्यक्ष रूप से घरेलू बाजार में पीयूसी की बिक्री की और घरेलू बिक्री भारत को निर्यातों की तुलना में पर्याप्त मात्राओं में हुई हैं।
31. प्राधिकरण ने ध्यान दिया कि ओक्यूसी ने ऑक्सा जीएमबीएच के रूप में मूल जांच में भाग लिया था। ओक्यूसी ने अपना नाम ओक्यू समूह के नाम और लोगो के तहत पूर्व ओक्सिया समूह कंपनियों के रीब्रांडिंग के कारण 11 मई 2020 को ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच यानी ओक्यूसी में बदल दिया। इसके अलावा, ओक्यूसीपी को पहले ओक्सिया प्रोडक्शन जीएमबीएच एंड कं. के नाम से जाना जाता था और इसका नाम परिवर्तन 8 मई 2020 को लागू हुआ।
32. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाले घरेलू बिक्री कारोबार का निर्धारण करने के लिए व्यापार की जांच की सामान्य प्रक्रिया अपनाई। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में की गई लाभप्रद बिक्रियों पर विचार किया है।
33. ओक्यूसी ने क्रेडिट नोट, डेबिट नोट, हैंडलिंग शुल्क, एलसी डिस्काउंटिंग शुल्क, बैंक प्रभार, क्रेडिट लागत और अंतरदेशीय भाड़े के आधार पर समायोजनों का दावा किया है। ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच के लिए एक्स-फैक्टरी लेवल पर सामान्य मूल्य का निर्धारण तदनुसार किया गया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

निर्यात कीमत

34. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ओक्यूसी ने जांच की अवधि के दौरान अपने व्यापारियों आईसीसी केमिकल कारपोरेशन, विनमार इंटरनेशनल लिमिटेड और टाउबर पैट्रोकेमिकल कं. के माध्यम से ***एमटी की मात्रा का निर्यात भारतीय ग्राहकों को किया है। आईसीसी केमिकल कारपोरेशन और टाउबर पैट्रोकेमिकल कं. ने ओक्यूसी से

खरीदे गए पीयूसी की बिक्री भारत में असंबद्ध ग्राहकों को किया जबकि विनमर इंटरनेशनल लिमिटेड ने ओक्यूसी से खरीदे गए पीयूसी की बिक्री भारत में असंबद्ध ग्राहकों तथा एक संबद्ध आयातक, ओवरसीज पोलीमर्स लि. को किया जिसने बाद में पीयूसी की बिक्री भारत में असंबद्ध ग्राहकों को किया।

35. ओक्यूसी अपने निर्यातकों/व्यापारियों आईसीसी केमिकल कारपोरेशन, विनमर इंटरनेशनल लिमिटेड और ओवरसीज पोलीमर्स प्राइवेट लि. के साथ अपनी प्रभावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। ओक्यूसी द्वारा सहयोगी निर्यातकों/व्यापारियों के माध्यम से भारत को निर्यात किए गए पीयूसी भारत को किए गए कुल बिक्री का 90 प्रतिशत से अधिक होता है।
36. तदनुसार, ओक्यूसी और इसके व्यापारियों द्वारा सूचित की गई कुल मात्रा को प्राधिकारी द्वारा पाटन और क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए लिया गया है।
37. उत्पादक के लिए निर्यात कीमत की गणना करते समय, प्राधिकारी ने ओक्यूसी तथा सहयोगी व्यापारियों द्वारा भारत को भेजे गए माल के सत्यापित वास्तविक आंकड़ों पर विचार किया है। ओक्यूसी ने सर्वेयर की लागत, हैंडलिंग प्रभार, विलंबन और रोके जाने संबंधी प्रभारों, अंतरदेशीय भाड़े, भंडारण लागत, बैंक प्रभार और क्रेडिट लागत के आधार पर समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति दी गई है।
38. तदनुसार, ओक्यूसी के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण भारत को सभी निर्यातों के चैनलों जिसके लिए सूचना दी गई है, की भारित औसत निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है।

i. अन्य उत्पादक

39. यूरोपीय यूनियन के सभी अन्य असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत सहयोगी उत्पादक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर विचार करते हुए उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित किया गया है और उसका उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

च.4.2 इंडोनेशिया के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

i. पीटी. पेट्रो ऑक्सो नुसानतारा, इंडोनेशिया

40. पीटी. पेट्रो ऑक्सो नुसानतारा(पीटी पीओएन) इंडोनेशिया में एक सार्वजनिक क्षेत्र का संयुक्त उद्यम तथा इंडोनेशिया में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है। प्रतिवादी का भारत में एक संबंधित आयातक, मै. बीएसएफ इंडिया लिमिटेड है जिसने आयातक की प्रभावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।

सामान्य मूल्य

41. जांच की अवधि के दौरान, पीटी पेट्रो ऑक्सो नुसानतारा, इंडोनेशिया ने घरेलू बाजार में संबंधित और असंबंधित पक्षकारों को ***यूएसडॉलर के मूल्य का संबद्ध वस्तुओं का ***एमटी की बिक्री की है। घरेलू बिक्री भारत को किए गए निर्यातों की तुलना में पर्याप्त मात्राओं में हुई हैं। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाले घरेलू बिक्री कारोबार का निर्धारण करने के लिए व्यापार की जांच की सामान्य प्रक्रिया अपनाई है। प्राधिकारी ने नोट किया कि यदि लाभ अर्जित करने वाले कारोबार 80 प्रतिशत से अधिक हों तब घरेलू बिक्रियों में सभी कारोबारों पर विचार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए किया जा रहा है और उन मामलों में जहां लाभ अर्जित करने वाले कारोबार 80 प्रतिशत से कम हों, केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री पर विचार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए किया जा रहा है। पीटी पेट्रो ऑक्सो नुसानतारा, इंडोनेशिया के संबंध में, चूंकि लाभ अर्जित करने वाली बिक्रियां 80 प्रतिशत से कम हैं, अतः प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए केवल लाभ अर्जित करने वाली बिक्रियों पर विचार किया है। पीटी पेट्रो ऑक्सो नुसानतारा, इंडोनेशिया ने किसी समायोजन का दावा नहीं किया है क्योंकि घरेलू बाजार में एक्स-वर्क आधार पर वस्तुओं की बिक्री की जाती है। तदनुसार पीटी पेट्रो ऑक्सो नुसानतारा, इंडोनेशिया के एक्स-फैक्टरी स्तर पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

निर्यात कीमत

42. पीटी पेट्रो ऑक्सो नुसांतारा, जो इंडोनेशिया में संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक और निर्यातक है, ने प्रश्रावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। जांच की अवधि के दौरान, पीटी पेट्रो ऑक्सो नुसांतारा ने भारत को प्रत्यक्ष रूप से ***यूएसडॉलर के मूल्य के संबद्ध वस्तुओं का ***एमटी निर्यात किया। पीटी पेट्रो ऑक्सो नुसांतारा, इंडोनेशिया ने समुद्री भाड़े, बीमा, पोर्ट और अन्य संबंधित खर्च, ऋण लागत, बैंक प्रभार के आधार पर समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति प्राधिकारी द्वारा दी गई है। तदनुसार, पीटी पेट्रो ऑक्सो नुसांतारा, इंडोनेशिया के लिए एक्स-फैक्टरी निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

II. अन्य उत्पादक

43. इंडोनेशिया के सभी अन्य असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य, निर्धारित तथ्यों के अनुसार उपलब्ध है, जो कि उत्पादक उत्पादक द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों पर विचार करते हुए उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित किया गया है और उसका उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

च.4.3 मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण**i. बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएनबीएचडी, मलेशिया**

44. बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएनबीएचडी, मलेशिया (बीपीसी) अपनी सहायक कंपनी पेट्रोनास केमिकल्स ग्रुप (पीसीजी) के अंतर्गत बीएसएफ एसई, जर्मनी और पेट्रोलियम नेशनल बर्हार्ड (पेट्रोनास), मलेशिया के बीच एक मलेशिया आधारित संयुक्त उद्यम है। यह उत्पादक मलेशिया में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है।

सामान्य मूल्य

45. निर्यातक की प्रश्रावली के उत्तरों में दी गई सूचना के आधार पर, प्राधिकारी नोट करते हैं कि बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स, एसडीएन, बीएचडी (जिसे आगे "बीएसएफ/निर्यातक" कहा गया है) संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक है। निर्यातक ने घरेलू बाजार और भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं की प्रत्यक्ष रूप से बिक्री की है। निर्यातक ने अपनी संबंधित कंपनी अर्थात् बीएसएफ इंडिया लि. जिसने भी प्रश्रावली का उत्तर प्रस्तुत किया है, को भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है।
46. बीएसएफ ने जांच की अवधि के दौरान घरेलू बाजार में ***एमटी संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है, जबकि इसने भारत को ***एमटी संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या उनकी बिक्री पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के संदर्भ में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के अंतर्गत है। निर्यातक ने घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों का लेन-देनवार ब्यौरा उपलब्ध कराया है। उसे प्राधिकारी द्वारा जांच के बाद स्वीकार किया गया है और उस पर घरेलू बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमत का निर्धारण करने के लिए विश्वास किया गया है। व्यापार की जांच की सामान्य प्रक्रिया का निर्धारण करने के लिए, संबंधित उत्पाद के उत्पादन की लागत की जांच उत्पादक/निर्यातक द्वारा रखे गए रिकॉर्डों के संदर्भ में की गई थी।
47. इसके अलावा, सभी घरेलू बिक्री कारोबार की जांच इस बात का निर्धारण करने के लिए संबद्ध वस्तुओं के प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उत्पादन की लागत के संदर्भ में की गई थी कि घरेलू बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया थी अथवा नहीं। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाली घरेलू बिक्री कारोबार का निर्धारण करने के लिए व्यापार की जांच की सामान्य प्रक्रिया अपनाई। यदि लाभ अर्जित करने वाले कारोबार 80 प्रतिशत से अधिक हों तब प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी कारोबार पर विचार करते हैं। जहां लाभप्रद कारोबार 80 प्रतिशत से कम हो, केवल लाभप्रद घरेलू बिक्रियों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया जाता है। व्यापार की जांच की सामान्य प्रक्रिया के आधार पर, सभी घरेलू बिक्रियों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया गया है क्योंकि सभी बिक्रियां लाभप्रद थीं। उत्पादक ने कारखाना पश्चात खर्च के रूप में बीमा, अंतरदेशीय भाड़े, पैकिंग लागत, क्रेडिट लागत और बैंक प्रभारों का दावा किया है और उसे प्राधिकारी द्वारा

स्वीकार किया गया है। ऊपर में जैसाकि निर्धारित किया गया है, सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

निर्यात कीमत

48. यह नोट किया जाता है कि बीएसएफ ने जांच की अवधि के दौरान भारत को ***एमटी संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया। प्राधिकारी ने निर्यातक और बीएसएफ इंडिया लि. के उत्तरों का सत्यापन किया है। उसे सही पाया जाता है।
49. एक्स-फैक्टरी निर्यात कीमत पर पहुंचने के लिए, प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा किए गए खर्च पर विचार किया है। तदनुसार, बैंक प्रभारों, समुद्री भाड़े, पैकिंग, बीमा और ऋण लागत के कारण समायोजनों को बीजक लागत से समायोजित किया गया है। तदनुसार, एक्स-फैक्टरी निर्यात कीमत की गणना की गई है और इसका उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

ii. अन्य उत्पादक

50. मलेशिया के अन्य सभी गैर-उत्पादक उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य निर्धारित तथ्यों के अनुसार उपलब्ध है, जो उत्पादक को सहयोग करके उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर किया गया है और नीचे डंपिंग मार्जिन तालिका में इसका उल्लेख किया गया है।

च.4.4 कोरिया गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

51. कोरिया गणराज्य के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने इस जांच में भाग नहीं लिया है। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण इस नियमावली के नियम 6(8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी 5 प्रतिशत की दर से उचित लाभ मार्जिन को जोड़ने के साथ बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च के लिए विधिवत् समायोजित संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का प्रस्ताव करते हैं। इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।
52. निर्यात मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। उद्देश्य के लिए, डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदान की गई जानकारी पर किया जाता है। इसके अलावा, मूल्य समायोजन समुद्र के माल भाड़े, समुद्री बीमा, अंतर्देशीय भाड़ा, बैंक शुल्क, बंदरगाह खर्च और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किए गए हैं। डंपिंग मार्जिन टेबल में पूर्व निर्धारित निर्यात मूल्य का उल्लेख किया गया है।

च.4.5 ताइवान के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

53. ताइवान के किसी भी निर्माता / निर्यातक ने जांच में भाग नहीं लिया। तदनुसार, सामान्य मूल्य नियमों के नियम 6 (8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया जाता है। प्राधिकारी 5 प्रतिशत की दर से उचित लाभ मार्जिन को जोड़ने के साथ बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च के लिए विधिवत् समायोजित संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का प्रस्ताव करते हैं। इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।
54. निर्यात मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। उद्देश्य के लिए, डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदान की गई जानकारी पर विचार किया गया है। इसके अलावा, मूल्य का समायोजन समुद्र के भाड़े, समुद्री बीमा, अंतर्देशीय भाड़ा, बैंक शुल्क, बंदरगाह व्यय और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया जाता है। डंपिंग मार्जिन टेबल में पूर्व निर्धारित निर्यात मूल्य का उल्लेख किया गया है।

च.4.6 संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

55. संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्पादकों / निर्यातकों में से किसी ने भी जांच में भाग नहीं लिया। तदनुसार, सामान्य मूल्य नियमों के नियम 6 (8) के संदर्भ में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया जाता है। प्राधिकारी 5 प्रतिशत की दर से उचित लाभ मार्जिन को जोड़ने के साथ बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च के लिए विधिवत् समायोजित संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करते हैं। इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

56. निर्यात मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। उद्देश्य के लिए, डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदान की गई जानकारी पर किया जाता है। इसके अलावा, कीमत समायोजन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतरदेशीय भाड़े, बैंक प्रभार, पोर्ट खर्च और कमीशन के आधार पर किया गया है। इस प्रकार से निर्धारित एक्स-फैक्टरी निर्यात कीमत का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

च.4.7 पाटन मार्जिन की गणना

57. सभी संबद्ध देशों के लिए वर्तमान जांच में निर्धारित सामान्य मूल्य, एक्स-फैक्टरी निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन नीचे दिए गए अनुसार है:

क्र.सं.	विवरण	सामान्य मूल्य (यूएसडा/एमटी)	निर्यात कीमत (यूएसडा/एमटी)	पाटन मार्जिन (यूएसडा/एमटी)	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज
1	यूरोपीय संघ					
क	(i) ओक्यू केमिकल्स प्रोडक्शन जीएमबीएच एंड कं. केजी, जर्मनी (ii) ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच, जर्मनी	***	***	***	***	20-30
ख	कोई अन्य	***	***	***	***	30-40
2	इंडोनेशिया					
क	पीटी.पेट्रो ऑक्सो नुसंतारा	***	***	***	***	10-20
ख	कोई अन्य	***	***	***	***	10-20
3	मलेशिया					
क	बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसएडीएनबीएचडी	***	***	***	***	0-10
ख	कोई अन्य	***	***	***	***	10-20
4	कोरिया गणराज्य	***	***	***	***	0-10
5	ताईवान	***	***	***	***	10-20
6	संयुक्त राज्य अमेरिका	***	***	***	***	20-30

58. यह देखा जाता है कि पाटन मार्जिन भाग लेने वाले सभी तीन उत्पादकों के संबंध में समारात्मक है। इसके अलावा पाटन मार्जिन अन्य संबद्ध देशों के मामले में भी सकारात्मक है।

छ. क्षति का निर्धारण और क्षति तथा कारणात्मक संबंध की जांच के लिए पद्धति

59. अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ..." घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों

द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती।

60. इस नियमावली के नियम 23 में प्रावधान है कि नियम 6,7,8,9,10,11,16,18,19 और 20 के प्रावधान आवश्यक परिवर्तनों सहित समीक्षा के मामले में लागू होंगे। प्राधिकारी ने अपनी जांच में क्षति संबंधी मानदंडों का मूल्यांकन किया है जो नियम 11 और इस नियमावली के अनुबंध-II के अंतर्गत अपेक्षित है तथा इस बात की संभावना का विश्लेषण कि क्या शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप संभवतः पाटन और क्षति जारी रहेगी अथवा फिर से होगी, का मूल्यांकन किया है।

छ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

61. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में किए गए अनुरोधों को इसमें नीचे फिर से दिया गया है:
- मांग में 2018-19 में आंशिक गिरावट के साथ क्षति की अवधि में निरंतर रूप से वृद्धि हुई है।
 - आयातों में स्वतंत्र रूप में तथा जांच की अवधि में उत्पादन और खपत की तुलना में बहुत अधिक हद तक वृद्धि हुई है।
 - नकारात्मक कीमत कटौती। प्राधिकारी ने मूल जांच में यह नोट किया कि यदि कीमत ह्रास अथवा न्यूनीकरण को तब कीमत में नकारात्मक कटौती संगत नहीं है। कीमत में कटौती कुछ महीने में सकारात्मक और अन्य में नकारात्मक है।
 - आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव पड़ा है।
 - घरेलू बिक्री में गिरावट आयातों की पहुंच कीमत में तेजी से गिरावट के कारण हुई है और इसके परिणामस्वरूप उत्पादन और फलस्वरूप क्षमता के उपयोग में भी गिरावट आई है।
 - बाजार हिस्से में जांच की प्रस्तावित अवधि में तेजी से गिरावट आई है जबकि संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में वृद्धि के साथ, उनके हिस्से में बहुत हद तक वृद्धि हुई है।
 - घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में 2018-19 तक सुधार हुआ, जांच की अवधि में उसमें बहुत अधिक हद तक गिरावट आई।
 - नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल में काफी हद तक कमी आई है।
 - घरेलू उद्योग के पास मालसूची 2018-19 की तुलना में जांच की अवधि में दुगुनी हो गई है।
 - जांच की अवधि में सभी मानदंडों में नकारात्मक वृद्धि हुई।
 - कोठारी शुगर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में सेस्टैट न्यायाधिकरण द्वारा यह माना गया था कि यदि आयातों की मात्रा किसी खास कीमत स्तर पर बहुत अधिक पर्याप्त हो, जिससे कि घरेलू बिक्री कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो, उस पर विचार किया जाना चाहिए और विश्लेषण में उसे उचित भार दिया जाना चाहिए। सेस्टैट के निर्णय को प्राधिकारी द्वारा उच्चतम न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई थी और उसे बदला नहीं गया था।
 - वर्तमान में मांग और आपूर्ति में अंतर की स्थिति में आयात होना आवश्यक है लेकिन यह आयात अनुचित रूप से कम कीमत पर हुआ है जो घरेलू उद्योग को समुचित लाभप्रद कीमतों को वसूलने और उचित लाभ अर्जित करने से रोका जा रहा है।
 - कच्चे माल की कमी के कारण कम उत्पादन के संबंध में, सूचना बिल्कुल छिपाई नहीं गई थी क्योंकि इसका उल्लेख कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में किया गया है, जो आवेदन का हिस्सा है।
 - संयंत्र को प्रोपीलीन की आपूर्ति नहीं किए जाने के कारण जांच की अवधि में केवल 24 दिनों के लिए बंद किया गया था।

- xv. मांग और आपूर्ति में अंतर के बावजूद, घरेलू उद्योग अधिकांश अवधि में निष्क्रिय क्षमता के साथ कार्य कर रहा था। इसके अलावा, अर्जित प्रतिफल भी वर्ष 2017-18 तक की अधिकांश अवधि के लिए कम थी। कार्य-निष्पादन पर विचार करते हुए, कोई भी उत्पादक अपनी क्षमता का विस्तार नहीं करेगा।
- xvi. अपर्याप्त लाभ के साथ कीमत में नकारात्मक कटौती यह दर्शाती है कि कीमतों का ह्रास हुआ था और उसमें कमी आई थी। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, बाजार में प्रचलित आयात कीमत पर निर्भर है।
- xvii. घरेलू उद्योग कम कीमत पर हुए आयातों से ही क्षति का दावा कर रहा है। उन देशों से बहुत अधिक निर्यात हुए हैं जो घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत और उचित बिक्री कीमत से कम है।
- xviii. कम कीमत पर आयातों पर विचार करने की दावा की गई पद्धति का अनुमोदन माननीय भारतीय उच्चतम न्यायालय और विश्व व्यापार संगठन द्वारा ब्राजील से मेलिम्बल कास्ट आयरन ट्यूब अथवा पाइप फिटिंग्स पर पाटनरोधी शुल्क – यूरोपीय समुदाय के मामले में किया गया है।
- xix. प्रतिवादी इस बात की पुष्टि करने में सक्षम नहीं हो पाए हैं कि क्यों 2018-19 की अवधि में कार्य-निष्पादन असामान्य था और इस कारण से क्षति के विश्लेषण से 2018-19 को बाहर रखने का कोई कारण नहीं है। आयात की कीमतों में वृद्धि हुई थी और 2018-19 में मात्रा में गिरावट आई थी और घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को बढ़ाने में सक्षम नहीं थे।
- xx. केवल इस कारण से कि आयातक शुल्क का भुगतान करने के लिए मजबूर थे, पाटित आयातों से घरेलू बाजार को सुरक्षित नहीं रखने के लिए पर्याप्त औचित्य नहीं है। आयातक अन्य स्रोतों से आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं।
- xxi. इस अनुरोध पर कि आवेदक ने कैप्टिव बिक्री और निर्यात बिक्री के बारे में नहीं बताया है, आवेदन यह स्पष्ट करता है कि घरेलू उद्योग ने निर्यात नहीं किया है। 2ईएच की खपत घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए गए और बेचे गए उत्पादन में नहीं होता है।
- xxii. आयात जांच की पूरी अवधि के दौरान हुआ और इस तर्क में कोई दम नहीं है कि जब घरेलू उद्योग का संयंत्र बंद था तब जांच की अवधि की अंतिम तिमाही में आयात हुआ।
- xxiii. अलग-अलग अवधि के दौरान किया गया आयात इन आयातों के बीच किसी गहन प्रतिस्पर्धा को न्यायोचित नहीं ठहराता है। कथित तर्क की तुलना में, यूरोपीय यूनियन से लगभग 75 प्रतिशत आयात जांच की अवधि की पहली छमाही में हुई थी।
- xxiv. घरेलू उद्योग जांच की अवधि के पहले पर्याप्त लाभप्रद कीमतों पर बिक्री करने में सक्षम था और वह इसे अब आदर्शतम से कम कीमतों पर बिक्री कर रहा है। यह तर्क नहीं दिया जा सकता है कि यह अपनी मालसूची की बिक्री करने के उद्देश्य से घाटे पर बिक्री करता है और अपनी बिक्री और बाजार हिस्से को बढ़ाता है।
- xxv. वार्षिक रिपोर्टों और अन्य अनुसंधान रिपोर्टों में किए गए वर्णन उत्पाद विशिष्ट सूचना से संबंधित नहीं हैं। बल्कि वे संपूर्ण रूप से कंपनी के लिए किए गए हैं।
- xxvi. न तो घरेलू उद्योग निर्यात क्रियाकलाप में शामिल है और न ही वह विदेशी आपूर्तिकर्ता से अपने कच्चे माल प्राप्त कर रहा है। इस कारण से, विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव का विचाराधीन उत्पाद के कार्यनिष्पादन पर कोई अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- xxvii. कमजोर वैश्विक मांग के मुद्दे पर आवेदक मांग और आपूर्ति के अंतर के साथ कार्य करने वाले भारत का एकमात्र उत्पादक है। इस कमजोर वैश्विक मांग के कारण हानि नहीं होनी चाहिए थी। उत्पादक जो वैश्विक रूप से कमजोर मांग के प्रभाव के प्रभाव का सामना कर रहे हैं, पाटन के कारक को दर्शाते ही हैं।
- xxviii. घरेलू उद्योग ने पहले ही अपने आवेदन में इस बात को दर्शाया है कि सिंगापुर से आयात न्यूनतम सीमाओं से अधिक हैं। हालांकि, चूंकि वर्तमान आवेदन एक निर्णायक समीक्षा आवेदन है अतः उन देशों के कार्य-क्षेत्र का विस्तार नहीं किया जा सकता है।

- xxix. इस अनुरोध पर कि लगाई गई पूंजी में वृद्धि हुई है लेकिन क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए संयंत्र लगाई गई पूंजी में परिवर्तन का एकमात्र कारक नहीं है।
- xxx. चूंकि घरेलू उद्योग पाटन के विगत दुष्प्रभावों से उबर रहा है, अतः यह 2018-19 तक अपनी कीमतों को बढ़ाने में सक्षम था।
- xxxi. घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन पर पिछले दस वर्षों में अधिकांश समय से विभिन्न स्रोतों से पाटित आयातों के कारण प्रभाव पड़ता रहा है। इस कारण से, 22 प्रतिशत से कम प्रतिफल पर विचार करना उपयुक्त नहीं होगा।
- xxxii. सेस्टैट ने अनेक मामलों में यह माना कि क्षति-रहित कीमत पर निर्धारण के लिए 22 प्रतिशत के प्रतिफल पर विचार करना उपयुक्त होगा।
- xxxiii. घरेलू उद्योग द्वारा वर्ष 2018-19 में अर्जित प्रतिफल को एनआईपी की गणना के लिए विचार किया जा सकता है। 2018-19 में आयात क्षति की अवधि से बहुत कम थी और घरेलू उद्योग ने अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य किया जो आयातों की कीमत प्रभाव के कारण को अस्वीकार करता है।
- xxxiv. संचयी नहीं करने का प्रावधान निर्धारित समीक्षा जांच के लिए लागू नहीं होता है।
- xxxv. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग की कीमत से कम कीमत पर बहुत अधिक मात्रा में आयात हो रहे हैं जिसके कारण यह आदर्शतम स्तर पर बिक्री करने के लिए सक्षम नहीं है। आवेदक ने कोठारी शुगर्स ऐंड केमिकल्स लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में सेस्टैट के निर्णय पर विश्वास किया है और यह अनुरोध किया है कि कीमत में कटौती का निर्धारण घरेलू उद्योग की कीमत से कम आयातों के आधार पर किया जाना चाहिए। आवेदक के अनुसार, संबद्ध देशों से लगभग 40 प्रतिशत आयात हुए हैं जो घरेलू उद्योग की कीमतों से कम कीमत पर हुए हैं।

छ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

62. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में किए गए अनुरोधों को इसमें नीचे फिर से दिया गया है:
- कीमत में नकारात्मक कटौती हुई है जो कीमत के प्रभाव का नहीं होना दर्शाता है। माह-वार कीमत में कटौती पाटनरोधी शुल्क पर विचार करने के बाद नकारात्मक है।
 - घरेलू उद्योग ने लागू पाटनरोधी शुल्कों और बढ़ती हुई मांग के बावजूद अपनी क्षमता का विस्तार नहीं किया।
 - आयातों पर कोई ह्रासकारी अथवा न्यूनकारी प्रभाव नहीं है क्योंकि कीमत में नकारात्मक कटौती हुई है।
 - घरेलू उद्योग ने सूचना छिपाई है कि कच्चे माल की आपूर्ति में कमी रही है जिसके फलस्वरूप उत्पादन में गिरावट हुई।
 - घरेलू उद्योग ने इस तर्क को आगे बढ़ाने के लिए लोपन पद्धति का उपयोग किया है जो यूएस-जिरोइंग(ईसी) मामले के अनुसार विश्व व्यापार संगठन के सिद्धांतों के प्रतिकूल है।
 - इस संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई है कि क्या यदि घरेलू उद्योग ने निर्यात बिक्री और कैप्टिव खपत की है।
 - एचपीसीएल का 2019-20 की तीसरी और चौथी तिमाहियों में रखरखाव और क्षमता के विस्तार के लिए बहुत अधिक कार्य किया गया है। घरेलू उद्योग को कच्चे माल की आपूर्ति की कमी थी।
 - घरेलू उद्योग का संयंत्र चौथी तिमाही में बंद किया गया था, ये आयात बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए आवश्यक थे।

- ix. यदि उत्पादन और बिक्री में गिरावट कीमतों के कम होने पर बढ़ते हुए आयातों के कारण हुआ था तब इसके पास अपने बाजार हिस्से के लिए लड़ने हेतु आगे कीमत में और कटौती करने के लिए अवसर मौजूद होता।
- x. जांच की अवधि में संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में कमी प्रोपीलीन (और नैपथेलीन) की 2-ईएच फीडस्टॉक कीमतों में बहुत अधिक गिरावट के कारण हुई थी।
- xi. घरेलू उद्योग द्वारा कीमत में कटौती और क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए केवल क्षतिकारक कारोबार पर विचार करने के लिए किया गया अनुरोध डीजीटीआर की विगत कार्यपद्धति के प्रतिकूल है और उसे अस्वीकार किया जाना चाहिए।
- xii. आईसीआरए रिपोर्ट और वार्षिक रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख है कि घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर प्रमुख कच्चे माल के लिए एकमात्र आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता, कमजोर वैश्विक मांग के कारण धीमे उत्पाद-फीडस्टॉक कीमत स्प्रेड, आयात शुल्क में अंतर और विदेशी मुद्रा की दरों के कारण प्रभाव पड़ा है।
- xiii. यूरोपीय यूनियन के उत्पादकों के पास एशिया और अमेरिका क्षेत्रों की तुलना में अपने भंडार को खाली करने का लाभ है। प्रोपीलीन का प्रमुख रूप से उत्पादन क्रेकरो और रिफाइनरो के कार्य-चालनों में एक उप-उत्पाद के रूप में उत्पादन किया जाता है। यूरोपीय यूनियन में प्रोपीलीन की कीमतें अमेरिका और एशिया में कीमतों की तुलना में समीक्षाधीन अवधि के दौरान बहुत अधिक हद तक ज्यादा थी।
- xiv. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पर पहुंच कीमत का कोई प्रभाव नहीं है क्योंकि दोनों में प्रवृत्ति वास्तव में एक जैसी है। कीमत में नकारात्मक कटौती इस बात का उदाहरण देता है कि कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।
- xv. घरेलू उद्योग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में प्रमुख खतरों तथा क्षति के खतरे के लिए कारणों के रूप में गैर-संबद्ध देशों से बढ़े हुए आयातों की पहचान की है।
- xvi. घरेलू उद्योग की क्षमता क्षति की जांच की अवधि के दौरान अपरिवर्तित रही लेकिन लगाई गई पूंजी में वृद्धि हुई।
- xvii. घरेलू उद्योग का लाभ बिक्री की लागत में वृद्धि की तुलना में बिक्री कीमत में अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि के कारण 2017-18 और 2018-19 में भारी वृद्धि दर्शाता है।
- xviii. घरेलू उद्योग के निर्यात कार्य-निष्पादन में गिरावट के कारण क्षति हो सकती है।
- xix. औसत भंडार में वृद्धि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण करने के उद्देश्य से पृथक रूप से नहीं लिया जा सकता है।
- xx. क्षमता में बिना किसी वृद्धि के घरेलू उद्योग का ह्रास और निर्धारित परिसंपत्ति में सतत वृद्धि हुई है।
- xxi. अर्जेन्टीना फुटवियर मामले में डब्ल्यूटीओ के पैनल ने यह माना कि ऐंड टू ऐंड तुलना और बीच की अवधियों की तुलना के लिए क्षति का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है।
- xxii. 2018-19 के दौरान, नेपथा और प्रोपीलीन की कीमतें क्षति की अवधि के दौरान सबसे अधिक थी जो जांच की अवधि में सामान्य हो गई। घरेलू उद्योग ने कच्चे माल की कीमतों में गिरावट के साथ अपनी कीमतों और वैश्विक बाजार के परिदृश्य को देखते हुए अपनी कीमतों को ठीक किया।
- xxiii. ताईवान से आयात कुल आयातों का केवल 0.2 प्रतिशत है और उसे अन्य देशों से आयातों के साथ जोड़ा नहीं जा सकता है।
- xxiv. डीजीटीआर को इस उद्योग द्वारा अर्जित आरओसीई को लेना चाहिए जब उचित लाभ मार्जिन के रूप में और न कि 22 प्रतिशत आरओसीई के रूप में पाटन का कोई आरोप नहीं लगा है।

- xxv. लगाई गई पूंजी में कंपनी की निवल पूंजी और ऋण शामिल है। लगाई गई पूंजी के दोनों संघटकों पर एक समान रूप में 22 प्रतिशत लेकर प्रतिफल की गणना करना पूर्ण रूप से सही नहीं है और इसकी समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है।
- xxvi. यूरोपीय यूनियन क्षति की जांच की अवधि के उस हिस्से के दौरान जिसमें पाटित और/अथवा सब्सिडीयुक्त आयातों का संघ उद्योग की स्थिति पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता हो, संघ उद्योग द्वारा प्राप्त लाभ मार्जिन पर विश्वास करते हुए एनआईपी तय करता है।
- xxvii. कटौती और क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए केवल क्षतिकारक कारोबार पर विचार करने का आवेदक का दावा लोपन के समान है जो विश्व व्यापार संगठन के करार और डीजीटीआर की विगत कार्य-पद्धति का उल्लंघन है।
- xxviii. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित लोपन पद्धति पाटन और क्षति मार्जिन को बढ़ाकर प्रस्तुत करता है।
- xxix. आवेदक द्वारा विश्वास किए गए विश्व व्यापार संगठन के पैनल की रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया था कि क्षति-रहित आयातों को बाहर रखकर निर्धारित कटौती भी कीमत में कटौती के प्रभाव का आकलन करने के लिए “पद्धतियों में से एक पद्धति” था और वह पाटन के निर्धारण जैसा “अपने आप में अंतिम” नहीं था।
- xxx. कोठारी शुगर्स के सेस्टैट निर्णय में घरेलू उद्योग ने औसत विश्लेषण का विरोध किया था क्योंकि उत्पादकों/निर्यातकों से कोई सहयोग नहीं मिला था और असहयोग की स्थिति में, डीजीटीआर को कम कीमत पर निर्यातों पर विचार करना चाहिए। आवेदक द्वारा विश्वास किए गए न्यायाधिकरण के निर्णय बिल्कुल अलग मामले से संबंधित थे।
- xxxi. यदि आयात कीमतों के आधार पर अलग-अलग किए गए थे, तब इसका तात्पर्य यह होगा कि आवेदक को मात्रा के मामले में कोई क्षति नहीं हो रही है।
- xxxii. कोरिया, इंडोनेशिया और मलेशिया से कोई भी क्षतिकारक आयात नहीं हुआ है क्योंकि एनएसआर और एनआईपी के बीच डेल्टा नकारात्मक है।
- xxxiii. 2016-17 और 2018-19 के बीच घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंडों बहुत अधिक सुधार दर्शाएगा।
- xxxiv. जांच की अवधि में कीमतों में कमी प्रोपीलीन और नेपथेलीन की 2-ईएच फीडस्टॉक कीमतों में बहुत अधिक गिरावट के कारण प्रभावित हुई थी।
- xxxv. प्रमुख कच्चे माल के लिए एकमात्र आपूर्तिकर्ता, कमजोर वैश्विक मांग के कारण धीमा उत्पाद-फीडस्टॉक कीमत स्प्रेड, आयात शुल्क में अंतर और विदेशी मुद्रा की दरें जैसे अन्य कारक हैं जो क्षति का कारण है।
- xxxvi. प्रत्येक देश और बाजार के लिए कीमतें अलग-अलग हैं और उनका निर्धारण बाजार की स्थितियों पर विचार करने के बाद किया जाता है। घरेलू उद्योग की कीमतों से तीसरे देशों के लिए निर्धारित कीमतों की तुलना करना तार्किक नहीं है।
- xxxvii. घरेलू उद्योग के अपने अनुरोध के अनुसार, वे यूरोपीय यूनियन से 70 प्रतिशत आयात, इंडोनेशिया और कोरिया से 100 प्रतिशत आयात, मलेशिया से 50 प्रतिशत आयात और यूएसए से लगभग 11 प्रतिशत आयात के कारण उन्हें क्षति हो रही है।
- xxxviii. घरेलू उद्योग आयात कीमत से कम कीमत पर बिक्री कर रहा है और घरेलू उद्योग को कोई भी हानि इस तथ्य के कारण होती है कि यह आयात की कीमतों में कटौती कर रहा है और यह प्रतिकूल नहीं है।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

63. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार किया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर परिणामी प्रभाव दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच का प्रावधान है।

64. सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9(क)(5) के अनुसार लगाया गया पाटनरोधी शुल्क जब तक कि हटा नहीं लिया जाए, उसे लगने की तारीख से पांच वर्षों की समाप्ति पर उसका प्रभाव समाप्त हो जाएगा, बशर्ते कि यदि केन्द्रीय सरकार, एक समीक्षा में, यह राय रखती है कि ऐसे शुल्क की समाप्ति होने से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, वह समय-समय पर, इस शुल्क को लगाए जाने की अवधि को आगे की पांच वर्षों की अवधि के लिए बढ़ा सकती है और यह आगे बढ़ाई गई अवधि ऐसे विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी।
65. इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी संबद्ध देश से आयातों के संबंध में पाटन और क्षति के पहलुओं की संभावना की जांच शुरू करने से पूर्व घरेलू उद्योग को, यदि कोई वर्तमान क्षति है, तो उसकी जांच की है।
66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आवश्यक नहीं है कि क्षति के सभी मापदंड गिरावट दर्शाते हों। कुछ मानदंड गिरावट दर्शा सकते हैं जबकि कुछ अन्य गिरावट नहीं दर्शा सकते हैं। प्राधिकारी ने क्षति संबंधी सभी मानदंडों पर विचार किया है और उसके बाद वे इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में जारी रहती है अथवा वह फिर से उत्पन्न होती है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए तथ्यों और तर्कों पर वस्तुनिष्ठ तरीके से विचार करते हुए क्षति संबंधी मानदंडों की जांच की है।
67. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में किए गए विभिन्न अनुरोधों पर विचार किया है और रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानूनों पर विचार करते हुए इसका विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा बाद के पूर्ववर्ती पैराओं में किया गया क्षति संबंधी विश्लेषण वास्तव में, घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार करता है।

छ.3.1 मांग का आकलन

68. प्राधिकारी ने भारत में इस उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में किया है।

क्र.स.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	संबद्ध देशों से आयात	एमटी	35,665	31,641	30,807	52,761
2	अन्य देशों से आयात	एमटी	31,201	26,458	23,279	28,874
3	आवेदक की घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	131	106
4	कुल मांग// खपत	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	101	116

69. यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में 2017-18 में वृद्धि हुई, 2018-19 में आंशिक रूप से गिरावट आई और फिर जांच की अवधि में इसमें वृद्धि हुई है। संबद्ध वस्तुओं की मांग में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

छ.3.2 पाटित आयातों पर मात्रात्मक प्रभाव**i. आयात की मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा**

70. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा तथा अन्य देशों से आयातों के प्रभावों की जांच प्राधिकारी द्वारा की गई है।

क्र. सं.	आयातों का विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	संबद्ध देश	एमटी	35,665	31,641	30,807	52,761
क	ईयू	एमटी	17,465	14,049	6,701	13,187
ख	इंडोनेशिया	एमटी	-	-	3,209	3,343
ग	कोरिया गणराज्य	एमटी	-	-	95	4,249
घ	मलेशिया	एमटी	17,220	8,676	10,108	14,611
ड.	ताईवान	एमटी	-	-	20	20
च	यूएसए	एमटी	980	8,916	10,674	17,350
2	अन्य देश	एमटी	31,201	26,458	23,279	28,874
3	कुल देश	एमटी	66,866	58,099	54,086	81,636
4	निम्नलिखित के संदर्भ में संबद्ध देश से आयात -					
क	भारतीय उत्पादन	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	71	67	138
ख	मांग	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86	86	128
ग	कुल आयात	%	53%	54%	57%	65%

71. यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा में 2018-19 तक गिरावट आई लेकिन उसमें जांच की अवधि में वृद्धि हुई। संबद्ध देशों से आयातों में निरपेक्ष रूप में तथा उत्पादन, खपत और कुल आयातों की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रमुख कच्चे माल की कम आपूर्ति के कारण उत्पादन में कटौती हुई थी।

छ.3.3. पाटित आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव

72. इस नियमावली के अनुबंध-II (ii) के संदर्भ में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संबंध में घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करें।

क. कीमत में कटौती

73. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य पर विचार करें कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण अन्यथा कीमतों पर बहुत अधिक हद तक दबाव पड़ेगा अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाएगी जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक हद तक हुई होती। इस संबंध में, संबद्ध देशों से इस उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत जिसमें व्यापार के उसी स्तर पर सभी छूट और कर का निवल शामिल है, के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण एक्स-फैक्टरी स्तर पर किया गया है।

क्र.स.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	निवल बिक्री प्राप्ति	रु./एमटी	***	***	***	***
2	संपूर्ण रूप में संबद्ध देश					
क	पहुंच कीमत	रु./एमटी	57,366	70,884	85,213	71,652
ख	कीमत में कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
ग	कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
घ	कीमत में कटौती	रेंज	0-10%	(0-10)%	(0-10)%	(0-10)%
3	यूरोपीय यूनियन					
क	पहुंच कीमत	रु./एमटी	58,160	73,474	90,297	77,850
ख	कीमत में कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
ग	कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
घ	कीमत में कटौती	रेंज	0-10%	(0-10)%	(0-10)%	(0-10)%
4	इंडोनेशिया					
क	पहुंच कीमत	रु./एमटी	-	-	80,327	70,987
ख	कीमत में कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
ग	कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
घ	कीमत में कटौती	रेंज	0.00%	0.00%	0-10%	0-10%
5	कोरिया गणराज्य					
क	पहुंच कीमत	रु./एमटी	-	-	89,856	75,917
ख	कीमत में कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
ग	कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
घ	कीमत में कटौती	रेंज	0.00%	0.00%	(0-10) %	(0-10) %
6	मलेशिया					
क	पहुंच कीमत	रु./एमटी	56,495	71,120	81,120	70,195
ख	कीमत में कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
ग	कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
घ	कीमत में कटौती	रेंज	0-10%	(0-10) %	0-10%	0-10%
7	ताईवान					
क	पहुंच कीमत	रु./एमटी	-	-	94,735	74,747
ख	कीमत में कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
ग	कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
घ	कीमत में कटौती	रेंज	0.00%	0.00%	(0-10) %	(0-10) %
8	यूएसए					
क	पहुंच कीमत	रु./एमटी	58,527	66,572	87,307	67,249

ख	कीमत में कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
ग	कीमत में कटौती	%	***	***	***	***
घ	कीमत में कटौती	रेंज	(0-10) %	0-10 %	(0-10) %	0-10 %

74. यह देखा जाता है कि संपूर्ण रूप में सभी संबद्ध देशों के संबंध में कीमत में कटौती मामूली रूप से नकारात्मक है और इंडोनेशिया, मलेशिया और यूएसए के मामले में अलग-अलग रूप से यह सकारात्मक है।

ख. कीमत हास/न्यूनीकरण

75. इस तथ्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से कि पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों पर दबाव पड़ रहा है अथवा ये कम हो रहे हैं और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों पर बहुत अधिक हद तक दबाव पड़ेगा अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाएगी जो अन्य प्रकार से काफी हद तक हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तनों की जांच की और उसकी तुलना आयातों की पहुंच कीमत से की।

क्र.स.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	बिक्री की लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	119	111
2	बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	142	122
3	आयातों की पहुंच कीमत	रु./एमटी	57,366	70,884	85,213	71,652
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	149	125

76. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और बिक्री कीमत तथा आयातों की पहुंच कीमत में 2018-19 तक वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग के आयातों की पहुंच कीमत और बिक्री कीमत में वृद्धि की मात्रा घरेलू उद्योग की लागत में वृद्धि की मात्रा से अधिक थी। इसके अलावा, 2017-18 और 2018-19 में आयातों की पहुंच कीमत में वृद्धि घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत में वृद्धि से अधिक थी। हालांकि, जांच की अवधि में, घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और बिक्री कीमत तथा आयातों की पहुंच कीमत में गिरावट आई लेकिन आयातों की पहुंच कीमत में गिरावट घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री की लागत में गिरावट से बहुत अधिक है। इस प्रकार यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग आयात कीमत के अनुसार अपनी कीमतें रख रहा है और उस अर्थ में संबद्ध देशों से आयातों के कारण जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव पड़ा है।

ग. कम कीमत पर बिक्री

77. इसके अलावा प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दौरान आयातों की बिक्री कीमत और पहुंच कीमत की जांच की।

देश	एनआईपी	पहुंच मूल्य	कम कीमत पर बिक्री	कम कीमत पर बिक्री	कम कीमत पर बिक्री
	रु./एमटी	रु./एमटी	रु./एमटी	%	रेंज
यूरोपीय यूनियन	***	77,850	***	***	(0-10)
इंडोनेशिया	***	70,987	***	***	0-10
कोरिया गणराज्य	***	75,917	***	***	(0-10)
मलेशिया	***	70,195	***	***	0-10
ताईवान	***	74,747	***	***	(0-10)
यूएसए	***	67,249	***	***	0-10

78. यह देखा जाता है कि कम कीमत पर बिक्री इंडोनेशिया, मलेशिया और यूएसए के मामले में सकारात्मक तथा अन्य संबद्ध देशों के मामले में नकारात्मक है।

छ.3.3. घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंडों पर प्रभाव

79. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव वस्तुपरक जांच शामिल होगी। पाटनरोधी नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और तत्वों जिनका घरेलू उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; वे कारक जो घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा पर प्रभाव डालते हों; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हों, का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। तदनुसार घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है।

क. क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री

80. प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री की मात्रा पर विचार किया है।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	क्षमता	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	101	101
2	उत्पादन	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	129	107
3	क्षमता उपयोग	%	84%	103%	107%	88%
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	128	106
4	घरेलू बिक्रिया	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	131	106

81. यह देखा जाता है कि:

- क. आवेदक ने लागत लेखा परीक्षण रिपोर्ट में सूचित किए गए अनुसार क्षमता का दावा किया है। हालांकि, प्राधिकारी ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्रमाण-पत्र में दी गई सूचना के अनुसार क्षमता पर विचार किया है क्योंकि यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग ने उस सीमा तक क्षमताएं स्थापित की हैं, जिस सीमा तक इसने प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकारी को क्षमता की सूचना दी है। यह देखा जाता है कि इसकी क्षमता में मामूली वृद्धि हुई है।
- ख. घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में 2018-19 तक वृद्धि हुई लेकिन जांच की अवधि में उनमें गिरावट आई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह गिरावट प्रोपिलीन की कम आपूर्ति के कारण है। प्राधिकारी ने पीयूसी के लिए क्षति-रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए क्षमता का आदर्शतम उपयोग करते समय, कच्चे माल की आपूर्ति के प्रभाव पर भी विधिवत् विचार किया है।

ख. मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

82. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभावों की जांच की गई है।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	129	92
2	संबद्ध देश	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86	86	128
3	अन्य देश	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	74	80

83. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2018-19 तक वृद्धि हुई लेकिन जांच की अवधि में उसमें गिरावट आई। संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में 2018-19 तक गिरावट आई लेकिन जांच की अवधि में इसमें वृद्धि हुई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट प्रमुख कच्चे माल की कम आपूर्ति के कारण कमतर उत्पादन के कारण हुआ है।

ग. मालसूची

84. घरेलू उद्योग की औसत मालसूची की जांच की गई।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	औसत मालसूची	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	44	123

85. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के औसत मालसूची के स्तर में 2018-19 तक गिरावट की प्रवृत्ति दर्शाई है और उसके बाद जांच की अवधि में उसमें बहुत हद तक वृद्धि हुई।

घ. लाभ अथवा हानि, नकद लाभ और निवेश पर प्रतिफल

86. घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल के संबंध में की गई है।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	बिक्रियों की लागत	र./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	119	111
2	बिक्री कीमत	र./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	142	122
3	लाभ/हानि(पीबीटी)	र./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	411	707	274
4	लाभ/हानि(पीबीटी)	₹ लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	521	923	292
5	नकद लाभ	₹ लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	3,319	5,546	2,161

6	ब्याज और कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी)	₹ लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	1,381	2,166	667
7	ह्रास, ब्याज और कर-पूर्व लाभ (पीबीडीआईटी)	₹ लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	552	830	314
8	लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	1,509	2,511	850

87. प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जांच की है। यह देखा जाता है कि:

- क. घरेलू उद्योग आधार वर्ष में घाटे में था और उसके बाद इसकी लाभप्रदता में वृद्धि हुई। लाभ में 2018-19 तक वृद्धि हुई। हालांकि, लाभ में जांच की अवधि में गिरावट आई।
- ख. जबकि आयात की कीमतें आधार वर्ष में बिक्री की लागत से कम थीं, वह बाद के वर्षों में बिक्री की लागत से अधिक थी। आवेदक यह दावा करता है कि घरेलू उद्योग आयात कीमत की तुलना में अपने उत्पाद का कीमत निर्धारण कर रहा है अतः उसे 2016-17 में वित्तीय हानि का सामना करना पड़ रहा था और यह उसके बाद लाभ अर्जित करने तथा 2017-18 और 2018-19 में अपने लाभ में सुधार लाने में सक्षम था। जांच की अवधि में बिक्री की लागत में गिरावट से बहुत आगे जांच की अवधि में आयात की कीमत में गिरावट के फलस्वरूप जांच की अवधि में लाभ में गिरावट हुई है।
- ग. नकद लाभ उसी प्रवृत्ति को दर्शाता है जो लाभ की है। घरेलू उद्योग आधार वर्ष में नकद हानि उठा रहा था और उसके बाद उसके लाभ में वृद्धि हुई। नकद लाभ में 2018-19 तक वृद्धि हुई और जांच की अवधि में उसमें तेजी से गिरावट आई।
- घ. घरेलू उद्योग का क्षति की पूरी अवधि के दौरान निवेश पर सकारात्मक प्रतिफल मिला लेकिन जांच की अवधि में उसमें गिरावट आई।
- ड. प्राधिकारी ने लाभ, नकद लाभ और निवेश पर प्रतिफल पर उत्पादन में कटौती के प्रभाव की जांच की है। इस उद्देश्य से प्राधिकारी ने इन मानदंडों पर विचार किया, जिसमें उत्पादन को उस सीमा तक समायोजित किया गया था जिस सीमा तक उसका कच्चे माल की कम आपूर्ति के कारण प्रभाव पड़ा था। यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग का लाभ, नकद लाभ और निवेश पर प्रतिफल जांच की अवधि में बहुत अधिक गिरावट दर्शाई होती, अगर इसने उस सीमा तक उत्पादन और बिक्री की होती, जिस सीमा तक उसे उत्पादन में हानि हुई थी। इस प्रकार, इन मानदंडों में गिरावट अधिकांशतः आयात की कीमत में गिरावट के कारण हुई है।
- च. हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग के लाभ में 2018-19 में बहुत अधिक हद तक वृद्धि हुई है, हालांकि यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत उस पैटर्न को दर्शाती है, जिसे आयातों में देखा जाता है। आयात की कीमत में 2017-18 और 2018-19 में बहुत अधिक हद तक वृद्धि हुई और वह वृद्धि बिक्री की लागत में हुई वृद्धि से बहुत अधिक थी। यह भी देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के लाभ में 2018-19 और 2017-18 की तुलना में जांच की अवधि में तेजी से गिरावट आई है।

ड. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

88. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति की जांच की गई थी।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	95	97

2	वेतन और मजदूरी	₹ लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	105	187
3	प्रति दिन उत्पादकता	एमटी/दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	129	107
4	प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी/सं.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	सूचीबद्ध	100	126	135	110

89. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तरों में क्षति की अवधि के दौरान गिरावट आई लेकिन घरेलू उद्योग की मजदूरी में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में पिछले वर्ष तक वृद्धि हुई है लेकिन जांच की अवधि में गिरावट आई है।

च. वृद्धि

90. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के विकास मापदंडों की जांच नीचे दर्शाई गई है:

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
1	उत्पादन	वर्ष/वर्ष	24%	4%	-17%
2	क्षमता उपयोग	वर्ष/वर्ष	23%	4%	-17%
3	घरेलू बिक्रियां	वर्ष/वर्ष	27%	3%	-19%
4	लाभ/(हानि) प्रति इकाई	वर्ष/वर्ष	511%	72%	-61%
5	मालसूची	वर्ष/वर्ष	-1%	-56%	181%
6	बाजार हिस्सा	वर्ष/वर्ष	23%	5%	-29%
7	लाभ/(हानि) लाख रु. में	वर्ष/वर्ष	621%	77%	-68%
8	नकद लाभ लाख रु. में	वर्ष/वर्ष	3419%	67%	-61%
9	पीबीआईटी लाख रु. में	वर्ष/वर्ष	1281%	57%	-69%
10	आरओआई %	वर्ष/वर्ष	1409%	66%	-66%

91. यह देखा जाता है कि जबकि घरेलू उद्योग की वृद्धि 2017-18 और 2018-19 में सकारात्मक थी, घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

छ. पाटन का परिमाण

92. यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों में पाटन मार्जिन सकारात्मक है।

ज. नए निवेश जुटाने की क्षमता

93. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता विगत में पाटित आयातों के कारण प्रभावित हुई है और विभिन्न उत्पादकों द्वारा देश में किए जा रहे बहुत अधिक पूंजी-निवेश को देखते हुए, पाटित आयातों के विरुद्ध संरक्षण आवश्यक है।

झ. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

94. यह देखा जाता है कि पाटित आयातों का बहुत अधिक प्रतिशत है जो घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें बढ़ाने से रोक रहा है।

ज. क्षति के संबंध में टिप्पणियां

95. वास्तविक क्षति के संबंध में विभिन्न मापदंडों पर विचार करते हुए, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के समग्र कार्य-निष्पादन में 2018-19 तक काफी हद तक सुधार हुआ है और जांच की अवधि में यह बदतर हुआ है। संबद्ध आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप में तथा भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में बहुत अधिक हद तक वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग 2018-19 तक घरेलू बाजार में उत्पादन करने तथा बिक्री करने में सक्षम था और इस अवधि के दौरान आयातों में गिरावट आई। हालांकि, जांच की अवधि में, घरेलू उद्योग को एचपीसीएल से कच्चे माल की आपूर्ति के संबंध में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ा, जिसके फलस्वरूप उत्पादन में कटौती हुई। इस प्रकार, प्राधिकारी ने यह माना है कि जांच की अवधि में उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री और बाजार हिस्से में गिरावट पूर्ण रूप से आयातों के कारण नहीं हुआ है और यह काफी हद तक इनपुट की उपलब्धता के फलस्वरूप कटौती किए गए उत्पादन के कारण हुआ है। हालांकि, ये आयात 2017-18, 2018-19 और जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों से अधिक कीमत पर हुए थे। आयात की कीमतें और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में बिक्री की लागत में वृद्धि की तुलना में बढ़ोतरी हुई, आयात की कीमतें और इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में लागतों से तुलना किए जाने पर बहुत अधिक हद तक उसके अनुपात में गिरावट नहीं आई। फलस्वरूप, घरेलू उद्योग के लाभ, नकद लाभ और निवेश पर लाभ में 2018-19 तक सुधार हुआ और जांच की अवधि में उसमें तेजी से गिरावट आई।

ट. क्षति का परिमाण और क्षति मार्जिन

96. प्राधिकारी ने यथासंशोधित अनुबंध-III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद के एनआईपी का निर्धारण जांच की अवधि के लिए पेशेवर लेखाकार द्वारा विधिवत् प्रमाणित और घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए उत्पादन की लागत से संबंधित सूचना/आंकड़ों को अपनाकर किया गया है। एनआईपी पर विचार क्षति मार्जिन की गणना के लिए संबद्ध देश से पहुंच कीमत की तुलना करने के लिए की गई है। एनआईपी का निर्धारण करने के लिए, क्षति की अवधि की तुलना में कच्चे माल के सर्वोत्तम उपयोग और यूटिलिटी पर विचार किया गया है। असाधारण अथवा गैर-आवर्ती खर्च को उत्पादन की लागत से बाहर रखा गया है। विचाराधीन उत्पाद के लिए लगाई गई औसत पूंजी (अर्थात् औसत निवल निर्धारित परिसंपत्ति जोड़ औसत कार्यशील पूंजी) पर उचित प्रतिफल (पूर्व कर 22 प्रतिशत की दर से) की अनुमति इस नियमावली के अनुबंध-III में यथा निर्धारित एनआईपी का निर्धारण करने के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में दी गई थी और उसका पालन किया जा रहा है।
97. पहुंच कीमत और एनआईपी जिसका निर्धारण ऊपर में किया गया है, के आधार पर, उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन जैसा कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है, नीचे तालिका में दिया गया है:

क्र.सं.	विवरण	एनआईपी (यूएसडॉ./एमटी)	पहुंच कीमत (यूएसडॉ./एमटी)	क्षति मार्जिन (यूएसडॉ./एमटी)	क्षति मार्जिन- %	क्षति मार्जिन - रेंज
1	यूरोपियन यूनियन					
क	(i) ओक्यू केमिकल्स प्रोडक्शन जीएमबीएच एंड कं. केजी, जर्मनी (ii) ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच, जर्मनी	***	***	***	***	नकारात्मक

ख	कोई अन्य	***	***	***	***	10-20
2	इंडोनेशिया					
क	बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएनबीएचडी	***	***	***	***	0-10
ख	कोई अन्य	***	***	***	***	0-10
3	मलेशिया					
क	बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएनबीएचडी	***	***	***	***	0-10
ख	कोई अन्य	***	***	***	***	20-30
4	कोरिया गणराज्य	***	***	***	***	नकारात्मक
5	ताईवान	***	***	***	***	नकारात्मक
6	संयुक्त राज्य अमेरिका	***	***	***	***	0-10

ज. कारणात्मक संबंध

98. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी से अन्य बातों के साथ-साथ यह अपेक्षित है कि वे पाटित आयातों के अलावा किसी ज्ञात कारकों जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं अथवा जिनके कारण क्षति होने की संभावना है, की जांच करें ताकि इन अन्य कारकों के कारण हुई क्षति के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाए। जबकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है और कारणात्मक संबंध की जांच पहले ही मूल जांच में की गई है, प्राधिकारी ने इस बात की जांच की, कि क्या अन्य ज्ञात उपलब्ध कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है अथवा क्षति होने की संभावना है। इस बात की भी जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी अथवा हुई क्षति में योगदान करने की संभावना है।

क. तीसरे देश से आयातों की मात्रा और कीमत

99. सिंगापुर से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमाओं से अधिक है।

ख. मांग में संकुचन और/अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन

100. संबद्ध वस्तुओं की मांग में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। मांग में वर्ष 2018-19 में आंशिक रूप से गिरावट आई लेकिन जांच की अवधि में पुनः वृद्धि हुई। हालांकि, घरेलू उद्योग की क्षमता भारत में मांग से बहुत अधिक हद तक कम है। इस कारण से, मांग में परिवर्तन घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान नहीं कर सकता था।

ग. प्रौद्योगिकी का विकास

101. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस कारण से प्रौद्योगिकी में विकास क्षति का एक संभावित कारक नहीं है।

घ. व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्य-पद्धतियां

102. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्य-पद्धति नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी।

ड. निर्यात कार्य-निष्पादन

103. घरेलू उद्योग निर्यात-क्रियाकलाप नहीं करता है और इस कारण से यह क्षति का कारण नहीं हो सकता है।

च. अन्य उत्पादों का कार्य-निष्पादन

104. आवेदक द्वारा उत्पादन किए गए और बेचे गए अन्य उत्पादों का कार्य-निष्पादन इस जांच में घरेलू उद्योग को क्षति का एक संभावित कारण नहीं है।

झ. क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना

105. समीक्षा जांच में, प्राधिकारी को यह निर्धारित करना होता है कि क्या संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर लगातार हो रहे हैं अथवा इसके होने की संभावना है तथा क्या घरेलू उद्योग को क्षति शुल्क के समाप्त किए जाने पर इन पाटित आयातों के कारण जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है।

झ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

106. क्षति की संभावना के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोधों को यहां नीचे फिर से दिया गया है:

- i. संबद्ध देशों से आयातों में पाटनरोधी शुल्कों के बावजूद वृद्धि हुई, इस बात की प्रत्येक संभावना है कि वे शुल्क के समाप्त होने के साथ ही बहुत तेज गति से बढ़ेगी।
- ii. अन्य देशों को बहुत अधिक मात्रा में निर्यात उन कीमतों पर हुए हैं जो भारतीय बाजार में प्रचलित कीमतों से कमतर है। पाटनरोधी शुल्कों के समाप्त होने से विदेशी उत्पादकों को अपने तीसरे देश के निर्यातों को भारत में भेजने का अवसर मिलेगा।
- iii. संबद्ध देशों से विश्व के शेष हिस्सों में बहुत अधिक मात्रा में आयात उस कीमत पर हुए हैं जो घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत से कम है।
- iv. संबद्ध देशों में उत्पादकों के पास बहुत अधिक क्षमताएं हैं और वे बहुत अधिक वैश्विक निर्यात कर रहे हैं।
- v. मै. ओक्सिया कारपोरेशन और मै. बीएसएफ ने पिछले 4 वर्षों में संबद्ध वस्तुओं की अपनी उत्पादन क्षमताओं का विस्तार किया है।
- vi. संबद्ध देशों से आयातों का भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में बहुत अधिक हिस्सा रहा है और वे घरेलू बाजार में कीमत निर्धारक के रूप में कार्य करते हैं।
- vii. मलेशियाई निवेश विकास प्राधिकरण ने बीएसएफ पैट्रोनास केमिकल्स एसडीएन. बीएचडी को एक निर्यात उन्मुख कंपनी के रूप में सूचीबद्ध किया है।
- viii. आईसीआईएस रिपोर्ट के अनुसार, भारत मैसर्स पेट्रो ऑक्सो नुसानतारा के लिए प्रमुख निर्यातक देशों में से एक है।
- ix. पिछले दस वर्षों का औसत निर्यात पीटी पैट्रो ऑक्सो नुसानतारा और बीएसएफ पैट्रोनास केमिकल्स एसडीएन बीएचडी की उत्पादन क्षमता का पचास प्रतिशत से अधिक थी, जो यह दर्शाता है कि इन देशों में स्थापित ये क्षमताएं उनके घरेलू मांग से बहुत अधिक हैं।
- x. बीएसएफ पैट्रोनास केमिकल्स एसडीएन बीएचडी के क्षमता उपयोग में कमी आई है और मालसूची में वृद्धि हुई है। शुल्कों के समाप्त होने से उसे अपनी अतिरिक्त मालसूची की दुलाई करने और निष्क्रिय क्षमता का उपयोग करने के लिए उसे अवसर प्रदान करेगा।
- xi. पीटी. पैट्रो ऑक्सो नुसानतारा के पास मालसूची में वृद्धि हुई है। शुल्कों का समाप्त होना इसे भारतीय बाजार में जहाज पर लदाई करने के लिए अतिरिक्त मालसूची का उपयोग करने के लिए अवसर प्रदान करेगा।
- xii. ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच के मामले में भारत को निर्यात बिक्री में लाभप्रदता की प्रवृत्ति एक नकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाती है और ऐसा प्रतीत होता है कि उत्पादक को भारत को बिक्रियों में हानि उठानी पड़ी है जो भारतीय बाजार के महत्व को दर्शाता है।
- xiii. ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच की क्षमता उपयोग भी गिरावट दर्शाता है और यह हमेशा उत्पादकों को वैश्विक बाजारों की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

- xiv. संबद्ध देशों से बहुत अधिक आयात घरेलू उद्योग की एनआईपी और एनएसआर तथा संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य से कम कीमत पर हो रहा है।

झ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

107. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति की संभावना के संदर्भ में किए गए अनुरोधों को इसमें नीचे फिर से दिया गया है:
- i. अनुबंध-II में सूचीबद्ध खतरे से संबंधित मानदंडों को निरमा लिमिटेड बनाम संघ सरकार के मामले में गुजरात उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार अनिवार्य रूप से जांच किया जाना अपेक्षित है। प्राधिकारी ने सर्टेन रबड़ केमिकल्स और सोडियम नाइट्राइट की निर्णायक समीक्षा जांच में उसका परीक्षण किया है।
 - ii. घरेलू उद्योग से यह सिद्ध करना अपेक्षित है कि स्वतंत्र रूप से बिक्री योग्य क्षमताएं हैं जिन्हें भारत में परिवर्तित किया जा सकता है।
 - iii. गल सूचना दी गई है कि बीएएसएफ अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है।
 - iv. लगातार पाटन आयातों की मौजूदगी अपने आप में क्षति की संभावना का संसूचक नहीं है।
 - v. मलेशिया में इस उत्पादक के उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत का उपयोग घरेलू स्तर पर किया जाता है।
 - vi. घरेलू उद्योग से यह प्रमाणित करना अपेक्षित है कि शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है, जिसे निर्यातकों पर नहीं डाला जा सकता है। यह तर्क कि निर्यातक को यह सिद्ध करना चाहिए कि सतत पाटन की कोई संभावना नहीं है, में कोई दम नहीं है।
 - vii. जांच की अवधि के बाद की अवधि के लिए किसी की जांच की जानी अपेक्षित है। चीन जन.गण. से विस्कोस फिलामेंट यार्न की निर्णायक समीक्षा में, प्राधिकारी ने यह नोट किया कि क्षति की संभावना स्थापित नहीं की जा सकती है क्योंकि जांच की अवधि के बाद की अवधि के आंकड़े नहीं दिए गए थे।
 - viii. पाटन और क्षति के फिर से होने अथवा उसके जारी रहने की संभावना के निर्धारण में क्षतिकारक कीमतों पर अन्य देशों को आयात और तीसरे देशों को पाटन की पूर्व जांच में होने की जांच की कोई आवश्यकता नहीं है।
 - ix. घरेलू उद्योग के अपने आंकड़ों के आधार पर, कम कीमतों पर यूरोपीय यूनियन का निर्यात उसके कुल निर्यातों का केवल 19 प्रतिशत है।
 - x. घरेलू उद्योग संबद्ध देशों में स्वतंत्र रूप से बिक्री योग्य क्षमताओं जिन्हें मौजूदा शुल्कों के समाप्त होने की स्थिति में विपठित किया जाएगा, के संबंध में सूचना प्रमाणित नहीं कर पाया है।
 - xi. इस मामले के तथ्य चीन जन.गण. से डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा के समान है जहां प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को जारी नहीं रखने की सिफारिश की थी।
 - xii. जांच की अवधि की बाद की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड कोविड-19 के प्रभाव के कारण संभावना की जांच लागू करने के लिए उपयुक्त मानदंड नहीं है।
 - xiii. क्षमता में अनुमानित वृद्धि वर्तमान जांच के लिए कोई महत्व नहीं रखता है। क्षमताओं में वृद्धि के फलस्वरूप, वृद्धि के विपरीत आयातों में गिरावट होगी।
 - xiv. क्षमताओं में प्रस्तावित वृद्धि कानून की दृष्टि से अथवा अर्थशास्त्र की दृष्टि से पाटनरोधी शुल्क का विस्तार किए जाने के लिए आधार नहीं हो सकता है।
 - xv. डीजीटीआर से यह अपेक्षित नहीं है कि वह निर्णायक समीक्षा जांच में पाटन और क्षति के फिर से होने अथवा उसके जारी रहने की संभावना का निर्धारण करने के लिए पूर्व जांच में पाटन के मौजूद रहने, तीसरे देशों को पाटन किए जाने और अन्य देशों को क्षतिकारक कीमतों पर आयात किए जाने का आकलन करने के लिए अपेक्षित है।

- xvi. ओक्यूसी समूह ने भारत को कमतर शुल्क दर प्राप्त किया लेकिन इसने भारत को बहुत अधिक मात्रा में निर्यात नहीं किया।
- xvii. निर्यात उन्मुखीकरण अपने आप में यह साबित नहीं करता है कि पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है।
- xviii. आवेदक द्वारा सूचीबद्ध कारक नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध आवश्यकताओं का उल्लंघन है।
- xix. आवेदक द्वारा क्षमता विस्तार के लिए सूचीबद्ध विभिन्न परियोजनाओं को कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण स्थगित रखा गया है।
- xx. अत्यधिक क्षमता का यह आशय नहीं हो सकता है कि घरेलू मांग को पूरा करने के बाद क्षमताएं अप्रयुक्त रहें बल्कि इसका संदर्भ घरेलू और वैश्विक मांग को पूरा करने के बाद बची हुई निष्क्रिय क्षमताएं हैं।
- xxi. जांच की अवधि के बाद की अवधि में, घरेलू उद्योग ने कोविड-19 महामारी के बावजूद बिल्कुल हाल की तिमाही में लाभ दर्ज किया है।
- xxii. भारत को निर्यात बिक्री जांच की अवधि में कुल बिक्री की तुलना में बहुत अधिक नहीं है और इस क्षमता का बहुत हद तक उपयोग जांच की अवधि में भी किया गया था।

झ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 108. प्राधिकारी ने धारा 9क(5) के अंतर्गत उल्लिखित आवश्यकता, नियम 23 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II(vii) के संदर्भ में वास्तविक क्षति के खतरे से संबंधित मानदंडों और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा रिकॉर्ड पर लाए गए अन्य संगत कारकों पर विचार करते हुए, क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना की जांच की है।
- 109. वर्तमान जांच यूरोपीय यूनियन, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, ताईवान और संयुक्त राज्य अमेरिका से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए शुल्कों की निर्णायक समीक्षा है। इस नियमावली के अंतर्गत, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस बात का निर्धारण करें कि क्या मौजूदा शुल्क के समाप्त होने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने अन्य संगत कारकों की भी जांच की है जिसका पाटन के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना पर प्रभाव पड़ सकता था।
- 110. प्राधिकारी की कार्य-पद्धति के अनुसार, तीसरे देश को निर्यातों की भी जांच संबद्ध देशों में उत्पादकों के कीमत निर्धारण संबंधी व्यवहार को देखने के लिए किया गया है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने इस बात की भी जांच की है कि क्या अन्य देशों को निर्यात उन कीमतों पर हो रहे हैं जो घरेलू उद्योग के लिए क्षतिकारक हैं और साथ ही उन कीमतों पर हो रहे हैं जो भारतीय कीमतों से कम है, जिससे कि शुल्कों के समाप्त होने की स्थिति में भारत को निर्यातों में संभावित वृद्धि की जांच की जा सके।
- 111. प्राधिकारी ने जांच की अवधि के बाद की अवधि के आंकड़ों, की कोई जांच नहीं की है क्योंकि वह कोविड-19 की स्थिति के कारण बंद किए जाने से प्रभावित होगी और आयातों की वर्तमान मात्रा अपने आप में यह निर्धारण करने के लिए पर्याप्त है।

झ.3.1 संबद्ध देशों में क्षमताएं

- 112. आवेदक ने मांग और मात्रा का वैश्विक आंकड़ा दिया है और यह दावा किया है कि वैश्विक क्षमताएं मांग की तुलना में बहुत अधिक हैं और इस कारण से उत्पादक अपनी निष्क्रिय क्षमताओं का उपयोग करने के उद्देश्य से निर्यात के लिए बाजारों की तलाश करेंगे। वही संबद्ध देशों के उत्पादकों पर भी लागू होता है। संबद्ध देशों में क्षमताओं और मांग के बारे में सूचना नहीं दिए जाने पर प्राधिकारी ने रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार किया है।

क्षेत्र	मांग का पूर्वानुमान (एमटी)		क्षमताएं एमटी में
	2020	2025	
एशिया पैसिफिक	32,55,000	36,69,000	37,03,000
अफ्रीका	10,000	10,000	-
मध्य पूर्व	1,78,000	1,89,000	1,95,000
उत्तरी अमेरिका	4,04,000	4,20,000	8,80,000
दक्षिण अमेरिका	81,000	91,000	80,000
मध्य और पूर्व यूरोप	1,92,000	2,12,000	3,30,000
पश्चिम यूरोप	3,95,000	4,08,000	10,40,000
कुल	45,14,000	49,97,000	62,28,000

स्रोत: आईसीआईएस रिपोर्ट, मार्केट एनालिटिक्स- ओकसो अल्कोहोल्स-2018, नेक्सण्ट

झ.3.2 संबद्ध देशों में क्षमता का विस्तार

113. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि मै. ओक्सिया कारपोशन और मै. बीएसएफ ने पिछले चार वर्षों में संबद्ध वस्तुओं की अपनी उत्पादन क्षमताओं का विस्तार किया है और इसके लिए साक्ष्य के रूप में एक न्यूज आर्टिकल दिया है। हालांकि, सहयोगी उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर से, यह नोट किया जाता है कि इनमें से किसी ने भी अपनी उत्पादन क्षमताओं का विस्तार नहीं किया है।

झ.3.3 निर्यात उन्मुखीकरण

114. आवेदक ने संबद्ध देशों में क्षमताओं और पिछले दस वर्षों में उनके द्वारा किए गए औसत आयातों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है।

क्र.सं.	देश	क्षमता (एमटी/वर्ष)	पिछले 10 वर्षों के दौरान औसत निर्यात	क्षमता के % के रूप में निर्यात
1	यूरोप	12,95,000	1,84,723	14%
2	इंडोनेशिया	1,40,000	1,12,864	81%
3	मलेशिया	80,000	47,104	59%
4	दक्षिण कोरिया	3,95,000	74,609	19%
5	ताईवान	2,20,000	28,505	13%
6	यूएसए	8,80,000	91,811	10%

स्रोत: आईसीआईएस रिपोर्ट, यूरोस्टाट (यूरोप का निर्यात), ट्रेड मैप (अन्य देशों का निर्यात)

115. यह देखा जाता है कि सभी संबद्ध देशों के लिए कम से कम 10 प्रतिशत क्षमता का उपयोग निर्यात के उद्देश्य से किया गया है। आवेदक ने अनुरोध किया है कि इंडोनेशिया और मलेशिया प्रत्येक में केवल एक उत्पादक है और उनके द्वारा किया गया निर्यात बहुत अधिक है। यह देखा जाता है कि क्षमता के प्रतिशत के रूप में निर्यात इंडोनेशिया और मलेशिया के लिए क्रमशः 81 प्रतिशत और 59 प्रतिशत है।

झ.3.4 तीसरे देश द्वारा पाटन

116. नीचे दी गई तालिका घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुसार सामान्य मूल्य से कम कीमतों पर तीसरे देशों को निर्यातों की मात्रा दर्शाती है:

क्र.सं.	विवरण	इकाई	यूरोप	इंडोनेशिया	मलेशिया	कोरिया गणराज्य	ताईवान	यूएसए
1	सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यातों की मात्रा	एमटी	45687	2802	4269	48,623	34,983	1,10,568
2	सामान्य मूल्य से अधिक कीमत पर निर्यातों की मात्रा	एमटी	76828	97129	14907	375	67	2,716
3	तीसरे देशों को कुल निर्यात	एमटी	122516	99931	19177	48,998	35,050	1,13,284
4	सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यातों का %	%	59%	3%	29%	98%	100%	98%
5	सामान्य मूल्य से कम कीमत पर भारत में मांग में निर्यातों का %	रेंज	30-40%	0-10%	0-10%	30-40%	20-30%	80-90%

स्रोत: यूरोस्टाट (यूरोप का निर्यात), ट्रेड मैप (अन्य देशों का निर्यात)

117. नीचे दी गई तालिका भाग लेने वाले उत्पादकों द्वारा तीसरे देशों को पाटित कीमतों पर निर्यातों की मात्रा दर्शाती है:

क्र.सं.	विवरण	इकाई	बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएनबीएचडी	पीटी. पेट्रो ओक्सो नुसांतारा	ओक्वू केमिकल प्रोडक्शन जीएमबीएच
1	सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यातों की मात्रा	एमटी	***	***	***
2	सामान्य मूल्य से अधिक कीमत पर निर्यातों की मात्रा	एमटी	***	***	***
3	तीसरे देशों को कुल निर्यात	एमटी	***	***	***
4	सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यातों का %	%	66%	91%	95%
5	सामान्य मूल्य से कम कीमत पर भारत में मांग में निर्यातों का %	%	10%	75%	64%

स्रोत: ईक्वूआर

118. उपरोक्त तालिकाओं से यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से तीसरे देशों को बहुत अधिक मात्रा में निर्यात पाटित कीमतों पर हुए हैं।

अ.3.5 सतत् पाटन

119. नीचे दी गई तालिका पूर्व में की गई जांच और वर्तमान जांच के मामले में पाटन मार्जिन को दर्शाती है। यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पाटन जारी रहा है।

क्र.सं.	देश	मूल जांच में पाटन मार्जिन	वर्तमान जांच में पाटन मार्जिन
1	यूरोपीय यूनियन	25-35% और 30-40%	20-30% और 30-40%
2	इंडोनेशिया	0-10% और 10-20%	10-20%
3	कोरिया गणराज्य	0-10% और 10-20%	0-10%
4	मलेशिया	0-10% और 20-30%	0-10% और 10-20%
5	ताईवान	5-15%	10-20%
6	संयुक्त राज्य अमेरिका	15-25%	20-30%

अ.3.6 कीमत आकर्षता

120. नीचे दी गई तालिका तीसरे देशों और भारत को विषय देशों द्वारा निर्यात की मात्रा दिखाती है:

क्र.सं.	विवरण	इकाई	यूरोप	इंडोनेशिया	मलेशिया	कोरिया गणराज्य	ताईवान	यूएसए
1	भारत में कीमत से कम कीमत पर निर्यातों की मात्रा	एमटी	99019	35596	8271	14,210	2,000	22,750
2	भारत में कीमतों से अधिक कीमत पर निर्यातों की मात्रा	एमटी	23497	64336	10906	34,788	33,050	90,534
3	तीसरे देशों को कुल निर्यात	एमटी	122516	99932	19177	48,998	35,050	1,13,284
4	भारत में कीमत से कम कीमत पर निर्यातों का %	%	81%	36%	43%	29%	6%	20%
6	भारत में कीमत से कम कीमत पर भारत में मांग में निर्यातों का %	रेंज	70-80%	20-30%	0-10%	10-20%	0-10%	10-20%

स्रोत: यूरोस्टाट (यूरोप का निर्यात), ट्रेड मैप (अन्य देशों का निर्यात)

121. नीचे दी गई तालिका तीसरे देशों तथा भारत को भाग लेने वाले उत्पादकों के द्वारा निर्यातों की मात्रा दर्शाती है:

क्र.सं.	विवरण	बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएनबीएचडी	पीटी. पेट्रो ओक्सो नुसांतारा	ओक्यू केमिकल प्रोडक्शन जीएमबीएच
1	भारत में कीमत से कम	***	***	***
2	भारत में कीमत से अधिक	***	***	***
3	तीसरे देशों को कुल निर्यात	***	***	***
4	भारत में कीमत से कम कीमत पर निर्यातों का %	65%	54%	54%
5	भारत में कीमत से कम कीमत पर भारत में मांग में निर्यातों का %	35%	46%	46%

स्रोत: ईक्यूआर

122. उपर्युक्त तालिकाओं से यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से तीसरे देशों से बहुत अधिक आयात उन कीमतों पर हुए हैं जो भारत को निर्यात कीमत से कम है।

द्व.3.7 क्षतिकारक निर्यात

123. नीचे दी गई तालिका उपर्युक्त देशों से तीसरे देशों को क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर निर्यातों की मात्रा को दर्शाती है:

क्र.सं.	विवरण	इकाई	यूरोप	इंडोनेशिया	मलेशिया	कोरिया गणराज्य	ताईवान	यूएसए
1	एनआईपी से कम कीमत पर निर्यातों की मात्रा	एमटी	91387	64258	7699	17,793	7,100	30,917
2	एनआईपी से अधिक कीमत पर निर्यातों की मात्रा	एमटी	31129.3	35675	11478	31,205	27,950	82,367
3	तीसरे देशों को कुल निर्यात	एमटी	122516.3	99932	19177	48,998	35,050	1,13,284
4	भारत में कीमत से कम कीमत पर निर्यातों का %	%	75%	64%	40%	36%	20%	27%
5	भारत में कीमत से कम कीमत पर भारत में मांग में निर्यातों का %	रेंज	70-80%	50-60%	0-10%	10-20%	0-10%	20-30%

स्रोत: यूरोस्टाट (यूरोप का निर्यात), ट्रेड मैप (अन्य देशों का निर्यात)

124. नीचे दी गई तालिका भाग लेने वाले उत्पादकों द्वारा तीसरे देशों को घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के कम कीमतों पर निर्यात की मात्रा को दर्शाती है:

क्र.सं.	विवरण	बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएनबीएचडी	पीटी. पेट्रो ओक्सो नुसांतारा	ओक्वू केमिकल प्रोडक्शन जीएमबीएच
1	एनआईपी से नीचे	***	***	***
2	एनआईपी से ऊपर	***	***	***
3	तीसरे देशों को कुल निर्यात	***	***	***
4	भारत में प्रचलित कीमत से कम कीमत पर निर्यात का %	96%	91%	79%
5	भारत में प्रचलित कीमत से कम कीमत पर भारत में मांग में निर्यात का %	15%	74%	53%

स्रोत: ईक्यूआर

125. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि तीसरे देशों को बहुत अधिक मात्रा में आयात हुए हैं और वे इन कीमतों पर हुए हैं जो घरेलू उद्योग की क्षति-रहित कीमत से कम हैं। यदि शुल्क नहीं लगाए जाते हैं तब इस स्थिति में संबद्ध देशों के उत्पादक इन वस्तुओं को भारत की ओर परिवर्तित करने की कोशिश करेंगे क्योंकि भारतीय बाजार में कीमतें उनके लिए आकर्षक हैं।
126. आवेदक ने यह दावा किया है कि इसमें घरेलू उद्योग की क्षति-रहित कीमत से कम आयातों की मात्रा की गणना की है, जिसे नीचे दर्शाया गया है:

क्र.सं.	विवरण	एनआईपी से नीचे आयात(एमटी)	कुल आयात (एमटी)	एनआई से नीचे आयातों का हिस्सा
1	यूरोपीय यूनियन	4,390	13,187	33%
2	इंडोनेशिया	-	3,343	0%
3	कोरिया गणराज्य	-	4,249	0%
4	मलेशिया	7,849	14,611	54%
5	ताईवान	20	20	100%
6	यूएसए	15,462	17,350	89%
7	कुल	27,721	52,760	53%

स्रोत: डीजीसीआईएस

द्व.3.8 क्षति की वर्तमान अवधि के दौरान आयात

127. यह देखा गया है कि पाटनरोधी शुल्क के लागू रहने के बावजूद क्षति की अवधि के दौरान आयातों में वृद्धि हुई है। यद्यपि आयातों में वृद्धि भारत में बढ़ती हुई मांग और मांग तथा आपूर्ति में अंतर के कारण आसन्न थीं, एनआईपी से कम कीमत पर इन आयातों के बहुत अधिक प्रतिशत के बारे में चिंता है।

क. प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

128. प्राधिकारी ने दिनांक 25.02.2021 को मामले के आवश्यक तथ्यों को प्रकट करते हुए और सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित करते हुए एक प्रकटन विवरण जारी किया। प्रकटन पश्चात अनुरोध हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त हुए हैं। उठाए गए अधिकांश मुद्दों को पूर्व में पहले ही उठाया गया है और उनका उपयुक्त रूप से समाधान भी किया गया है। अतिरिक्त अनुरोधों की जांच नीचे दिए गए अनुसार उस सीमा तक की गई है, जिस सीमा तक उन्हें संगत माना गया है।

ज.1 घरेलू उद्योग का अनुरोध

प्रकटन विवरण स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि विचाराधीन उत्पाद का पाटन वास्तव में हुआ था और शुल्क के लागू रहने के बावजूद आयातों में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई।

129. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्व में अनेक मामलों में नकारात्मक क्षति मार्जिन के बावजूद शुल्कों के समय विस्तार की सिफारिश की है और इसे वर्तमान मामले में भी किया जाना चाहिए।
130. काफी मात्रा में नए निवेश इस उद्योग में मांग आपूर्ति के भारी अंतर को दूर करने के लिए भारत में हो रहे हैं, इसलिए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखना वर्तमान और भावी निवेशों के हितों को संरक्षित करने के लिए आवश्यक है।
131. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा अपने-अपने संबद्ध देशों में मांग और क्षमताओं के बारे में आंकड़ें नहीं रहने पर वैश्विक आधार पर दी गई सूचना पर विचार किया है। यहां यह नोट करना संगत है कि वैश्विक क्षमताएं मांग से बहुत अधिक हैं और उत्पादक हमेशा अपनी निष्क्रिय क्षमताओं का उपयोग करने के उद्देश्य से निर्यात करने के लिए बाजारों की तलाश करते हैं।
132. संबद्ध देशों से पिछले दस वर्षों के दौरान क्षमता के प्रतिशत के रूप में किए गए औसत निर्यातों का अनुपात बहुत अधिक है।
133. बहुत अधिक मात्रा में निर्यात तीसरे देशों को किए गए हैं जो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से बहुत कम हैं।
134. अन्य देशों से निर्यात भारतीय घरेलू बाजार में मांगों में बहुत अधिक भंडार को पूरा करते हैं और इस प्रकार कीमत निर्धारक के रूप में अक्सर कार्य करते हैं और इससे घरेलू उद्योग की कीमतों पर बहुत अधिक हद तक प्रभाव पड़ता है।
135. प्रयोक्ता लगाए गए शुल्कों की कठिनाई को सिद्ध करने में सक्षम नहीं हुए हैं।
136. ये दावे कि प्रयोक्ताओं और आयातकों को शुल्कों को लगाए जाने के कारण हानि हुई, आधारहीन है क्योंकि उनका वित्तीय विवरण यह दर्शाता है कि उच्चतम आयात कीमतों के कारण इस वर्ष के दौरान भी बहुत अधिक लाभ हुआ है।
137. शुल्कों को लगाने से इस उद्योग को अनुचित संरक्षण नहीं मिलता है बल्कि इसका लक्ष्य इस उद्योग से व्यापार विरूपणों को दूर करना है।
138. कच्चे माल की आपूर्ति का प्रभाव उतना अधिक नहीं है जितना कि प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है क्योंकि यदि घरेलू उद्योग इच्छित मात्राओं की खरीद भी किया होता तब इसका कार्य-निष्पादन अभी भी उसी प्रवृत्ति को दर्शाया होता, जो यह अपर्याप्त लाभ पर बेचने के लिए बाध्य हुआ होता।
139. घरेलू उद्योग के लाभ जांच के बाद की अवधि में विचाराधीन उत्पाद के स्तर में प्रभावित होना जारी रहा है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस संबंध में सही ही नोट किया है कि जांच की अवधि के बाद की अवधि में कार्य-निष्पादन कोविड-19 के कारण राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण प्रतिनिधिक नहीं है।
140. निर्दिष्ट प्राधिकारी से शुल्क के लगाए रहने के बावजूद पाटन और क्षति के मौजूद रहने को मानने तथा आगे पांच वर्षों की अवधिक के लिए उसे बढ़ाने के लिए संभावना के आधारों पर अनुरोध किया गया है।

ज.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों का अनुरोध

141. इंडोनेशिया से एनआईपी से कम आयातों का हिस्सा 0 प्रतिशत है, इस कारण से क्षति मार्जिन इंडोनेशिया से नकारात्मक है। अतः इंडोनेशिया के विरुद्ध जांच समाप्त किए जाने की आवश्यकता है।
142. लेन-देनवार आयात सूचियां प्राधिकारी द्वारा साझा नहीं की गई हैं और एक्सोटिक डेकोर प्रा. लि. और अन्य बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय में सेस्टैट के निदेश का पालन नहीं किया गया है, इस कारण से प्राधिकारी को अपने निर्णय के लिए समुचित कारण उपलब्ध कराना चाहिए।
143. टोलिंग व्यवस्था में, दोनों कंपनियों का नाम पाटन मार्जिन के संदर्भ में उत्पादक के रूप में बताए जाने की आवश्यकता है।

143. ओक्यूसी वह कंपनी है जिसके नाम पर ओक्यूसीपी टोलिंग व्यवस्था के अनुसरण में उत्पादन क्रियाकलाप कर रहा है।
144. ओक्यूसी नामतः ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच के साथ साथ ओक्यूसीपी अर्थात् ओक्यू केमिकल्स प्रोडक्शन जीएमबीएच एंड कं. केजी का नाम पाटन मार्जिन तालिका, क्षति मार्जिन तालिका तथा अंतिम शुल्क तालिका के उत्पादक कॉलम में शामिल किए जाने की आवश्यकता है।
145. यूरोपीय यूनियन के लिए अपनी याचिका में संभावना के मानदंडों का विश्लेषण करने के लिए आंकड़ों के स्रोत को प्रकटन विवरण में यूरोस्टैट आंकड़ों से बदलकर ट्रेड मैप आंकड़े कर दिया गया है और याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की सत्यता पर संदेह किया गया है।
146. आईसीआईएस रिपोर्ट पर विश्वास करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है क्योंकि यह रिपोर्ट निर्यातकों को उपलब्ध नहीं कराई गई है।
147. स्वतंत्र रूप से बिक्री योग्य क्षमताओं का निर्धारण करने के लिए, कुल उत्पादन की तुलना प्रत्येक संबद्ध देश में कुल क्षमता से अवश्य की जानी चाहिए।
148. उन संयंत्रों जो 2-ईएच का उत्पादन करते हैं, के लिए क्षमता के आंकड़े कभी-कभी बहुत अधिक हद तक ज्यादा होते हैं क्योंकि उसी क्षमता का उपयोग एन-बुटानोल के उत्पादन के लिए भी किया जाता है।
149. तीसरे देश को निर्यातों का आकलन संगत नहीं है क्योंकि भारत को अंतिम कीमत बहुत अधिक हद तक अलग हो सकती है। निरमा लिमिटेड बनाम भारत सरकार में, माननीय गुजरात उच्च न्यायालय ने इस प्रकार के आकलन की सिफारिश नहीं की थी।
150. यूरोपीय यूनियन के उत्पादक सहज रूप से अपनी बिक्री भारत की ओर कर सकते हैं। ये कीमतें सभी अन्य स्थानों के लिए भारत की कीमतों से बहुत अधिक कम हैं।
151. याचिकाकर्ता इस तथ्य पर विचार करते हुए कि कुल मिलाकर संबद्ध आयातों के कारण कटौती नकारात्मक थी, सहज रूप से अपनी बिक्री उच्चतर कीमत पर करने में सक्षम हो सकते थे।
152. सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध सूचना विशेषकर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत “ इस तिमाही तथा 31.12.2020 को समाप्त 9 महीने की अवधि के लिए लिमिटेड समीक्षा रिपोर्ट के साथ अलेखा परीक्षित वित्तीय परिणाम” के आधार पर यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता को जांच की अवधि के बाद की अवधि में कोई हानि नहीं हो रही है। इस कारण के जांच की अवधि के बाद की अवधि का विश्लेषण किए जाने की आवश्यकता है।
153. केवल यह तथ्य कि कुल बिक्री का एक हिस्सा निर्यात होता है, का आशय यह नहीं है कि पाटन और क्षति की संभावना है, निर्यातकों की क्षमता में निर्यातों का हिस्सा मलेशिया से बहुत कम है।
154. संपूर्ण रूप में एक देश का निर्यात, निर्यातक द्वारा किए गए निर्यात से कम नहीं हो सकता है। यह तथ्य तीसरे देशों को निर्यातक द्वारा किए गए निर्यात के संबंध में भ्रामक और गलत साबित होता है।
155. गलत पद्धति तीसरे देश से पाटन का विश्लेषण करने के लिए अपनायी गई है क्योंकि भारित औसत संख्या की तुलना किसी विशेष संख्या से करना हमेशा इससे कम कुछ कारोबार को और इससे अधिक कीमत पर कुछ कारोबार को दर्शाएगा।
156. प्रकटन विवरण में दी गई सूचना से यह स्पष्ट नहीं है कि निर्यातक विशिष्ट विश्लेषण करने के लिए क्या निर्यातक के वास्तविक सामान्य मूल्य पर विचार किया गया है कि नहीं।
157. कीमत आकर्षकता और क्षतिकारक निर्यात विश्लेषण करने के लिए पद्धति त्रुटिपूर्ण और भ्रामक है।
158. क्योंकि उनमें से किसी भी उत्पाद का आयात एनआईपी से कम कीमत पर नहीं किया गया था। अतः इंडोनेशिया से आयात किए गए उत्पाद के कारण कोई क्षति नहीं होगी।
159. प्राधिकारी द्वारा विचार की गई आईसीआईएस रिपोर्ट, निर्यातकों को उपलब्ध नहीं कराई गई है और निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए सत्यापन योग्य क्षमता से संबंधित आंकड़ों पर विचार नहीं किया गया है, इसके फलस्वरूप नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ है।

160. डाउनस्ट्रीम प्रयोक्ताओं से यह अपेक्षित है कि वे सामग्री का आयात करें जिससे कि मांग और आपूर्ति के अंतर पर विचार करते हुए उनके क्रियाकलापों की निरंतरता सुनिश्चित की जा सके।
161. विनिमय दर के ह्रास में आयातों को अब भारतीय आयातकों के आकर्षक नहीं बनाया है।
162. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत ने क्षति की समग्र अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत को प्रभावित नहीं किया है। कीमत में कोई क्षति नहीं हुई है और आयातों की कीमतों में गिरावट भारत में बिक्री की लागत की कीमतों में गिरावट के अनुपात में है।
163. कच्चे माल तथा घरेलू उद्योग के अंतिम उत्पाद को 7.5 प्रतिशत की दर से सीमा शुल्क संरक्षण के कारण पर्याप्त संरक्षण दिया गया है।

अ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

164. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात विवरण टिप्पणियों की जांच की है जिसमें दोहराई गई टिप्पणियां शामिल हैं, जिन्हें पहले ही इन अंतिम जांच परिणामों के संगत अनुच्छेदों में पहले ही उपयुक्त रूप से जांच की गई है और समुचित रूप से समाधान किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात टिप्पणियों/अनुरोधों में पहली बार उठाए गए मुद्दों तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए मुद्दों की जांच नीचे की गई है:
 - i. प्राधिकारी शुल्क तालिका में ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच के नाम के संबंध में चिंताओं को नोट करते हैं और उन्होंने तदनुसार शुल्क तालिका में चिंताओं पर ध्यान दिया है।
 - ii. यूरोपीय संघ के लिए संभावना मापदंडों के विश्लेषण के लिए डेटा के स्रोत के संबंध में, यह ध्यान दिया जाता है कि यह डेटा यूरोप से निर्यात के लिए यूरोस्टैट डेटा से लिया गया है, न कि ट्रेडमैप जैसा कि प्रकटीकरण वक्तव्य में उल्लेख किया गया है। इन अंतिम निष्कर्षों में आवश्यक सुधार किए गए हैं।
 - iii. प्राधिकारी ने ऐसे विश्लेषण के लिए सतत पद्धति के अनुसार कीमत आकर्षकता, तीसरे देश द्वारा पाटन और क्षतिकारक निर्यातों की जांच की है।
 - iv. प्राधिकरण, संभावित विश्लेषण पर विभिन्न इच्छुक पार्टियों की सामग्री को नोट करता है और यह मानता है कि उसने सहयोग करने वाले उत्पादकों / निर्यातकों द्वारा भारत से निर्यात देशों के निर्यात की सीमा का मूल्यांकन करने के लिए प्रदान किए गए लेनदेन वार डेटा को संदर्भित किया है, जो कि विषय देशों से निर्यात कीमतों पर विचार कर रहे हैं। भारत को निर्यात मूल्य से कम, और जो डंपिंग रोधी शुल्क की समाप्ति की स्थिति में हानिकारक हो सकता है।
167. पूर्वोक्त कार्यप्रणाली को लागू करने के बाद, निम्नलिखित आयोजित किया जाता है:

यूरोपीय संघ:

- i. ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच और ओक्यू केमिकल्स प्रोडक्शन जीएमबीएच एंड कं. केजी: पीओआई के दौरान ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच और ओक्यू केमिकल्स प्रोडक्शन जीएमबीएच एंड कं. केजी से एक्सपोर्ट होता है। डंपिंग टेबल और पूर्वगामी पैरा में चोट मार्जिन टेबल के रूप में चित्रित के रूप में डंप और गैर-क्षति होने का उल्लेख किया जाता है। हालाँकि, भारत के अलावा अन्य तीसरे देशों को निर्यात किए जाने का उल्लेख किया गया है और भारत के लिए उनके संभावित मोड़ से संकेत मिलता है कि वे हानिकारक कीमतों पर होंगे।

मलेशिया

- i. **बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएनबीएचडी:** पीओआई के दौरान बीएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएनबीएचडी से होने वाले निर्यात को डंपिंग टेबल और पूर्वगामी पैरा में क्षति मार्जिन टेबल के रूप में दर्शाया गया है। साथ ही, भारत के अलावा अन्य तीसरे देशों को निर्यात किए जाने का उल्लेख किया गया है और भारत के लिए उनके संभावित मोड़ से संकेत मिलता है कि वे हानिकारक कीमतों पर होंगे।

इंडोनेशिया:

- i. **पीटी पेट्रो ऑक्सो नुसंतारा:** पीओआई के दौरान पेट्रो ऑक्सो नुसंतारा को डंपिंग टेबल और पूर्वगामी पैरा में क्षति मार्जिन तालिकाओं के रूप में चित्रित किया गया है। साथ ही, भारत के अलावा अन्य तीसरे देशों को निर्यात किए जाने का उल्लेख किया गया है और भारत के लिए उनके संभावित मोड़ से संकेत मिलता है कि वे हानिकारक कीमतों पर होंगे।

168. प्राधिकरण का मानना है कि पूर्वोक्त विश्लेषण के मद्देनजर एंटी-डंपिंग ड्यूटी को समाप्त करने की स्थिति में डंपिंग और क्षति की संभावना है।

ट. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

169. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्य तौर पर पाटन की अनुचित व्यापार कार्य-पद्धतियों के द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति फिर से स्थापित हो सके जो देश के सामान्य हित में है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि शुल्कों के लगाने से जनहित पर प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ने जा रहा है।
170. यह मान लिया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करते हुए निर्मित उत्पाद के कीमत स्तरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और इसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा में पाटनरोधी उपाय यदि विशेषकर पाटनरोधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग की क्षति का निवारण करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित हो, के द्वारा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से पाटन कार्य-पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ को समाप्त किया जाएगा, घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट को रोका जाएगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

ठ. निष्कर्ष

171. दिए गए तर्कों, उपलब्ध कराई गई सूचना और प्राधिकारी के समक्ष किए गए अनुरोधों और उपलब्ध तथ्यों जिसे उपर्युक्त जांच परिणामों में रिकॉर्ड किया गया है, के संबंध में तथा घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना का उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि:
- संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाटन जारी रहा है और शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में इन आयातों के पाटन कीमतों पर भारतीय बाजार में होने की संभावना है।
 - यद्यपि आधार वर्ष से 2018-19 तक घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में सुधार हुआ है, पीओआई के भीतर इसके प्रदर्शन में गिरावट आई है, और इस प्रकार, विषयगत देशों से विषय वस्तुओं की डंपिंग के कारण घरेलू उद्योग कमजोर बना हुआ है। इस प्रकार, ड्यूटी समाप्त होने की स्थिति में चोट लगने की संभावना है।
 - संभावना विश्लेषण से संकेत मिलता है कि एंटी-डंपिंग ड्यूटी को समाप्त करने की स्थिति में, भारत के अलावा अन्य देशों द्वारा विषय देशों को निर्यात भारत में वापस ले जाने की संभावना है। ऐसे डायवर्टेड एक्सपोर्ट्स की महत्वपूर्ण मात्रा का भूमि मूल्य पीओआई के दौरान एनआईपी के साथ तुलना करने पर घरेलू उद्योग को चोट पहुंचाएगा।

ड. सिफारिशें

172. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच की शुरुआत की गई थी और इसे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों/प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध तथा पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना के पहलुओं पर सूचना देने के लिए समुचित अवसर दिया गया था। नियमों के तहत निर्धारित प्रावधानों के संदर्भ में डंपिंग, चोट और कारण संबंधी लिंक की जांच शुरू करने और संचालित करने के बाद, प्राधिकरण का विचार है कि विषय-वस्तुओं से संबंधित वस्तुओं पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी जारी रखना आवश्यक है।
173. इन परिस्थितियों के तहत, नामित प्राधिकारी इसे विषय देशों से आयात करने पर डंपिंग रोधी शुल्क की मौजूदा मात्रा को जारी रखने की सिफारिश करना उचित समझता है। इस प्रकार, प्राधिकरण ने मौजूदा निश्चित एंटी-डंपिंग ड्यूटी को जारी रखने की सिफारिश करने के लिए आवश्यक माना है। 10/2016-कस्टम (एडीडी) दिनांक 29-03-2016। इसलिए, नीचे दी गई ड्यूटी टेबल के कर्नल 7 में दर्शाई गई राशि के बराबर एंटी-डंपिंग ड्यूटी, केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी किए जाने वाले अधिसूचना की तारीख से लागू करने की सिफारिश की जाती है, विस्तृत रूप से विषय वस्तुओं के सभी आयातों पर। पांच साल की एक और अवधि के लिए विषय देशों से ड्यूटी टेबल के कॉलम 3 में।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उपशीर्ष अथवा प्रशुल्क मद	वस्तुओं का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	सीएच-29 29051620*	सभी रूपों और ग्रेडों में 2-इथाइल हेक्सानोल (2-ईएच)	मलेशिया	मलेशिया सहित कोई भी देश	बीएसएसएफ पेट्रोनास केमिकल्स एसडीएन. बीएचडी., मलेशिया	53.63	एमटी	यूएसडालर
2.	-वही.	-वही-	मलेशिया	मलेशिया सहित कोई भी देश	उपर्युक्त क्र. म. संख्या 1 को छोड़कर कोई भी अन्य	107.30	एमटी	यूएसडालर
3.	-वही.	-वही-	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई भी अन्य देश	मलेशिया	कोई भी	107.30	एमटी	यूएसडालर
4.	-वही.	-वही-	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	पीटी.पेट्रो ऑक्सो नुसांतारा	45.67	एमटी	यूएसडालर
5.	-वही.	-वही-	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	उपर्युक्त क्र. म. संख्या 4 को छोड़कर कोई भी	127.82	एमटी	यूएसडालर
6.	-वही.	-वही-	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई भी अन्य देश	इंडोनेशिया	कोई भी	127.82	एमटी	यूएसडालर
7	-वही.	-वही-	यूरोपीय यूनियन	यूरोपीय यूनियन सहित कोई भी देश	(i) ओक्यू केमिकल्स प्रोडक्शन जीएमबीएच. एंड कं. केजी, जर्मनी (ii) ओक्यू केमिकल्स जीएमबीएच, जर्मनी	45.47	एमटी	यूएसडालर
8	-वही.	-वही-	यूरोपीय यूनियन	यूरोपीय यूनियन सहित कोई भी देश	उपर्युक्त क्र. म. संख्या 7 को छोड़कर कोई भी	113.47	एमटी	यूएसडालर
9	-वही.	-वही-	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई भी अन्य देश	यूरोपियन यूनियन	कोई भी	113.47	एमटी	यूएसडालर

क्र.सं.	उपशीर्ष अथवा प्रशुल्क मद	वस्तुओं का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
10	-वही.	-वही-	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	कोई भी	15.55	एमटी	यूएसडालर
11	-वही.	-वही-	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई भी अन्य देश	कोरिया गणराज्य	कोई भी	15.55	एमटी	यूएसडालर
12	-वही.	-वही-	ताईवान	ताईवान सहित कोई भी देश	कोई भी	42.45	एमटी	यूएसडालर
13	-वही.	-वही-	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई भी अन्य देश	ताईवान	कोई भी	42.45	एमटी	यूएसडालर
14	-वही.	-वही-	यूएसए	यूएसए सहित कोई भी देश	कोई भी	29.61	एमटी	यूएसडालर
15	-वही.	-वही-	संबद्ध देशों को छोड़कर कोई भी अन्य देश	यूएसए	कोई भी	29.61	एमटी	यूएसडालर

174. इस अधिसूचना के उद्देश्य से आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा यथा-निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा तथा इसमें समय समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 88, 9 और 9क के अंतर्गत शुल्कों को छोड़कर सभी सीमा शुल्क शामिल हैं।

ढ. आगे की प्रक्रिया

175. इन परिणामों को केन्द्र सरकार द्वारा इसे स्वीकार किए जाने के बाद इसके विरुद्ध अपील 1995 में यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 और सीमा प्रशुल्क नियमावली, 1995 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

अनंत स्वरूप, संयुक्त सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION

FINAL FINDINGS

New Delhi, the 8th March, 2021

Case No. AD-SSR-12/2020

Subject: Sunset review investigation concerning imports of 2-Ethyl Hexanol Originating in or exported from European Union, Indonesia, Korea RP, Malaysia, Taiwan and United States of America.

F. No. 7/28/2020 – DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the 'Act') and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as 'the Rules' or 'AD Rules') thereof;

A BACKGROUND OF THE CASE

1. M/s The Andhra Petrochemicals Limited (hereinafter also referred to as the “Applicant”) had filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the “Authority”), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the “Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred as the Rules) for sunset review of anti-dumping investigation concerning the imports of 2-Ethyl Hexanol (hereinafter referred as the “subject goods” or “product under consideration” or “PUC”), originating in or exported from European Union, Indonesia, Korea RP, Malaysia, Taiwan and United States of America (hereinafter referred to as the “subject countries”).
2. The Applicant has alleged likelihood of continuation or recurrence of dumping of subject goods, originating in or exported from the subject countries and consequent injury to the domestic industry and has requested for review and continuation of the anti-dumping duty imposed on the imports of subject goods, originating in or exported from the subject countries.
3. Section 9A(5) of the Act, inter alia, provides that anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition and the Authority is required to review whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In accordance with the above, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
4. Rule 23(1B) of the Rules provides as follows:
“...any definitive anti-dumping duty levied under the Act shall be effective for a period not exceeding five years from the date of its imposition, unless the Designated Authority comes to a conclusion, on a review initiated before that period on its own initiative or upon a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry within a reasonable period of time prior to the expiry of that period, that the expiry of the said anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.”
5. Based on the substantiated application with prima facie evidence of likelihood of dumping and injury filed on behalf of the domestic industry in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority initiated the sunset review investigation vide Notification No. 7/28/2020-DGTR (AD-SSR No. 12/2020) dated 28th August, 2020 and to examine whether the expiry of the said duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry and whether there is a need for continued imposition of antidumping duty in respect of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

6. Earlier, the Authority initiated an antidumping investigation in respect of imports of 2-Ethyl Hexanol from European Union, Indonesia, Korea RP, Malaysia, Taiwan, and United States of America on 20th November, 2014 and after conducting the investigation recommended imposition of definite duty vide Final Findings Notification No. 14/24/2014-DGAD dated 18th February, 2016. On the basis of recommendations made by the Authority in the final findings, definitive anti-dumping duty was imposed by the Central Government vide Notification No. 10/2016-Customs (ADD) dated 29th March 2016.

B PROCEDURE

7. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
- i. The Authority issued a Notification dated 28th August, 2020, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating investigation concerning imports of the subject goods from the subject countries.
 - ii. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassy of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 30 days of the initiation notification in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules. The time limit to file information was extended first upto 18th October 2020 and then upto 8th November 2020.
 - iii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters, known importers and to the embassy of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules.
 - iv. The Embassy of the subject countries in India were also requested to advise the exporters/producers from the subject countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject countries.
 - v. The Authority sent exporter's questionnaire to the following known producers/ exporters in the subject countries, whose details were made available by the applicants, to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. M/s Oxea GmbH, Germany.
 - b. M/s Grupa Azoty Kędzierzyn, Poland.
 - c. M/s Exxonmobil Chemical Holland BV, Netherlands.
 - d. M/s Oltchim S.A., Romania.
 - e. M/s Perstorp Oxo AB, Sweden.
 - f. M/s Zak S.A UL, Poland.
 - g. M/s BASF Lampertheim GmbH, Germany.
 - h. M/s Celanese Chemicals Europe GmbH, Germany
 - i. M/s Arkema S.A, France
 - j. M/s INEOS Oxide (Oxochemie), Belgium
 - k. M/s PT Petro Oxo Nusantara, Indonesia
 - l. M/s Petro Oxo Nusantara (Pon), Indonesia
 - m. M/s Hyundai Corporation, Korea RP
 - n. M/s LG Chem Ltd, Korea RP
 - o. M/s BASF Petronas Chemicals Sdn Bhd, Malaysia
 - p. M/s Hanwha Chemical

- q. M/s Formosa Plastic Group, Taiwan
- r. M/s Nan Ya Plastics Corporation, Taiwan
- s. M/s Eastman Chemical Co. USA
- t. M/s Dow Chemicals, USA
- u. M/s Vinmar International Ltd., USA
- v. M/s ICC Chemical Corporation, USA
- vi. The following producers/exporters from the subject countries have filed exporter's questionnaire response: -
 - a. M/s OQ Chemicals Produktion GmbH & Co. KG, Germany
 - b. M/s OQ Chemicals GmbH, Germany
 - c. M/s ICC Chemical Corporation, USA
 - d. M/s Vinmar International Ltd., USA
 - e. M/s Pt. Petro Oxo Nusantara, Indonesia
 - f. M/s BASF PETRONAS Chemicals Sdn. Bhd., Malaysia
- vii. The Authority forwarded a copy of the Initiation Notification to the following known importers/users/user associations, whose names and addresses were made available to the authority, of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):
 - a. M/s PCL Oil & Solvents Limited
 - b. M/s Amar Industrial Services
 - c. M/s Payal Polyplast Private Limited
 - d. M/s Deepak Nitrite Limited
 - e. M/s Rachana Plasticizers
 - f. M/s Petchem Products
 - g. M/s. KLJ Plasticizers Limited
 - h. M/s Nicholas Pigments & Inks
 - i. M/s Mody Enterprises Private Limited
 - j. M/s Bansal Trading Company
 - k. M/s Nitin Dye Chem Private Limited
 - l. M/s Premier Enterprises
 - m. M/s R. K. Trading Company
 - n. M/s C & E Limited
 - o. M/s C J Shah & Company
 - p. M/s Agsar Paints Private Limited
 - q. M/s Lalitha Chem Industries Private Limited
 - r. M/s Srivatsa Industries Limited
 - s. M/s Raghunath Dye Chem Private Limited
 - t. M/s Amar Industrial Services

- u. M/s Indian Additives Limited
- v. M/s Jagadamba Chemicals
- w. M/s Petrochem Middle East Private Limited
- x. M/s Merck Limited
- y. M/s Rhino Resins Private Limited
- z. M/s Right Minerals Private Limited
- aa. M/s Amar Industries Limited
- bb. M/s Indocem Private Limited
- cc. M/s Kerox Chemicals Private Limited
- dd. M/s Kasturi Resins and Synthetics
- ee. M/s Annexe Chemicals Private Limited
- ff. M/s Indian Institute of Chemical Technology
- gg. M/s Agarwal Sales Corporation
- hh. M/s C A G Industries
- ii. M/s Galaxy Surfactants Limited
- jj. M/s Jeevika Spakchem Private Limited
- kk. M/s Troix Chemicals Private Limited
- ll. M/s Shalimar Paints Limited
- mm. M/s Naq Global (India)
- nn. M/s Spectra Coats
- oo. M/s Sannidhi Chemical Industries
- pp. M/s Neelam Aqua & Speciality Chem Private Limited
- qq. M/s Associated Dyestuff Private Limited
- rr. M/s Maha Bhawani Chemicals
- ss. M/s Laxminarain Vishambharnath
- tt. M/s Meghaarika International Private Limited
- uu. M/s Pasuparthi Polymers Private Limited
- vv. M/s Meghmani Dyes and Intermediates Limited
- ww. M/s Ushodaya Paints Private Limited
- xx. M/s Salicylates & Chemicals Private Limited
- viii. The following importers or consumers of the product have filed the importer's questionnaire response in the prescribed format:
 - a. M/s Overseas Polymers Private Limited
 - b. M/s Deepak Nitrite Limited
 - c. M/s BASF India Limited
 - d. M/s KLJ Plasticizers Limited
 - e. M/s Payal Polyplast Private Limited
 - f. Indian Plasticizers Manufacturers Association

- ix. Alkyl Amines Limited also filed preliminary submissions in response to the initiation notification.
- x. Taiwan Economic and Cultural Centre, Taiwan, Government of Indonesia and Government of Malaysia have filed their post-hearing submissions.
- xi. Exporters, foreigner producers and other interested parties who have not responded to the Authority, or not supplied information relevant to this investigation, are treated as non-cooperating interested parties.
- xii. The Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xiii. The interested parties were asked to share the non-confidential version of the responses, submissions and evidence presented by them with the other interested parties.
- xiv. The period of investigation for the purpose of the present investigation has been considered from April, 2019 to March, 2020 (POI). The injury investigation period has been considered as the period from April 2016 to March 2017, April 2017 to March 2018 and April 2018 to March 2019 and period of investigation.
- xv. Additional/supplementary information was sought from the applicants and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
- xvi. The Non-injurious Price (NIP) is based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the AD Rules. It has been worked out so as to ascertain whether duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xvii. Information obtained from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) on transaction-wise import data for the past three years, and the period of investigation has been adopted for determination of volume and value of imports of product concerned in India.
- xviii. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in the oral hearing held on 21st December 2020 which was attended by various parties. Further, a 2nd oral hearing was held on 11th February 2021 in view of change in the Designated Authority, in the light of the decision of the Hon'ble Supreme Court in the matter of Automotive Tyres Manufacturer Association vs Designated Authority. The oral hearing was held through video conferencing in view of the special circumstances arising out of the COVID- 19 pandemic. All the parties who presented their views in the oral hearing were requested to file written submissions of these views, in order to enable opposing interested parties to file rejoinders thereafter.
- xix. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 25.02.2021 and the interested parties were allowed time upto 03.03.2021 to comment on the same. The comments on Disclosure Statement received from the interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings.
- xx. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded this Final Findings on the basis of the facts available.
- xxi. *** in this Final Findings Notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxii. The exchange rate adopted by the Authority during the POI for the subject investigations is 1 US\$= Rs. 71.65

C SCOPE OF PRODUCT UNDER CONSIDERATION (PUC) AND LIKE ARTICLE

8. The product under consideration in this investigation is 2-Ethyl Hexanol. 2-Ethyl Hexanol (abbreviated as '2-EH') is a basic organic chemical. It is a fatty alcohol, clear, mobile, neutral liquid with a characteristic odour. 2-EH is produced on a massive scale for use in numerous applications such as solvents, flavours, and fragrances and especially as a precursor for production of other chemicals such as emollients and plasticizers. Main application of 2-Ethyl Hexanol is as a feed stock in the manufacture of low volatility esters; the most important of it is Di-(2Ethyl hexyl) Phthalate (DOP or DEHP). The product under consideration is classified under Customs Tariff Heading No. 29051620. However, the said Customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

C.1 Submissions of the domestic industry

9. The domestic industry has submitted as follows with regard to product under consideration and like article:
- Since the present investigation is a sunset review investigation, the scope of product under consideration remains the same as in the original investigation.
 - The domestic industry is producing a like article to product under consideration.

C.2 Submissions of other interested parties

10. The other interested parties have not made any submissions with regard to product under consideration and like article.

C.3 Examination by Authority

11. The product under consideration in the original investigation as well as in the present sunset review is 2-Ethyl Hexanol. In the previous investigation, the product under consideration was defined as under. The Authority has considered the same scope of the product under consideration for the present purposes:

The product under consideration in this investigation is "2-Ethyl Hexanol". 2-Ethyl Hexanol (abbreviated as '2-EH') is a basic organic chemical. It is a fatty alcohol, clear, mobile, neutral liquid with a characteristic odour. 2-EH is produced on a massive scale for use in numerous applications such as solvents, flavours, and fragrances and especially as a precursor for production of other chemicals such as emollients and plasticizers. Main application of 2-Ethyl Hexanol is as a feed stock in the manufacture of low volatility esters; the most important of it is Di-(2Ethyl hexyl) Phthalate (DOP or DEHP). The product under consideration is classified under Customs Tariff Heading No. 29051620. However, the said Customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

12. The subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. In view of the same, the product under consideration produced by the domestic industry is treated as like article to the product under consideration imported from subject countries.

D SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

13. Rule 2(b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term, 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers."

D.1 Submissions of domestic industry

14. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to standing and scope of the domestic industry:
- i. Applicant is the sole producer in India.
 - ii. Applicant has not imported the subject goods and is not related, either directly or indirectly, to any exporter in the subject countries or any importer of the dumped article.
 - iii. Application satisfies the requirement of the rules.

D.2 Submissions of other interested parties

15. The other interested parties have not made any submissions with regard to domestic industry and its standing.

D.3 Examination by the Authority

16. The present application has been filed by M/s The Andhra Petrochemicals Limited. Applicant is the sole producer in India and has provided relevant information as per the prescribed format. The applicant is eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules. The application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.

E MISCELLEANOUS SUBMISSION**E.1 Submissions of domestic industry**

17. Following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry:
- i. Response filed by participating producers fail to comply with requirements laid down by the Authority with regard to confidentiality. Response to most of the questions in questionnaire have been claimed completely confidential with no meaningful summary provided.
 - ii. Respondents have failed to comply with the requirements of the Trade Notice 10/2018 dated 7th September 2018.
 - iii. BASF Petronas Chemicals Sdn. Bhd, has claimed list of products manufactured and list of shareholders as confidential but both are available in public domain.
 - iv. M/s Hyundai Corporation, and M/s LG Chem Ltd, Korea RP had participated in the original investigation but failed to respond in the review investigation and therefore should be treated as non-cooperating.
 - v. BPCL Kochi, Saudi Aramco and Abu Dhabi National Oil Co., Reliance Industries Limited, BASF SE along with Adani and Indian Oil Corporation are all setting up plants in India for the production of subject goods. This will ensure that demand of the subject goods is met by the domestic industry.
 - vi. Information with respect to capacities in the other countries was obtained from a third party and applicant was not authorized to disclose.
 - vii. Mere fact that importers are forced to pay duties is not a sufficient justification to not protect the domestic market from the dumped imports.
 - viii. Domestic industry has provided detailed justification for every information claimed confidential and it is the respondents who have not provided proper justification.
 - ix. All the economic parameters considered by Authority for the purpose of arriving at the determination of injury have been provided in compliance with trade notice 10/2018 dated 7th September 2018. Interested parties should establish prejudice caused on non-disclosure of other parameters.
 - x. Domestic industry has fulfilled the obligation of providing import data in manner stated in Trade Notice 07/2018. The interested parties are free to obtain data from DGCI&S.

- xi. The importers have not provided details of information which are inadequate for the purpose of investigation and has made blatant statements.
- xii. The request of users to demand duty on the basis of quota has no basis.
- xiii. On the request to recommend duty on trigger price basis, prices of propylene and naphtha have fluctuated violently and imposition of duty on trigger price basis will not serve the purpose for both domestic industry and the users.
- xiv. There is no information on record to show that antidumping duty imposed earlier has had any adverse effect on the consumers. None of the users' questionnaire response will show adverse effects. User industry has not established how it has been affected due to imposition of anti-dumping duties.
- xv. Anti-dumping duty is not a protection to the industry, but rather a means of addressing unfair pricing to establish a level playing field.
- xvi. On the submission that price in journals cannot form basis of normal value, the CESTAT decision on the issue is for consideration of them under Rule 6(8) for issuance of final finding. It does not bar domestic industry to rely on them for initiation only. Normal value for participating producers will be anyways be determined based on their data.
- xvii. Reference to sunset review of Dry Cell Batteries investigation by the other interested parties for injury analysis is misstated and the Authority can compare volume of imports and facts between both the investigations.
- xviii. As against alleged that imposition of duties will increase the cost of diesel. Duties have been in force for around 5 years and there is no merit in argument that extension of duties will increase the cost.

E.2 Submissions of other interested parties

18. The other interested parties have made following miscellaneous submissions.

- i. Information with respect to the capacities in subject countries, evidence of capacity expansion in subject countries and Eurostat and Trademap data have been kept confidential by the domestic industry.
- ii. Applicant has claimed excessive confidentiality with respect to production and sales, sales realization in Format H, information in Format L and likelihood of injury.
- iii. A mere statement by the applicant that summarization is not possible cannot fulfil legal requirement under Rule 7(2). It is required to show why such summarization is not possible. Justification table indicating reasons of confidentiality is not as per the requirements of trade notice. In response to Section VI domestic industry has not furnished any information at all.
- iv. Hon'ble Supreme Court in *Sterlite Industries Ltd. vs Designated Authority* held that Authority is required to evaluate the claims of confidentiality. Similar decision was held in case of Hon'ble CESTAT in *HR Johnson* case.
- v. Domestic industry has not provided information with respect to inventory as number of days of production, sales, research and development expense, funds raised, amortization, NIP and average industry norms. Information with respect to capacity, production, demand, sales and market share is available in public sources but claimed confidential. Capacity and demand were disclosed in the original finding but has been yet claimed confidential.
- vi. There is significant demand and supply gap in India and the importers are forced to pay duties despite there being no other option to source.
- vii. Domestic industry has not made available DGCI&S data. As per *Exotic Décor Pvt. Ltd. and Ors. v. Designated Authority*, DGTR has to make available import data in same form and manner in which it was taken on record.
- viii. Application fails to meet standards of accurate and adequate disclosure. Initiation is erroneous and investigation should be terminated. Evidence provided in application are inadequate for fair and accurate analysis of dumping, injury and causal link.

- ix. Duty can be imposed in the form of fixed quota or upto a level of injury margin. Further, affixing duty in form of trigger price or variable basis will ensure that domestic industry does not extract any unfair gain and user industry is not overburdened by cost of duties.
- x. Imposition of anti-dumping duty will support sole Indian producer but will make subject goods uneconomical and burdensome for end users.
- xi. Continued imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods will lead to increase in imports of plasticizers and will also adversely impact the end users who are not afforded adequate protection from imports.
- xii. Information provided by domestic industry is insufficient to justify initiation of an investigation. Not all evidence can justify the initiation of an investigation, the evidence presented must be of an adequate quality to constitute “sufficient evidence”.
- xiii. There is no requirement for compulsory initiation of sunset review and the present application fails to show any positive evidence to support initiation and it does not meet the requirements laid down under law.
- xiv. As held by CESTAT in Secretary (Revenue) GOI vs. Dyestuffs Manufacturers Association of India, Authority cannot rely on prices published in trade journals of the purpose of determination of normal value.
- xv. Authority has noted in sunset review of Dry Cell Batteries that it is endeavour of Authority not to continue duty beyond a period of 10 years except in cases where it feels that anti-dumping duty is absolutely necessary.
- xvi. Product is used in producing diesel and extension of duties will lead to increase in cost.

E.3 Examination by the Authority

- 19. Submissions made by the domestic industry and other interested parties with regard to confidentiality, to the extent considered relevant, were examined by the Authority and addressed accordingly. The Authority notes that the information provided by all the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. All interested parties have claimed their business-related sensitive information as confidential.
- 20. The Authority notes that domestic industry and other interested parties have provided non-confidential version of all the information that is relevant for the purpose of present investigation.
- 21. On the submission by other interested parties on excel file of transaction wise import listing not shared, the Authority notes that Trade Notice 07/2018 dated 15th March 2018 provides that the sorted imports as relied by the domestic industry can be obtained in hard copy. Additionally, interested parties can seek Authorization from Authority to seek raw import data from DGCI&S. The scan version of the import data as relied on by the applicant was made available to the interested parties.
- 22. On the submission that there is a demand and supply gap in India which is the reason for increase in imports, the Authority notes that the ground for seeking extension of antidumping duty is not import per se, but the price at which import has been made and its effect on the domestic industry in respect of its parameters such as selling price, profits, cash profits and return on investment. Imposition of anti-dumping duty provides a level playing field and does not prevent fair competition in the market.
- 23. The Authority notes that the current investigation was initiated on the basis of sufficient prima facie evidence submitted by the applicant. Therefore, the claim that the application does not satisfy the requirement of the law is incorrect.
- 24. The interested parties have claimed that the extension of duties will have an adverse impact on the downstream industry. However, the interested parties have not provided any calculations or evidence to support the submission and show adverse impact.

25. As regards the contention of the parties about the form of duty, the Authority notes that as per the Rules, the mandate of the Authority is to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry. The Authority has determined the form of duty after evaluating all facts relevant for the present investigation.

F DETERMINATION OF NORAML VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

F.1 Normal Value

26. Under Section 9A (1)(c) of the Act, normal value in relation to an article means:

- i. the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting countries or territory as determined in accordance both the rules made under sub-section (6); or*
- ii. When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting countries or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting countries or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*
 - a. comparable representative price of the like article when exported from the exporting countries or territory or an appropriate third countries as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - b. the cost of production of the said article in the countries of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a countries other than the countries of origin and where the article has been merely transhipped through the countries of export or such article is not produced in the countries of export or there is no comparable price in the countries of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the countries of origin.

F.2 Submissions of domestic industry

27. The submissions made by the domestic industry with regard to normal value, export price and dumping margin are as follows: -
- i. Prices of producers are confidential information and hence are not available in the public domain.*
 - ii. Significant variation in the export prices from the subject countries to different countries makes the export prices unreliable.*
 - iii. Producers in the subject countries are dumping production in global market and exports are not reliable and may not be a true reflective of the normal value.*
 - iv. Normal value can be derived on the basis of estimates of cost of production.*
 - v. Claims of dumping margin from Korea RP, Taiwan and United States of America are unchallenged as there are no responses.*
 - vi. Continued dumping when duties are imposed shows likelihood of continuation of dumping in event of cessation of anti-dumping duty.*
 - vii. All three participating producers either procure raw material from their related party or produce it captively. Authority may ensure transfer of raw material is recorded at fair market price in determining the cost of production of the product under consideration while conducting the ordinary course of trade test.*
 - viii. Producers in the subject countries are exporting their product to third countries at dumped prices.*

F.3 Submissions of other interested parties

28. The submissions made by the other interested parties with regard to normal value, export price and dumping margin are as follows: -
- i. Contention of domestic industry that exporter should establish there is no likelihood of continued dumping is deprived of merit.
 - ii. It cannot be stated that the subject countries are dumping in other countries unless export price in other countries is compared with normal value in said exporting country.
 - iii. Domestic industry has resorted to zeroing by only relying on exports which are allegedly dumping. Such an approach is contrary to WTO principles as per panel in EC- Bed linen and US-Zeroing (EC) case.

F.4 Examination by Authority

29. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers/exporters from the subject countries have filed exporter's questionnaire response: -
- a. M/s OQ Chemicals Produktion GmbH & Co. KG, Germany
 - b. M/s OQ Chemicals GmbH, Germany
 - c. M/s ICC Chemical Corporation, USA
 - d. M/s Vinmar International Ltd., USA
 - e. M/s Pt. Petro Oxo Nusantara, Indonesia
 - f. M/s BASF PETRONAS Chemicals Sdn. Bhd., Malaysia

F.4.1 Normal value and export price determination for European Union**M/s OQ Chemicals GmbH, Germany****Normal Value**

30. Two companies have participated from the European Union, i.e., and OQ Chemicals Produktion GmbH & Co. KG ("OQCP") and OQ Chemicals GmbH ("OQC"). During the POI, OQC and OQCP operated pursuant to a tolling arrangement between the two companies, pursuant to which OQCP produced the goods as a toller for OQC. OQC remained the owner of the goods produced, while OQCP performed the activity of production in exchange for a tolling fee. OQC sold PUC directly in the domestic market and the domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India.
31. The Authority notes that OQC participated in the original investigation as Oxea GmbH. OQC changed its name to OQ Chemicals GmbH i.e. OQC on 11 May 2020 on account of rebranding of the former Oxea Group Companies under the OQ Group name and logo. Also, OQCP was previously known as Oxea Produktion GmbH & Co and its name change came into effect on 8 May 2020.
32. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. The Authority has considered profitable sales made in the domestic market for the determination of the normal value.
33. OQC has claimed adjustments on account of credit note, debit note, handling charges, LC discounting charges, bank charges, credit cost and inland freight. The Authority has accepted all the adjustments claimed. The normal value at ex-factory level for OQ Chemicals GmbH has been determined accordingly, and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export price

34. The Authority notes that OQC has exported to Indian customers during the POI a quantity of *** MT through its traders, ICC Chemical Corporation, Vinmar International Limited and Tauber Petrochemical Co. ICC Chemical Corporation and Tauber Petrochemical Co sold the PUC purchased from OQC to unaffiliated customers in India, whereas Vinmar International Limited sold the PUC purchased from OQC to unaffiliated customers in India as well as an affiliated importer, Overseas Polymers Ltd, who in turn sold the PUC to unaffiliated customers in India.
35. OQC along with its exporters / traders, ICC Chemical Corporation, Vinmar International Limited and Overseas Polymers Private Ltd have filed their questionnaire responses. The PUC exported to India by OQC through cooperating exporters / traders constitutes more than 90 % of the total sales made to India.
36. Accordingly, the total quantity reported by OQC and its traders has been adopted by the Authority for determining the dumping and injury margin.
37. The Authority, while calculating the export price for the producer has considered verified actual data of OQC as well as cooperating traders shipped to India. OQC has claimed adjustment on account of surveyor cost, handling charge, demurrage and detention charges, inland freight, storage cost, bank charge and credit cost and the same have been allowed.
38. Accordingly, the export price for OQC has been determined based on the weighted average export price of all exports' channels to India for which information has been provided.

i. Other producers

39. The normal values and export price for all other non-cooperating producers and exporters of European Union is determined as per facts available considering the data provided by cooperating producer and is same is mentioned in the dumping margin table below.

F.4.2 Normal value and export price determination for Indonesia**i. PT. Petro Oxo Nusantara, Indonesia**

40. M/s P. T. Petro Oxo Nusantara (PT PON), a public sector joint venture in Indonesia and sole producer of the subject goods in Indonesia. The respondent has a related importer in India, M/s BASF India Limited, which has filed importer questionnaire response.

Normal value

41. During the POI, PT Petro Oxo Nusantara, Indonesia has sold *** MT of the subject goods for *** US\$ in the domestic market to related and unrelated parties. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. The Authority noted that if profit making transactions are more than 80%, all transactions in the domestic sales are being considered for the determination of normal value and in cases profit making transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are being taken into consideration for the determination of the normal value. With regard to PT Petro Oxo Nusantara, Indonesia, since the profit-making sales are below 80%, the Authority has considered only profit-making sales to determine the normal value. PT Petro Oxo Nusantara, Indonesia, has claimed no adjustment as goods are sold in domestic market on ex-work. Accordingly, normal value at ex-factory level for PT Petro Oxo Nusantara, Indonesia, has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export price

42. PT Petro Oxo Nusantara, who is a producer and exporter of the subject goods in Indonesia, has filed questionnaire response. During the POI, PT Petro Oxo Nusantara exported *** MT of the subject goods for *** US\$ to India directly. PT Petro Oxo Nusantara, Indonesia, has claimed adjustment on accounts of ocean freight, insurance, port and other related expenses, credit cost, bank charges and the same have been allowed by the authority. Accordingly, the ex-factory export price for PT Petro Oxo Nusantara, Indonesia, has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

ii. Other producers

43. The normal values and export price for all other non-cooperating producers and exporters of Indonesia is determined as per facts available considering the data provided by cooperating producer and same is mentioned in the dumping margin table below.

F.4.3 Normal value and export price determination for Malaysia**i. BASF Petronas Chemicals Sdn Bhd, Malaysia**

44. BASF Petronas Chemicals Sdn Bhd, Malaysia (BPC) is a Malaysian based joint venture between BASF SE, Germany and Petrolam National Berhad (Petronas), Malaysia, under its subsidiary Petronas Chemicals Group (PCG). The producer is the sole producer of subject goods in Malaysia.

Normal value

45. Based on the information furnished in the EQ responses, the Authority notes that BASF PETRONAS Chemicals Sdn. Bhd. (hereinafter referred to as “BASF / Exporter”) is a producer of the subject goods. The exporter has directly sold the subject goods in the domestic market as well as Indian market. The exporter has exported the subject goods in the Indian market to its related company namely BASF India Ltd, which has also filed the questionnaire response.
46. BASF has sold *** MT of the subject goods in the domestic market during the POI whereas, it has exported *** MT of the subject goods to India. The Authority has examined whether their sales are under ordinary course of trade in terms of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. The exporter has provided transaction wise details of sales made in home market. The same has been accepted by the Authority after examination and relied upon to determine the selling price of the subject goods sold in the home market. For the determination of the ordinary course of trade test, the cost of production of the product concerned was examined with reference to the records maintained by the producer/exporter.
47. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the cost of production determined by the Authority of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade or not. In order to determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. In case profit-making transactions are more than 80% then the Authority considers all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value. Where the profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are taken into consideration for the determination of normal value. Based on the ordinary course of trade test, all domestic sales have been taken into account for determination of normal value, since all sales were profitable. The producer has claimed insurance, inland freight, packing cost, credit cost and bank charges as post factory expenses, and the same has been accepted by the Authority. The normal value determined as above is mentioned in the dumping margin table.

Export price

48. It is noted that BASF exported *** MT of the subject goods to India during the POI. The Authority has verified the responses of exporter and BASF India Ltd. The same are found to be in order.
49. For arriving at the ex-factory export price, the Authority has considered the expenses incurred by the exporter. Accordingly, adjustments on account of bank charges, ocean freight, packing, insurance and credit cost have been adjusted from the invoice price. Accordingly, the ex-factory export price is calculated and mentioned in the dumping margin table.

ii. Other producers

50. The normal value and export price for all other non-cooperating producers and exporters of Malaysia is determined as per facts available considering the data provided by cooperating producer and same is mentioned in the dumping margin table below.

F.4.4 Normal value and export price determination for Korea RP

51. None of the producers / exporters from Korea RP have participated in the investigation. Accordingly, the normal value has been determined on the basis of facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The Authority proposes to determine normal value on the basis of best estimates of cost of production of the subject goods, duly adjusted for selling, general & administrative expenses, with the addition of reasonable profit margin @ 5%. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.
52. Export price has been determined on the basis of facts available. For the purpose, information provided by the DGCIS is considered. Further, price adjustments have been carried out on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, bank charges, port expenses and commission on the basis of facts available. The ex-factory export price so determined is mentioned in the dumping margin table.

F.4.5 Normal value and export price determination for Taiwan

53. None of the producers / exporters from Taiwan have participated in the investigation. Accordingly, the normal value is determined on the basis of facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The Authority proposes to determine normal value on the basis of best estimates of cost of production of the subject goods, duly adjusted for selling, general & administrative expenses, with the addition of reasonable profit margin @ 5%. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.
54. Export price has been determined on the basis of facts available. For the purpose, information provided by the DGCIS is considered. Further, price adjustments have been carried out on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, bank charges, port expenses and commission on the basis of facts available. The ex-factory export price so determined is mentioned in the dumping margin table.

F.4.6 Normal value and export price for United States of America

55. None of the producers / exporters from United States of America have participated in the investigation. Accordingly, the normal value is determined on the basis of facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The Authority has determined normal value on the basis of best estimates of cost of production of the subject goods, duly adjusted for selling, general & administrative expenses, with the addition of reasonable profit margin @ 5%. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.
56. Export price has been determined on the basis of facts available. For the purpose, information provided by the DGCIS is considered. Further, price adjustments have been carried out on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, bank charges, port expenses and commission on the basis of facts available. The ex-factory export price so determined is mentioned in the dumping margin table.

F.4.7 Calculation of dumping margin

57. The normal value, ex-factory export price and dumping margin determined in the present investigation for all the subject countries are as follows: -

SN	Particulars	Normal Value (USD/MT)	Export price (USD/MT)	Dumping margin (USD/MT)	Dumping margin - %	Dumping margin - range
1	European Union					
a	OQ Chemicals Produktion GmbH & Co. KG ("OQCP") and OQ Chemicals GmbH ("OQC")	***	***	***	***	20-30
b	Any other	***	***	***	***	30-40

2	Indonesia					
a	PT. Petro Oxo Nusantara	***	***	***	***	10-20
b	Any other	***	***	***	***	10-20
3	Malaysia					
a	BASF Petronas Chemicals Sdn Bhd,	***	***	***	***	0-10
b	Any other	***	***	***	***	10-20
4	Korea RP	***	***	***	***	0-10
5	Taiwan	***	***	***	***	10-20
6	United States of America	***	***	***	***	20-30

58. It is seen that the dumping margin is positive in respect of all the three participating producers. Further, dumping margin is positive in respect of other subject countries as well.

G METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

59. Rule 11 of the Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "*.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...*". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
60. Rule 23 of the Rules provides that the provisions of Rule 6,7,8,9,10,11,16,18, 19 and 20 shall apply mutatis mutandis in case of a review. The Authority in its examination has evaluated the injury parameters which are required under Rule 11 and Annexure II of the Rules and has also examined as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

G.1 Submissions of domestic industry

61. The submissions of the domestic industry with regard to injury and causal link are reproduced herein below:
- Demand has constantly increased over the injury period with marginal decline in 2018-19.
 - Imports have increased significantly in absolute terms as well as in relation to production and consumption in the period of investigation.
 - Negative price undercutting. Authority noted in original investigation that negative price undercutting is not relevant if there is price suppression or depression. Price undercutting is positive in some months and negative in others.
 - Imports have depressed the prices of the domestic industry.
 - Fall in domestic sales due to sharp fall in the landed price of the imports and as a result, the production and consequently capacity utilization has also declined.
 - Market share has decreased sharply in the proposed period of investigation whereas with the increase in the volume of the imports from the subject countries, their share has increased significantly.
 - Profitability of domestic industry improved till 2018-19, declined significantly in the period of investigation.

- viii. Cash profits and return on capital employed have reduced significantly.
- ix. Inventory with the domestic industry has more than doubled in the period of investigation as compared to the 2018-19.
- x. Negative growth in all the parameters in period of investigation.
- xi. It was held by CESTAT tribunal in Kothari Sugars & Chemicals Limited v. Designated Authority that if the volume of imports at a particular price level is sufficient enough to have adverse impact on domestic selling prices, the same should only be taken into account and given due weightage in the analysis. Decision of CESTAT was challenged by authority before Supreme Court and was not reversed.
- xii. In a situation of demand and supply gap at present imports are bound to happen, but it is imports at unfairly low price which are preventing domestic industry from charging adequate remunerative prices and earn a reasonable return.
- xiii. Information with respect to low production on account of shortage of raw material was not at all concealed as it has been mentioned in the Annual report of the company which is part of application.
- xiv. Plant was shut down only for 24 days in period of investigation because of non-supply of propylene.
- xv. In spite of the demand and supply gap, domestic industry was operating with idle capacity for the majority of the period. Further return earned was also low for the majority of the period upto the year 2017-18. Considering the performance, no producer would expand its capacity.
- xvi. Negative price undercutting with inadequate profits shows that prices are suppressed or depressed. The selling price of domestic industry is dependent on the import price prevalent in market.
- xvii. Domestic industry has claiming injury from the low-priced imports only. There are significant exports from the countries which are priced below the fair selling price and net selling price of domestic industry.
- xviii. Claimed methodology of considering low priced imports has been approved by Hon'ble Supreme Court of India and WTO in matter of European Communities – Anti-Dumping Duties on Malleable Cast Iron Tube or Pipe Fittings from Brazil.
- xix. Respondents have not been able to substantiate why performance in the period 2018-19 was abnormal and therefore there is no reason to exclude 2018-19 from injury analysis. There was an increase in import prices and decline in volume in 2018-19 and domestic industry was able to increase its prices.
- xx. Merely because importers are forced to pay duties is not sufficient justification to not protect domestic market from the dumped imports. Importers are free to import from other sources.
- xxi. On the submission that applicant has not disclosed captive sales and export sales, application makes it clear that domestic industry has not made exports. 2 EH does not find consumption in products produced and sold by domestic industry.
- xxii. Imports happened across the period of investigation and there is no merit in argument that the imports happened in the last quarter of period of investigation when domestic industry's plant was under shutdown.
- xxiii. Imports made during different period does not justify no intense competition between imports. As against alleged argument, around 75% imports from European Union took place in the 1st half of the period of investigation.
- xxiv. Domestic industry was able to sell at adequate remunerative prices prior to the period of investigation and is now selling at suboptimal prices. It cannot be contended that it sells at losses in order to sell its inventory and increase its sales and market share.

- xxv. The statements made in the Annual Reports and other research reports do not pertain to product specific information. Rather, they are made for the company as whole.
- xxvi. Neither the domestic industry is into export operations nor is sourcing its raw material from the foreign supplier. Therefore, foreign exchange fluctuations would not have any significant impact on the performance of the product under consideration.
- xxvii. On issue of weak global demand, applicant is sole producer in India operating with demand and supply gap and is not into exports. It should not have suffered due to weak global demand. Producers globally facing the heat of weak demand does show element of dumping.
- xxviii. Domestic industry has already in its application highlighted that imports from Singapore are above de-minimis limits. However, since the present application is a sunset review application, the scope of countries could not be expanded.
- xxix. On the submission that capital employed has increased but there is no change in capacity, plant for the production of subject goods is not the only factor in change in capital employed.
- xxx. As domestic industry was recovering from the past ill effects of dumping, it was able to increase its prices till 2018-19.
- xxxi. Performance of domestic industry has been impacted by dumped imports from various sources for majority over the last 10 years. Therefore, considering a return lower than 22% would not be appropriate.
- xxxii. CESTAT in plethora of cases held that considering a return of 22% for determination on non-injurious price would be appropriate.
- xxxiii. Return earned by domestic industry in the year 2018-19 may be considered for calculating NIP. Imports in 2018-19 were lowest over the injury period and domestic industry operated at its full capacity which rules out element of price effect of imports.
- xxxiv. The provision of de-cumulation does not apply for sunset review investigation.
- xxxv. The applicant has submitted that there are significant imports entering below the price of domestic industry due to which it has not been able to sell at optimum level. The applicant has relied on the CESTAT Decision in case of Kothari Sugars & Chemicals Limited vs. Designated Authority and submitted that the price undercutting should be determined on the basis of imports below the price of the domestic industry. According to the applicant, there are around 40% of imports from subject countries which are below the prices of the domestic industry.

G.2 Submissions of other interested parties

62. The submissions of the other interested parties with regard to injury and causal link are reproduced herein below:
- i. There is negative price undercutting which shows absence of price effect. Month wise price undercutting is negative after considering anti-dumping duty.
 - ii. Domestic industry did not expand its capacity inspite of anti-dumping duties in force and increasing demand.
 - iii. There is no suppressing or depressing effect of imports as there is negative price undercutting.
 - iv. Domestic industry has concealed information that there has been a shortage of raw material supply which led to decline in production.
 - v. Domestic Industry has used zeroing methodology to advance contention which is contrary to the WTO principles as per US-Zeroing (EC) case.
 - vi. No information has been provided if domestic industry has made export sales and captive consumption.

- vii. HPCL underwent significant works for maintenance and capacity expansions in Quarter 3 and Quarter 4 of 2019-20. There was shortage of raw material supply to domestic industry.
- viii. Domestic industry's plant was shut down in Quarter 4, imports were necessary to meet the increasing demand.
- ix. If the drop in production and sales was due to increasing imports at dropping prices, it would still have had leverage to lower prices further to fight for its market share.
- x. Decrease in prices of subject goods in the period of investigation was driven by a significant drop in 2-EH feedstock prices of propylene (and naphthalene).
- xi. Request made by domestic industry to consider only injurious transactions to determine price undercutting and injury margin is contrary to past practice of the DGTR and should be rejected.
- xii. ICRA reports and Annual Report states that domestic industry's performance has been impacted because of dependence on a single supplier for key raw material, subdued product-feedstock price spreads due to weak global demand, import duty differentials and foreign exchange rates.
- xiii. EU producers have a destock advantage as compared to Asia and America regions. Propylene is pre-dominantly produced as a by-product in the operations of crackers and refiners. Prices for propylene in EU were significantly higher during review investigation period than in America or Asia.
- xiv. There is no impact of landed price on selling price of domestic industry as the trend in both is virtually identical. Negative price undercutting exemplifies that there is no adverse price effect.
- xv. Domestic industry has in the annual report identified increased imports from non-subject countries as major risks and causes for threat of injury.
- xvi. Capacity of domestic industry remained unchanged during the injury period of investigation but there is an increase in capital employed.
- xvii. Profits of domestic industry show a tremendous increase in 2017-18 and 2018-19 due to higher increase in selling price than increase in cost of sales.
- xviii. Injury can be due to deterioration in the export performance of domestic industry.
- xix. Increase in average stock cannot be taken in isolation for the purpose of determining the injury caused to domestic industry.
- xx. There has been a consistent increase in fixed asset and depreciation of domestic industry without any increase in the capacity.
- xxi. WTO Panel in Argentina Footwear case held that injury analysis is required to be conducted for both end-to-end comparison and of intervening periods
- xxii. During 2018-19, the prices of Naptha and Propylene were highest during the injury period which normalized in the period of investigation. Domestic industry also corrected its prices with a decline in raw material prices and global market scenario.
- xxiii. Imports from Taiwan are merely 0.2% of total imports and cannot be cumulated with imports from other countries.
- xxiv. DGTR should adopt ROCE earned by the industry when there was no allegation of dumping as reasonable profit margin and not 22% ROCE.
- xxv. Capital employed comprises of net worth and debt of company. Calculation of return by adopting 22% uniformly on both components of capital employed is totally incorrect and needs to be reviewed.
- xxvi. European Union arrives at NIP by relying on profit margin obtained by union industry during the part of the injury investigation period in which the dumped and/or subsidized imports did not have any negative effect on the situation of the union industry.

- xxvii. Applicant's claim of considering only injurious transaction to determine undercutting and injury margin is akin to zeroing which is violation of the WTO Agreement and past practice of the DGTR.
- xxviii. The zeroing methodology proposed by the domestic industry inflates the dumping and injury margin.
- xxix. In the WTO Panel Report relied on by the applicant, it was clarified that undercutting determined by excluding non-injurious imports was also 'one of the methodologies' to assess the effect of price undercutting and was not an 'end in itself' like determination of dumping.
- xxx. In CESTAT decision of Kothari Sugars. Domestic industry had opposed average analysis as there was non-cooperation from producers / exporters and in case of non-cooperation, DGTR should consider low priced exports. The tribunal judgements relied on by the applicant were concerned with completely different.
- xxxi. If imports were segregated on the basis of prices, it would mean that the applicant is not suffering any volume injury.
- xxxii. There are no injurious imports at all from Korea, Indonesia and Malaysia as delta between the NSR and NIP is negative.
- xxxiii. Between 2016-17 and 2018-19, the economic parameters of the domestic industry would show significant improvement.
- xxxiv. Decrease in prices of period of investigation was driven by a significant drop in 2-EH feedstock prices of propylene and naphthalene.
- xxxv. There are other factors such as dependence on a single supplier for key raw material, subdued product- feedstock price spreads due to weak global demand, import duty differentials and foreign exchange rates which are cause of injury.
- xxxvi. Prices for each country and market are different and fixed after taking into account market conditions. It is illogical to compare prices fixed for third countries with the prices of domestic industry.
- xxxvii. As per domestic industry's own submissions, they are not getting injured by 70% imports from EU, 100% imports from Indonesia and Korea, 50% imports from Malaysia and around 11% imports from USA.
- xxxviii. Domestic industry is selling at price lower than import price and any loss to domestic industry is due to the fact that it is undercutting the import prices and not the opposite.

G.3 Examination by Authority

- 63. The Authority has taken note of the submissions made by the interested parties. Annexure-II of the Anti-Dumping Rules provides for objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in domestic market for the like articles; and (b) the consequent impact on domestic producers of such products.
- 64. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, 1975, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time-to-time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of the order of such extension.
- 65. In consideration of the various submissions made by the interested parties in this regard, the Authority has examined the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject countries.
- 66. The Authority notes that it is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration, while some others may not. The Authority has considered all injury parameters and, thereafter, concludes whether injury to the domestic industry continues, or recur, in case the antidumping duty is ceased. The Authority has examined the injury parameters objectively considering the facts and arguments submitted by the domestic industry and other interested parties.

67. The Authority has taken note of various submissions made by the Domestic Industry and other Interested parties on injury and causal link and analyzed the same considering the facts available on record and applicable laws. The injury analysis made by the Authority in the succeeding preceding paras ipso facto addresses submissions made by the domestic industry and other interested parties.

F.3.1 Assessment of demand

68. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in India, as the sum of domestic sales of the domestic industry and imports from all sources.

SN	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Imports from subject countries	MT	35,665	31,641	30,807	52,761
2	Imports from other countries	MT	31,201	26,458	23,279	28,874
3	Domestic sales of applicant	MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	127	131	106
4	Total demand/ consumption	MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	103	101	116

69. It is seen that the demand of the subject goods increased in 2017-18, declined marginally in 2018-19 and then has again increased in the period of investigation. Demand of the subject goods has increased over the injury period.

F.3.2 Volume effect of dumped imports.

i. Import volume and share of subject countries.

70. The effects of the volume of dumped imports from the subject countries as well as imports from other countries have been examined by the Authority.

SN	Particulars of imports	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Subject countries	MT	35,665	31,641	30,807	52,761
a	EU	MT	17,465	14,049	6,701	13,187
b	Indonesia	MT	-	-	3,209	3,343
c	Korea Rp	MT	-	-	95	4,249
d	Malaysia	MT	17,220	8,676	10,108	14,611
e	Taiwan	MT	-	-	20	20
f	U S A	MT	980	8,916	10,674	17,350
2	Other countries	MT	31,201	26,458	23,279	28,874
3	Total Countries	MT	66,866	58,099	54,086	81,636
4	Subject countries import in relation to -					
a	Indian production	%	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	71	67	138
b	Demand	%	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	86	86	128
c	Total imports	%	53%	54%	57%	65%

71. It is seen that the volume of dumped imports of subject goods declined till 2018-19, but increased in the period of investigation. Imports from the subject countries have increased in the period of investigation in absolute terms as well as in relation to production, consumption and total imports. The Authority notes that there was a curtailment of production by the domestic industry due to short supply of key raw material.

F.3.3 Price effect of dumped imports.

72. In terms of Annexure II (ii) of the Rules, the Authority is required to consider the effect of the dumped imports on domestic prices in terms of price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

a. Price undercutting

73. With regard to the effect of dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product from the subject countries and the average selling price of the domestic industry, net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at ex-factory level.

S.No.	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Net Sales Realisation	Rs/MT	***	***	***	***
2	Subject countries as a whole					
a	Landed Price	Rs/MT	57,366	70,884	85,213	71,652
b	Price Undercutting	Rs/MT	***	(***)	(***)	(***)
c	Price Undercutting	%	***	(***)	(***)	(***)
d	Price Undercutting	Range	0-10%	(0-10) %	(0-10) %	(0-10) %
3	European Union					
a	Landed Price	₹/MT	58,160	73,474	90,297	77,850
b	Price Undercutting	₹/MT	***	(***)	(***)	(***)
c	Price Undercutting	%	***	(***)	(***)	(***)
d	Price Undercutting	Range	0-10%	(0-10) %	(0-10) %	(0-10) %
4	Indonesia					
a	Landed Price	₹/MT	-	-	80,327	70,987
b	Price Undercutting	₹/MT	-	-	2,670	487
c	Price Undercutting	%			***	***
d	Price Undercutting	Range	0.00%	0.00%	0-10%	0-10%
5	Korea RP					
a	Landed Price	₹/MT	-	-	89,856	75,917
b	Price Undercutting	₹/MT	-	-	(***)	(***)
c	Price Undercutting	%			(***)	(***)
d	Price Undercutting	Range	0.00%	0.00%	(0-10) %	(0-10) %
6	Malaysia					
a	Landed Price	₹/MT	56,495	71,120	81,120	70,195

b	Price Undercutting	₹/MT	***	(***)	(***)	***
c	Price Undercutting	%	***	(***)	(***)	***
d	Price Undercutting	Range	0-10%	(0-10) %	0-10%	0-10%
7	Taiwan					
a	Landed Price	₹/MT	-	-	94,735	74,747
b	Price Undercutting	₹/MT	-	-	(***)	(***)
c	Price Undercutting	%	-	-	(***)	(***)
d	Price Undercutting	Range	0.00%	0.00%	(0-10) %	(0-10) %
8	USA					
a	Landed Price	₹/MT	58,527	66,572	87,307	67,249
b	Price Undercutting	₹/MT	(***)	***	(***)	***
c	Price Undercutting	%	(***)	***	(***)	***
d	Price Undercutting	Range	(0-10) %	0-10 %	(0-10) %	0-10 %

74. It is seen that price undercutting in respect of all the subject countries as a whole is slightly negative, and individually, in the case of Indonesia, Malaysia and the USA it is positive.

b. Price Suppression/Depression

75. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority examined the changes in the costs and prices over the injury period, and compared the same with the landed price of imports.

S.No.	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Cost of Sales	₹/MT	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>103</i>	<i>119</i>	<i>111</i>
2	Selling Price	₹/MT	***	***	***	***
	<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>117</i>	<i>142</i>	<i>122</i>
3	Landed price of imports	₹/MT	57,366	70,884	85,213	71,652
	<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>124</i>	<i>149</i>	<i>125</i>

76. It is seen that the cost of sales and selling price of domestic industry and landed price of imports increased till 2018-19. The quantum of increase in landed price of imports and selling price of the domestic industry was higher than the quantum of increase in cost of the domestic industry. Further, the increase in landed price of imports in 2017-18 and 2018-19 was higher than the increase in cost of sales of the domestic industry. However, in the POI, cost of sales and selling price of the domestic industry and landed price of imports declined. But, decline in landed price of imports is far higher than decline in selling price and cost of sales of the domestic industry. It is thus seen that the domestic industry is keeping its prices in accordance with the import price and in that sense the imports from subject countries have depressed the prices of the domestic industry in the POI.

c. Price underselling

77. The Authority further examined the selling price and landed price of imports during the POI.

Country	NIP	Landed Value	Underselling	Underselling	Underselling
	Rs./MT	Rs./MT	Rs./MT	%	Range
European Union	***	77,850	(***)	(***)	(0-10)
Indonesia	***	70,987	***	***	0-10
Korea Rp	***	75,917	(***)	(***)	(0-10)
Malaysia	***	70,195	***	***	0-10
Taiwan	***	74,747	(***)	(***)	(0-10)
USA	***	67,249	***	***	0-10

78. It is seen that price underselling is positive in case of Indonesia, Malaysia and the USA and negative in other subject countries.

F.3.3 Impact on economic parameters of the domestic industry

79. Annexure - II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Anti-Dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity: factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. Accordingly, various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below.

a. Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

80. The Authority has considered capacity, production, capacity utilization and sales volume of the domestic industry over the injury period.

SN	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Capacity	MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	101	101	101
2	Production	MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	124	129	107
3	Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	123	128	106
4	Domestic sales	MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	127	131	106

81. It is seen that:

- The applicant has claimed capacity as reported in the cost audit report. However, Authority has considered capacity as reported in the Pollution Control Board Certificate as it is seen that the domestic industry has installed capacities to the extent it has reported capacity to the pollution control authority. It is seen that there is a marginal increase in its capacity.

- b. The production, sales and capacity utilization of the domestic industry has increased till 2018-19 but declined in the period of investigation. The Authority notes that this decline is due to short supply of propylene. The Authority has also duly considered the effect of raw material supply while optimising the capacity for determining the non-injurious price for the PUC.

b. Market share of the domestic industry in demand.

82. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined.

SN	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Domestic industry	%	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	123	129	92
2	Subject Countries	%	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	86	86	128
3	Other Countries	%	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	82	74	80

83. It is seen that market share of the domestic industry increased till 2018-19, but declined in the period of investigation. Share of imports from subject countries declined till 2018-19, but increased in the period of investigation. The Authority notes that the decline in the market share of the domestic industry is due to lower production on account of short supply of key raw material.

c. Inventories

84. Average inventory with the domestic industry has been examined.

SN	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Average inventory	MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	99	44	123

85. It is seen that the average inventory level of the domestic industry has shown declining trend till 2018-19 and increased substantially thereafter in the period of investigation.

d. Profit or loss, cash profits and return on investment.

86. Performance of the domestic industry has been examined in respect of profits, cash profits and return on capital employed.

SN	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Cost of sales	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	103	119	111
2	Selling price	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	117	142	122
3	Profit / Loss (PBT)	₹/MT	(***)	***	***	***
	Trend	Indexed	-100	411	707	274
4	Profit / Loss (PBT)	₹ Lacs	(***)	***	***	***
	Trend	Indexed	-100	521	923	292
5	Cash profits	₹ Lacs	(***)	***	***	***
	Trend	Indexed	-100	3,319	5,546	2,161

6	Profit before Interest & Tax (PBIT)	₹ Lacs	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	1,381	2,166	667
7	Profit before Depreciation, Interest & Tax (PBDIT)	₹ Lacs	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	552	830	314
8	Return on capital employed	%	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	1,509	2,511	850

87. Authority has examined the profitability of the domestic industry over the injury period. It is seen that:

- Domestic Industry was in losses in the base year and its profitability increased thereafter. The profits increased till 2018-19. However, the profits have declined in the period of investigation.
- Whereas the import prices were below the cost of sales in the base year, the same were higher than the cost of sales in the subsequent years. The applicant claims that since the domestic industry is pricing its product in comparison to import price, it was facing financial losses in 2016-17 and was able to earn and thereafter improve its profits in 2017-18 and 2018-19. Decline in the import price in POI far beyond the decline in cost of sales in the POI has led to decline in the profits in the POI.
- Cash profits show the same trend as that of profits. Domestic industry was in cash losses in the base year but its cash profits increased thereafter. The cash profits increased till 2018-19 and declined sharply in the period of investigation.
- Domestic industry had positive ROI throughout the injury period but the same declined in the period of investigation.
- The Authority examined the impact of curtailed production on profits, cash profits and ROI. For the purpose, the Authority considered these parameters adjusting the production to the extent it was impacted due to short supply of raw materials. It is seen that profits, cash profits and ROI of the domestic industry would have shown significant decline in the POI, had it produced and sold to the extent of production loss also. Thus, the decline in these parameters are largely due to decline in import price.
- The interested parties have submitted that the profits of the domestic industry have increased significantly in 2018-19. It is however seen that the selling price of the domestic industry shows the pattern as is seen in the imports. The import price increased significantly in 2017-18 and 2018-19, far beyond the increase in cost of sales. It is also seen that profits of the domestic industry have declined sharply in POI as compared to 2018-19 and 2017-18.

e. Employment, wages and productivity

88. The situation of the domestic industry with regard to employment, wages and productivity was examined.

SN	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	No of employees	Nos	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	98	95	97
2	Salary & wages	₹ Lacs	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	101	105	187
3	Productivity per day	MT/Day	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	124	129	107
4	Productivity per employee	MT/Nos	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	126	135	110

89. It is seen that employment levels of domestic industry have declined over the injury period, but the wages of the domestic industry have increased. The productivity of the domestic industry increased till the preceding year but declined in the period of investigation.

f. Growth

90. Examination of growth parameters of the domestic industry during the injury period is shown below –

SN	Particulars	UOM	2017-18	2018-19	POI
1	Production	Y/Y	24%	4%	-17%
2	Capacity Utilization	Y/Y	23%	4%	-17%
3	Domestic Sales	Y/Y	27%	3%	-19%
4	Profit/(Loss) per unit	Y/Y	511%	72%	-61%
5	Inventory	Y/Y	-1%	-56%	181%
6	Market Share	Y/Y	23%	5%	-29%
7	Profit/(Loss) in Rs Lakhs	Y/Y	621%	77%	-68%
8	Cash Profit in Rs Lakhs	Y/Y	3419%	67%	-61%
9	PBIT in Rs Lakhs	Y/Y	1281%	57%	-69%
10	ROI %	Y/Y	1409%	66%	-66%

91. It is seen that while the growth of the domestic industry was positive in 2017-18 and 2018-19, the domestic industry has recorded a negative growth in the period of investigation.

g. Magnitude of dumping

92. It is seen that the dumping margin in the imports from the subject countries is positive.

h. Ability to raise fresh investment

93. The applicant has submitted that the profitability of the domestic industry has been impacted by dumped imports in past and considering the significant capital investment being undertaken in the country by various producers, protection against the dumped imports is necessary.

i. Factors affecting domestic prices.

94. It is seen that there is significant percentage of the dumped imports that are preventing the domestic industry from increasing its prices.

j. Observations on injury

95. Considering various parameters relating to material injury, it is seen overall performance of the domestic industry improved significantly till 2018-19 and deteriorated in POI. The volume of subject imports increased significantly in absolute terms and in relation to production & consumption in India. The domestic industry was able produce and sell more in the domestic market till 2018-19; and imports declined over this period. However, in the POI, the domestic industry faced some raw material supply constraints from HPCL, leading to curtailed production. The Authority has thus considered that the deterioration in production, capacity utilization, sales and market share in the POI is not fully due to imports, and is substantially due to curtailed production as a result of input availability. However, the imports were at a price above the domestic industry prices during 2017-18, 2018-19 and POI. The import prices and consequently selling price of the domestic industry increased more than increase in the cost of sales, the import prices and consequently selling price of the domestic industry declined far disproportionately when compared with the costs. Resultantly, profits, cash profits and ROI of the domestic industry improved till 2018-19 and the same declined sharply in the POI.

k. Magnitude of Injury margin

96. The Authority has determined the NIP for the Domestic Industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the PUC has been determined by adopting the information/data relating to the cost of production provided by the domestic industry and duly certified by the practising accountant for the POI. The NIP has been considered for comparing the landed price from the subject country for calculating injury margin. For determining the NIP, the best utilisation of the raw materials and utilities has been considered over the injury period. Best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. Extraordinary or non-recurring expenses have been excluded from the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e., average net fixed assets plus average working capital) for the PUC was allowed as pre-tax profit to arrive at the NIP as prescribed in Annexure III of the Rules and being followed.

97. Based on the landed price and NIP determined as above, the injury margin for

Producers/exporters as determined by the Authority is provided in the table below:

SN	Particulars	NIP (USD/MT)	Landed price (USD/MT)	Injury margin (USD/MT)	Injury margin - %	Injury margin - range
1	European Union					
A	OQ Chemicals Produktion GmbH & Co. KG ("OQCP") and OQ Chemicals GmbH ("OQC")	***	***	(***)	Negative	-
B	Any other	***	***	***	11%	10-20
2	Indonesia					
A	PT. Petro Oxo Nusantara	***	***	***	3%	0-10
B	Any other	***	***	***	5%	0-10
3	Malaysia					
A	BASF Petronas Chemicals Sdn Bhd,	***	***	***	6%	0-10
B	Any other	***	***	***	22%	20-30
4	Korea RP	***	***	(***)	Negative	-
5	Taiwan	***	***	(***)	Negative	-
6	United States of America	***	***	***	***	0-10

H CAUSAL LINK

98. As per the AD Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than dumped imports which are injuring or are likely to cause injury to the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. While the present investigation is a sunset review investigation and causal link has already been examined in original investigation, the Authority examined whether other known listed factors have caused or are likely to cause injury to the domestic industry. It was examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed or are likely to contribute to the injury suffered by the domestic industry.

a. Volume and price of imports from third country

99. The volume of imports from Singapore are above di-minimis limits.

b. Contraction in Demand and / or Change in Pattern of Consumption

100. Demand of the subject goods has increased as compared to base year. The demand declined marginally in the year 2018-19 but increased again in the period of investigation. However, the capacity of the domestic industry is significantly below the demand in India. Therefore, changes in demand could not have contributed to the injury to the domestic industry.

c. Development of Technology

101. The Authority notes that technology for production of the product has not undergone any change. Developments in technology are, therefore, not a possible factor of injury.

d. Trade restrictive practices

102. The Authority notes that there is no trade restrictive practice, which could have caused injury to the domestic industry.

e. Export performance

103. The domestic industry is not into export operations and therefore it cannot be a cause of injury.

f. Performance of other products

104. Performance of other products produced and sold by the applicant is not a possible cause of the injury to the domestic industry in this investigation.

I LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF INJURY

105. In a review investigation, the Authority has to determine whether the subject goods are continuing to enter or likely to enter the Indian market at dumped prices and whether injury to the domestic industry is likely to continue or recur due to these dumped imports if the duty is removed.

I.1. Submissions by domestic industry

106. The submissions of the domestic industry with regard to likelihood of injury are reproduced herein below:
- i. Imports from subject countries have increased inspite anti-dumping duties, there is every likelihood that they will increase at a much faster rate once the duties lapse.
 - ii. Significant exports to other countries are at prices lower than prices prevailing in the Indian market. Expiry of anti-dumping duties will provide foreign producers an opportunity to divert their third countries exports to India.
 - iii. Significant exports from subject countries to rest of the world are at a price below the non-injurious price for the domestic industry.
 - iv. Producers in the subject countries have significant excessive capacities and are undertaking significant global exports.
 - v. M/s Oxea Corporation and M/s BASF have expanded their production capacities of the subject goods in the past 4 years.
 - vi. Imports from the subject countries have held a significant share in the demand of the subject goods in India and act as price setters in the domestic market.
 - vii. Malaysian Investment Development Authority has listed BASF Petronas Chemicals Sdn. Bhd as an export-oriented entity.
 - viii. As per ICIS report, India is one of the major exporting countries for M/s Petro Oxo Nusantara.
 - ix. Average exports of last 10 years were more than 50% of the production capacity of PT Petro Oxo Nusantara and BASF Petronas Chemicals Sdn Bhd which shows that the capacities set up in these countries are far more than their domestic demand.
 - x. Capacity utilization of BASF Petronas Chemicals Sdn. Bhd has declined and inventory has increased. Cessation of duties will provide it an opportunity to ship its surplus inventory and utilize the idle capacity.

- xi. Inventory with Pt. Petro Oxo Nusantara has increased. Cessation of duties will provide it with an opportunity to utilize the surplus inventory to ship in the Indian market.
- xii. Trend of profitability in the export sales to India in case of OQ Chemicals GmbH shows a negative trend and it seems that the producer has incurred losses in the sales to India which highlights the importance of Indian market.
- xiii. Capacity utilization of OQ Chemicals GmbH also shows a decline and will always encourage the producers to hunt global markets.
- xiv. Significant exports from the subject countries are priced below the NIP and NSR of the domestic industry and the normal value of the subject goods.

I.2 Submissions by other interested parties

107. The submissions of the other interested parties with regard to likelihood of injury are reproduced herein below:

- i. Threat parameters listed in Annexure II are mandatorily required to be examined as per Gujarat High Court Decision in case of Nirma Limited vs Union of India. Authority has examined the same in the sunset review investigation of Certain Rubber Chemicals and Sodium Nitrite.
- ii. Domestic industry is required to establish that there are freely disposable capacities that can be diverted into India.
- iii. Incorrect information has been furnished that BASF is expanding its capacity.
- iv. Presence of continued dumped imports in itself is not an indicator of likelihood of injury.
- v. Around 70% of the production of the producer in Malaysia is used domestically.
- vi. Domestic industry is required to prove that there is likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in event of cessation of duty which cannot be shifted to exporters. Contention that exporter should establish no likelihood of continued dumping, is deprived of merit.
- vii. Date for the post period investigation is required to be examined. In sunset review of Viscose Filament Yarn from China PR, Authority noted that likelihood of injury cannot be established as post period of investigation data was not provided.
- viii. There is no need to examine existence of dumping in previous investigation, dumping to third countries and imports to other countries at injurious prices in determination of likelihood of recurrence or continuation of dumping and injury.
- ix. Based on domestic industry's own data, European Union's exports at low prices constitute only 19 % of its total exports.
- x. Domestic industry has failed to prove information with respect to freely disposable capacities in the subject countries that will be diverted in the event of cessation of existing duties.
- xi. Facts of the case are similar to Sunset Review of Anti-Dumping Duty imposed on imports of Digital Offset Printing Plates from China PR where the Authority recommended discontinuation of anti-dumping duty levied on product under consideration.
- xii. Economic parameters of domestic industry during the post period of investigation are not appropriate parameters to apply likelihood test due to impact of Covid-19.
- xiii. Anticipated increase in capacity has no relevance to the present investigation. Increase in capacities will lead to a decline in imports as opposed to increase.

- xiv. Proposed addition to capacities cannot, in law or economics, be a ground for extension of anti-dumping duties.
- xv. DGTR is not required to assess existence of dumping in previous investigation, dumping to third countries and imports to other countries at injurious prices for determination of likelihood of recurrence or continuation of dumping and injury in a sunset review investigation.
- xvi. OQC Group received the lower duty rate to India but it did not export in large quantities to India.
- xvii. Export orientation in itself does not prove that there is likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
- xviii. The factors listed down by the applicant are in violation of requirements listed under rules.
- xix. Various projects listed by the applicant for capacity expansion have been put on due to Covid -19 restrictions.
- xx. Excess capacity cannot mean that capacity remaining unutilized after meeting domestic demand but refers to idle capacities left over after meeting domestic and global demand.
- xxi. In the post period of investigation, the domestic Industry has reported profits in the most recent quarter, despite Covid-19 pandemic.
- xxii. Exports sales to India are insignificant as compared to the total sales in the period of investigation and the capacity was also significantly utilized in the period of investigation.

I.3. Examination by Authority

- 108. The Authority has examined the likelihood of continuation or recurrence of injury considering the requirement laid down under Section 9A(5), Rule 23 and parameters relating to the threat of material injury in terms of Annexure - II (vii) of the Anti-dumping rules, and other relevant factors brought on record by the interested parties.
- 109. The present investigation is a sunset review of duties imposed on the imports of subject goods from European Union, Indonesia, Korea RP, Malaysia, Taiwan and the United States of America. Under the Rules, the Authority is required to determine whether cessation of existing duty is likely to lead to continuance or recurrence of injury to the domestic industry. Further, the Authority has also examined other relevant factors which could have a bearing on the likelihood of continuation or recurrence of dumping and consequent injury to the domestic industry.
- 110. In accordance with the practice of the Authority, the third country exports have been examined to see the pricing behaviour of the producers in the subject countries. Further, the Authority has also examined if the exports to other countries are at prices injurious to the domestic industry and prices below the Indian prices to examine the likely increase in imports to India in event of cessation of duties.
- 111. The Authority has not conducted any examination of the post period of investigation data as the same would be impacted by shutdown caused by the Covid-19 situation, and the current volume of imports in itself is sufficient to make determination.

I.3.1 Capacities in subject countries

- 112. The applicant has provided global figures of demand and capacity and claimed that global capacities are significantly higher than the demand and, therefore, the producers will always look for markets to export in order to utilize their idle capacities. The same applies for the producers in the subject countries as well. In the absence of information with regard to the capacities and demand in the subject countries, the Authority has considered information available on record.

Region	Forecast of demand (MT)		Capacities in MT
	2020	2025	
Asia Pacific	32,55,000	36,69,000	37,03,000
Africa	10,000	10,000	-
Middle East	1,78,000	1,89,000	1,95,000
North America	4,04,000	4,20,000	8,80,000
South America	81,000	91,000	80,000
Central and Eastern Europe	1,92,000	2,12,000	3,30,000
Western Europe	3,95,000	4,08,000	10,40,000
Total	45,14,000	49,97,000	62,28,000

Source: ICIS report, Market Analytics: Oxo Alcohols - 2018, Nexant

I.3.2 Capacity expansion in subject countries

113. Applicant has submitted that the M/s Oxea Corporation and M/s BASF have expanded their production capacities of the subject goods in the past 4 years and provided a news article as evidence for it. However, from the response filed by the cooperating producers, it is noted that none of them has expanded their production capacities.

I.3.3 Export orientation

114. Applicant has provided information with respect to capacities in the subject countries and average exports undertaken by them in last 10 years.

SN	Country	Capacity (MT/year)	Average exports in last 10 years	Exports as % of capacity
1	Europe	12,95,000	1,84,723	14%
2	Indonesia	1,40,000	1,12,864	81%
3	Malaysia	80,000	47,104	59%
4	South Korea	3,95,000	74,609	19%
5	Taiwan	2,20,000	28,505	13%
6	USA	8,80,000	91,811	10%

Source: ICIS report, Eurostat (Export of Europe), TradeMap (Export of other countries)

115. It is seen that on for all the subject countries at least 10% of the capacity has been used for the export purposes. The applicant has submitted that there is only one producer each in Indonesia and Malaysia and the exports undertaken by them are very high. It is seen that export as a percentage of capacity is as high as 81% and 59% for Indonesia and Malaysia respectively.

I.3.4 Third country dumping

116. Table below shows volume of exports to third countries at prices below normal value as submitted by the domestic industry.

SN	Particulars	Unit	Europe	Indonesia	Malaysia	Korea RP	Taiwan	USA
1	Volume of exports below normal value	MT	45687	2802	4269	48,623	34,983	1,10,568
2	Volume of exports above normal value	MT	76828	97129	14907	375	67	2,716

3	Total exports to third countries	MT	122516	99931	19177	48,998	35,050	1,13,284
4	% of exports below normal value	%	59%	3%	29%	98%	100%	98%
5	% of exports in demand in India below normal value	%	30-40%	0-10%	0-10%	30-40%	20-30%	75-85%

Source: Eurostat (Export of Europe), TradeMap (Export of other countries)

117. The table below shows volume of exports by the participating producers to third countries at dumped prices.

SN	Particulars	Unit	BASF Petronas Chemicals Sdn. Bhd.	Pt. Petro Oxo Nusantara	OQ Chemical Produktion GmbH
1	Volume of exports below normal value	MT	***	***	***
2	Volume of exports above normal value	MT	***	***	***
3	Total exports to third countries	MT	***	***	***
4	% of exports below normal value	%	60-70%	90-100%	90-100%
5	% of exports in demand in India below normal value	%	0-10%	60-70%	60-70%

Source: EQR

118. From the above tables it is seen that significant exports from the subject countries to third countries are at dumped prices.

I.3.5 Continued dumping

119. The table below shows the dumping margin in case of previous investigation and current investigation. It is seen that the dumping of subject goods from the subject countries has continued.

SN	Country	Dumping margin in original investigation	Dumping margin in current investigation
1	European Union	25-35% and 30-40%	20-30% and 30-40%
2	Indonesia	0-10% and 10-20%	10-20%
3	Korea Rp	0-10% and 10-20%	0-10%
4	Malaysia	0-10% and 20-30%	0-10% and 10-20%
5	Taiwan	5-15%	10-20%
6	United States of America	15-25%	20-30%

I.3.6 Price attractiveness

120. The table below shows volume of exports by the subject countries to third countries and India.

SN	Particulars	Unit	Europe	Indonesia	Malaysia	Korea RP	Taiwan	USA
1	Volume of exports below price in India	MT	85973	53940	7929	15257	10246	90627
2	Volume of exports above price in India	MT	36542	45991	11247	33740	24804	22656
3	Total exports to third countries	MT	122516	99932	19177	48,998	35,050	1,13,284
4	% of exports below price in India	%	70%	54%	41%	31%	29%	80%
6	% of exports in demand in India below price in India	%	60-70%	40-50%	0-10%	10-20%	0-10%	60-70%

Source: Eurostat (Export of Europe), TradeMap (Export of other countries)

121. The table below shows volume of exports by the participating producers to third countries and India.

SN	Particulars	BASF Petronas Chemicals Sdn. Bhd.	Pt. Petro Oxo Nusantara	OQ Chemical Produktion GmbH
1	Below price in India	***	***	***
2	Above price in India	***	***	***
3	Total exports to third countries	***	***	***
4	% of exports below price in India	65%	54%	54%
6	% of exports in demand in India below price in India	30-40%	40-50%	40-50%

Source: EQR

122. From the above tables it is seen significant exports from the subject countries to third countries are at prices below the export price to India.

I.3.7 Injurious exports

123. Table below shows volume of exports in respect of above countries to third countries at prices below NIP.

SN	Particulars	Unit	Europe	Indonesia	Malaysia	Korea RP	Taiwan	USA
1	Volume of exports below NIP	MT	91387	64258	7699	17,793	7,100	30,917
2	Volume of exports above NIP	MT	31129.3	35675	11478	31,205	27,950	82,367
3	Total exports to third countries	MT	122516.3	99932	19177	48,998	35,050	1,13,284
4	% of exports below price in India	%	75%	64%	40%	36%	20%	27%
6	% of exports in demand in India below price in India	%	70-80%	50-60%	0-10%	10-20%	0-10%	20-30%

Source: Eurostat (Export of Europe), TradeMap (Export of other countries)

124. The table below shows volume of exports by the participating producers to third countries at prices below the NIP of the domestic industry.

SN	Particulars	BASF Petronas Chemicals Sdn. Bhd.	Pt. Petro Oxo Nusantara	OQ Chemical Produktion GmbH
1	Below NIP	\\	***	***
2	Above NIP	***	***	***
3	Total exports to third countries	***	***	***
4	% of exports below price in India	96%	91%	79%
6	% of exports in demand in India below price in India	15%	74%	53%

Source: EQR

125. The applicant has submitted that there are significant exports to third countries which are at prices below the non-injurious price of the domestic industry. In an event if the duties are not extended, the producers in the subject countries will try to divert these goods to India since the prices in Indian market are lucrative for them.
126. The applicant has claimed that it has calculated the volume of imports below the non-injurious price of the domestic industry as shown below.

SN	Particulars	Imports below NIP (MT)	Total Imports (MT)	Share of imports below NIP
1	European Union	4,390	13,187	33%
2	Indonesia	-	3,343	0%
3	Korea Rp	-	4,249	0%
4	Malaysia	7,849	14,611	54%
5	Taiwan	20	20	100%
6	USA	15,462	17,350	89%
7	Total	27,721	52,760	53%

Source: DGCIS

I.3.8 Imports during the present injury period

127. It is seen that the imports have increased over the period of investigation inspite the anti-dumping duty in force. Though the increase in imports was imminent due to increasing demand in India and demand and supply gap, the concern is about significant percentage of these imports below the NIP.

J POST-DISCLOSURE COMMENTS

128. The Authority issued a disclosure statement on 25.02.2021 disclosing essential facts of the case and inviting comments from all the interested parties. The post-disclosure submissions have been received from the interested parties. Majority of the issues raised have already been raised earlier and also addressed appropriately. Additional submissions to the extent deemed relevant have been examined as under.

J.1 Submissions of the Domestic Industry

129. The disclosure statement clearly shows that dumping of the products under investigation did in fact, take place and despite the duty in force, imports increased over time during the period of investigation.
130. The DA has recommended an extension of duties, despite a negative injury margin in a lot of cases earlier, and the same should be done in the present case as well.
131. A lot of new investments are coming up in India to meet the huge demand supply gap in this industry, so the continuation of ADD is essential to protect the interests of present and future investments.
132. The DA has considered information given on a global basis, in the absence of data about demands and capacities in respective subject countries by applicants. It is relevant to note here that, the global capacities are significantly higher than the demand and, producers always look for markets to export, in order to utilize their idle capacities.
133. The ratio of average exports undertaken from the subject countries as a percentage of capacity over the last 10 years is significant.
134. Significant exports have been made to third countries, which are way below the selling price of DI.
135. The exports from other countries make up for a significant hold in demands in the Indian domestic market and thus often serve as price setters, impacting the prices of DI immensely.
136. Users have not been able to substantiate the adversity of the imposed duties.
137. Claims that users and importers suffered due to duties' imposition are baseless, as their financial statements show, making of significant profits even during the year of highest import prices.
138. Imposition of duties does not give undue protection to the industry but only aims at removing trade distortions from the industry.
139. The effect of raw material supply, is not as significant as contemplated by the authority because even if the DI would have procured the desired quantities, its performance would still have shown a similar trend as it would have been forced to sell at inadequate profits.
140. Profits of the domestic industry have continued to remain impacted in the PUC level in the post period of investigation. The DA has rightly noted in this behalf, that performance in the post period of investigation is not likely to be representative due to a nation-wide lockdown on account of Covid-19.
141. The DA has been requested on likelihood grounds, to acknowledge the existence of injury and dumping despite duty imposition and to extend the same for a further period of 5 years.

J.2 Submissions of other interested parties

142. Share of imports below NIP from Indonesia is 0%, hence the injury margin is negative from Indonesia. Therefore, investigation against Indonesia needs to be terminated.
143. Transaction wise import listing has not been shared by the Authority and the direction of the CESTAT in Exotic Décor Pvt. Ltd. and Ors. v. Designated Authority, Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties, has not been followed, therefore the Authority should provide adequate reasons for its decision.

144. In tolling arrangement, both the entities need to be named as the producer in terms of the dumping margin.
145. OQC is the company in whose name QQCP is conducting the production activities pursuant to the tolling arrangement.
146. Name of OQC i.e., QQ Chemicals GmbH along with QQCP, i.e., QQ Chemicals Produktion GmbH & Co. KG in the producer column of the dumping margin table, injury margin table as well as the final duty table need to be included.
147. The source of data for analysing likelihood parameters for EU in its petition has been changed from EUROSTAT data to TradeMap data in the Disclosure Statement, casting doubt on the veracity of the data filed by the petitioner.
148. Reliance on ICIS reports is against the principles of natural justice, as the report has not been made available to the exporters.
149. To determine freely disposable capacities, comparison of total production to total capacity in each subject country must be done.
150. Capacity figures for plants that produce 2-EH are sometimes substantially higher, as the same capacities are utilized for the production of N-Butanol also.
151. Assessment of exports to third country is irrelevant as the final price to India could be significantly different. In *Nirma Limited v. Union of India* the Hon'ble Gujarat High court did not recommend such an assessment.
152. EU producers could have easily shifted their sales to India considering prices are significantly lower than the price to India for all other destinations.
153. Petitioners could have easily been able to made its sales at a higher price, considering the undercutting from subject imports overall was negative.
154. Based on the information available in the public domain, particularly the “unaudited financial results along with Limited review report for the Quarter & 9 months period ended 31.12.2020” submitted by the petitioner to the Bombay Stock Exchange Ltd., it is evident that the petitioner is not suffering injury in the post-POI period. Therefore, post-POI needs to be analysed.
155. The mere fact that a part of the total sales happens to be for exports, does not imply likelihood of dumping or injury, the share of exports in the capacity of the exporters is much lower from Malaysia.
156. Exports of a country as a whole cannot be lower than the exports made by the exporter. This fact proves to be misleading and incorrect in relation to exports made by the exporter to the third countries.
157. Incorrect methodology has been adopted to carry out third country dumping analysis as comparing a weighted average number with an individual number will always show some transactions below it and some transactions higher than it.
158. It is not clear from the information provided in the disclosure statement that for carrying out the exporter specific analysis whether the actual normal value of the exporter has been considered or not.
159. Methodology to carry out the price attractiveness and injurious export analysis is flawed and misleading.
160. There will be no injury caused by the imported product from Indonesia since none of them were imported below NIP.
161. The ICIS reports considered by the Authority have not been provided to the exporters, and verifiable capacity related data filed by the exporters has also not been considered this may lead to violation of principles of natural justice.
162. The downstream users are required to import the material so as to ensure continuity of their operations, considering the demand and supply gap.
163. Depreciation of exchange rate has made imports no longer attractive for the Indian importers.

164. The landed price of the subject goods from the Subject Countries has not impacted the selling price of the domestic industry over the entire injury period. There is no price injury and the decline in the price of the imports is proportionate with the decline in the prices of cost of sales in India.
165. Adequate protection on the raw material as well as end product of the Domestic Industry due to customs duty protection at 7.5%.

J.3 Examination by the Authority

166. The Authority has examined post disclosure statement comments by the Domestic Industry and other interested parties including re-iterations which have already been examined suitably and addressed adequately in the relevant paragraphs of these final findings. The issues raised for the first time in the post disclosure comments/submissions by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined below:
- i. The Authority notes the concerns regarding name of OQ Chemicals GmbH in the duty table and have addressed the concerns in the duty tables accordingly.
 - ii. As regards the source of data for analysing likelihood parameters for EU, it is noted that this data has infact been taken from EUROSTAT data for exports from Europe and not TradeMap as mentioned in the disclosure statement. Necessary corrections have been made in these Final Findings
 - iii. The Authority has examined the price attractiveness, third country dumping and injurious exports as per consistent methodology for such analysis.
 - iv. On the likelihood analysis, the Authority holds that it has referenced the transaction wise data provided by the cooperating producers/exporters to evaluate the extent of diversion of exports to India by considering export prices from subject countries to third countries which are lower than export price to India, and which may be injurious in event of cessation of anti-dumping duty.
167. By applying the aforesaid methodology, the following is held:

European Union:

- i. **OQ Chemicals Produktion GmbH & Co. KG (“OQCP”) and OQ Chemicals GmbH (“OQC”):** The exports from OQ Chemicals Produktion GmbH & Co. KG (“OQCP”) and OQ Chemicals GmbH (“OQC”) during POI are noted to be dumped and non-injurious as depicted in dumping table and injury margin tables in foregoing para. However, exports to third countries other than India are noted to be dumped and their likely diversion to India indicates that they would be at injurious prices.

Malaysia

- i. **BASF Petronas Chemicals Sdn Bhd:** The exports from BASF Petronas Chemicals Sdn Bhd during POI are noted to be dumped and injurious as depicted in dumping table and injury margin tables in foregoing para. Also, exports to third countries other than India are noted to be dumped and their likely diversion to India indicates that they would be at injurious prices.

Indonesia:

- i. **PT. Petro Oxo Nusantara:** The exports from PT. Petro Oxo Nusantara during POI are noted to be dumped and injurious as depicted in dumping table and injury margin tables in foregoing para. Also, exports to third countries other than India are noted to be dumped and their likely diversion to India indicates that they would be at injurious prices.

168. The Authority holds that there is likelihood of dumping and injury in the event of cessation of anti-dumping duty in view of the aforesaid analysis.

K INDIAN INDUSTRY’S INTEREST & OTHER ISSUES

169. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duty, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The Interested parties have not established that imposition of duties is going to adversely impact the public interest.

170. It is recognized that the imposition of anti-dumping duty might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measure, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measure would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

L CONCLUSION

171. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry, the Authority concludes that:
- There is continued dumping of the subject goods from subject country and the imports are likely to enter the Indian market at dumped prices in the event of expiry of duty.
 - Though the performance of the domestic industry has improved till 2018-19 from the base year, its performance has suffered deterioration within the POI, and thus, the domestic industry remains vulnerable due to dumping of the subject goods from the subject countries. Thus, there is likelihood of injury in the event of expiry of duty.
 - The information on record shows likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury in case the Anti-dumping duty in force is allowed to cease at this stage.

M RECOMMENDATIONS

172. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers/users and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and the causal link and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules, the authority is of the view that continued imposition of Anti-Dumping Duty is required on subject goods from subject countries.
173. Under these circumstances, the Designated Authority considers it appropriate to recommend continuation of existing quantum of anti-dumping duty on the imports of subject goods from subject countries. The Authority, thus, considers it necessary to recommend continuation of existing definitive anti-dumping duty imposed vide Notification no. 10/2016-Cus (ADD) dt. 29-03-2016. Therefore, anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col 7 of the duty table given below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods, as detailed in column 3 of the duty table, from subject countries for a further period of five years.

DUTY TABLE

SN	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	Ch-29 29051620*	2-Ethyl Hexanol(2-EH) in all forms and grades	Malaysia	Any country including Malaysia	BASF PETRONAS Chemicals Sdn. Bhd., Malaysia	53.63	MT	USD
2.			Malaysia	Any country including Malaysia	Any other than producer at S.No. 1	107.30	MT	USD
3.			Any other than the subject countries	Malaysia	Any	107.30	MT	USD

SN	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
4.	-Do-	-Do-	Indonesia	Any country including Indonesia	P.T. Petro Oxo Nusantara, Indonesia	45.67	MT	USD
5.	-Do-	-Do-	Indonesia	Any country including Indonesia	Any other than producer at S.No. 4	127.82	MT	USD
6.	-Do-	-Do-	Any other than the subject countries	Indonesia	Any	127.82	MT	USD
7	-Do-	-Do-	European Union	Any country including European Union	(i) OQ Chemicals Produktion GmbH & Co. KG, Germany (ii) OQ Chemicals GmbH, Germany	45.47	MT	USD
8	-Do-	-Do-	European Union	Any country including European Union	Any other than producers at S.No. 7	113.47	MT	USD
9	-Do-	-Do-	Any other than the subject countries	European Union	Any	113.47	MT	USD
10	-Do-	-Do-	Korea RP	Any country including Korea RP	Any	15.55	MT	USD
11	-Do-	-Do-	Any other than the subject countries	Korea RP	Any	15.55	MT	USD
12	-Do-	-Do-	Taiwan	Any country including Taiwan	Any	42.45	MT	USD
13	-Do-	-Do-	Any other than the subject countries	Taiwan	Any	42.45	MT	USD
14	-Do-	-Do-	USA	Any country including USA	Any	29.61	MT	USD

SN	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
15	-Do-	-Do-	Any other than the subject countries	USA	Any	29.61	MT	USD

174. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 88, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time.

N FURTHER PROCEDURE

175. An appeal against these findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

ANANT SWARUP, Jt. Secy. and Designated Authority